शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

उपलब्ध कंकालों के रहस्य को उजागर करेगी एसआईटी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 03 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-213

भगवा आतंकवाद के षडयंत्रकारी कानून के शिकंजे से बाहर क्यों?

...तो चिदंबरम और परमवीर पर क्यों न हो कानूनी कार्रवाई!

नई दिल्ली/मुंबई, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मालेगांव विस्फोट मामले में यह साबित हो गया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हिंदू आतंकवाद की व्याख्या (नैरेटिव) स्थापित करने की सुनियोजित साजिश के तहत एक सेनाधिकारी, साधु-संतों और हिंदू संगठनों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर उन्हें भीषण यातनाएं दी थीं। षडयंत्र साबित करने के लिए सरकार ने पुलिस से फर्जी सबूत और फर्जी दस्तावेज बनवाए। महाराष्ट्र पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) अदालत में मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपियों के खिलाफ कोई भी ठोस सबूत पेश नहीं कर पाई। इसके अलावा सबूत इकट्ठा करने में की गई जालसाजी का भांडा भी फूट गया। अदालत ने सभी आरोपियों के बरी करते हुए जाली सबूत बनाने के मामले की जांच का आदेश दिया है। लेकिन अदालत ने उन नेताओं और उन आला अधिकारियों के खिलाफ कोई जांच या कार्रवाई का आदेश नहीं दिया, जो इस षडयंत्र में सीधे तौर पर लिप्त थे।

परमवीर सिंह ने ही गायब किया था आतंकी कसाब का फोन

मालेगांव विस्फोट मामले में हिंदू आतंकवाद की व्याख्या फैलाने वाले कांग्रेस नेता पी चिदंबरम, दिग्विजय सिंह और मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह एवं जाली सबूत बनाने वाले एटीएस के एसीपी शेखर बागड़े असली षडयंत्रकारी थे, जिन्होंने

खतरनाक भेड़िए की तरह मासूम सेनाधिकारी, साध्वी और अन्य साधु-संतों को अपना शिकार बनाया। इन सत्ता पोषित भेड़ियों में ऐसे पुलिस अधिकारी भी शामिल थे, जो मुंबई हमले के समय आतंकवादियों का सामना करने के बजाय वर्दी छोड़ कर भाग गए थे। कायरों की तरह भाग खड़े हुए आईपीएस अधिकारी परमवीर सिंह तत्कालीन कांग्रेस सरकार के परमप्रिय थे। परमवीर सिंह पर गंभीर आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि मुंबई हमले में पकड़े गए आतंकी कसाब का मोबाइल फोन परमवीर सिंह ने ही गायब किया था, जो आज तक नहीं मिला।

कांग्रेस सरकार ने मालेगांव ब्लास्ट के बाद से ही हिंदू समुदाय को बदनाम करने के लिए हिंदू आतंकवादी या भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों का प्रयोग शुरू कर दिया था। इस बात की पुष्टि कांग्रेस नेता सुशील कुमार शिंदे ने ही कुछ वर्ष पहले ही कर दी थी। आपने देखा ही कि मालेगांव धमाके की जांच में शामिल रहे एटीएस के इंसपेक्टर महबूब मुजावर ने कितना बड़ा रहस्योद्घाटन किया। इंसपेक्टर मुजावर को ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। इंसपेक्टर मुजावर ने वह आदेश मानने से मना कर दिया था। इस पर आगबबूला हुए परमवीर सिंह ने उन पर कई झूठे केस लाद कर उनका पूरा करियर बर्बाद कर दिया। इंसपेक्टर मुजावर कहते हैं, यह समझ नहीं आ रहा कि परमवीर को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है।

इस दावे के अलावा मालेगांव ब्लास्ट में बाइज्जत बरी हुई साध्वी प्रज्ञा ने भी परमवीर सिंह पर प्रताड़ना के ▶10 पर

अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बोले प्रधानमंत्री मोदी

भारत पर जो वार करेगा पाताल में भी नहीं बचेगा

वाराणसी, 02 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बनौली में भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, देश के लोग स्वदेशी का संकल्प लें। हम उन चीजों को खरीदेंगे जिसे बनाने में भारत का पसीना बहा है। हमें वोकल फॉर लोकल मंत्र को अपनाना होगा। हम संकल्प लें कि हम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आएगा वह स्वदेशी ही होगा। यह जिम्मेदारी देश के लोगों को लेनी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में 2200 करोड़ की 52 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही है। अस्थिरता का माहौल है। दुनिया के सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अब भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना होगा। किसान, लघु उद्योग और रोजगार हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। देश के नागरिक के रूप में हमारे कई दायित्व हैं। इनमें से एक ये है कि हम स्वदेशी का संकल्प लें। अब हम कौन सी चीजों को खरीदेंगे, कौन से तराजू से तौलेंगे। अब हमें एक ही तराजू का होना होगा। हम भारतवासियों से ही पूरे सामान खरीदेंगे। भारत के कौशल और भारतवासियों के पसीने से बनी हुई चीजें ही स्वदेशी हैं। हम संकल्प लें कि हम मेक इन इंडिया को ही बढ़ावा देंगे। हमारे घर में जो भी नया सामान आएगा वह स्वदेश ही होगा। दुकानदार संकल्प लें कि हम सिर्फ स्वदेशी माल ही बेचेंगे।

2200 करोड़ की 52 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

संकल्प लें, हम देश में बना सामान ही खरीदेंगे: मोदी

▶10 पर

उपराष्ट्रपति के चुनाव में एनडीए को मिलेगा फायदा

राज्यसभा में भाजपा पहुंची सौ के पार

राज्यसभा में एनडीए के हुए 134 सदस्य

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति के पद के लिए होने वाले चुनाव के बीच ही भाजपा राज्यसभा में सौ के पार पहुंच गई है। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी के सांसदों की संख्या 102 हो गई है। हाल ही में तीन नए सांसदों उज्ज्वल निकम, हर्षवर्धन श्रृंगला और सी. सदानंदन मास्टर के पदभार ग्रहण करने के बाद भाजपा ने राज्यसभा में संख्या बल की मजबूती हासिल की है। इस तरह राज्यसभा में एनडीए के 134 सदस्य हो गए हैं। यानि, राज्यसभा में एनडीए को बहुमत हासिल हो चुका है। सदन में बहुमत के लिए 123 सांसदों का संख्या-बल होना जरूरी है।

भारत की राजनीति में भाजपा ऐसा दूसरा राजनीतिक दल बन गया है जिसने राज्यसभा में 100 का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले 1988 और 1990 के बीच कांग्रेस ने ऐसा कर दिखाया था। हालांकि भाजपा इससे पहले मई, 2022 में भी ऐसा कर चुकी है और तब उसके राज्यसभा में 101 सदस्य थे। एनडीए के पास राज्यसभा में 134 सदस्य हैं। इसमें से पांच मनोनीत सांसद हैं। सदन में बहुमत के लिए 123 सांसदों का संख्या-बल होना जरूरी है। राज्यसभा में कुल 245 सदस्य होते हैं और यह अधिकतम 250 हो सकते हैं। इसमें से 238 निर्वाचित और 12 मनोनीत होते हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। आयोग ने कहा है कि 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति के पद के लिए नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 9 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। संख्या बल के लिहाज से उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास विपक्ष से काफी ज्यादा सांसद हैं। अभी यह भी तय नहीं है कि विपक्ष उपराष्ट्रपति के चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारेगा या नहीं हालांकि उसने 2017 और 2022 के चुनाव में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा था। उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में केवल लोकसभा और राज्यसभा के सांसद होते हैं। ▶10 पर

17 साल से कहां गायब है मालेगांव धमाके का अभियुक्त?

संघ के दो कार्यकर्ताओं को पुलिस ने मारी थी गोली

मुंबई, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मालेगांव धमाके के बहाने हिंदू आतंकवाद का षडयंत्र रचे जाने की कई आश्चर्यजनक परतें खुल कर सामने आ रही हैं। महाराष्ट्र एटीएस के जांच अधिकारी रहे इंसपेक्टर महबूब मुजावर का सनसनीखेज हलफनामा सामने आया है जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता रामजी कलसांगरा को पुलिस हिरासत में यातनाएं देकर मारे जाने का खुलासा किया है। रामजी कलसांगरा को मालेगांव विस्फोट मामले में गिरफ्तार कर गंभीर यातनाएं दी गईं, जिससे उनकी हिरासत में ही मौत हो गई। उसके बाद पुलिस ने कलसांगरा का शव गायब कर दिया। आज तक कलसांगरा का पता नहीं चला। उनकी पत्नी लक्ष्मी कलसांगरा आज भी अपने पति का इंतजार कर रही हैं। क्योंकि उन्हें कभी आधिकारिक तौर पर बताया ही नहीं गया कि उनके पति, रामजी कलसांगरा की मृत्यु हो चुकी है।

मालेगांव ब्लास्ट की जांच कर रही महाराष्ट्र एटीएस की टीम में शामिल रहे पुलिस अधिकारी महबूब मुजावर ने दिसंबर 2016 में ही सोलापुर की एक अदालत में एक हलफनामा दाखिल कर कहा था कि रामजी कलसांगरा और उनके साथी संदीप डांगे की 2008 में कस्टडी में ही हत्या

पूर्व पुलिस अधिकारी का सनसनीखेज हलफनामा

रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे मारे गए थे

कर दी गई थी। उन्होंने अपने हलफनामे में दावा किया कि दोनों के शवों को मुंबई 26/11 के आतंकी हमलों में मारे गए अज्ञात लोगों के रूप में पेश किया गया था। मुंबई आतंकी हमला डांगे और कलसांगरा को हिरासत में लिए जाने के कुछ महीनों बाद हुआ था।

मुजावर ने दावा किया था कि कलसांगरा और डांगे को एटीएस ने भोपाल से पकड़ा था लेकिन 26 नवंबर 2008 को (मुंबई आतंकी हमले के दिन) दोनों को मुंबई में गोली मार दी गई थी। मुजावर का दावा था कि मारे जाने से पहले उन्हें कालाचौकी स्थित एटीएस ऑफिस में अवैध रूप से हिरासत में रखा गया था। मुजावर ने दावा किया कि उन्हें लापता आरोपियों की तलाश में कर्नाटक भेजा गया था लेकिन वे दोनों मारे जा चुके थे। उनका कहना था कि वह इन हत्याओं के खिलाफ थे और उन्हें चुप कराने के लिए उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक फर्जी केस दर्ज किया गया था।

लक्ष्मी बेशक सुहागन की तरह जी रही हैं लेकिन उनका कहना है कि ये सिर्फ जांच एजेंसी को ही पता है कि कलसांगरा जीवित हैं या नहीं। पति के लापता होने के बाद उन्होंने खेती-बाड़ी की और मजदूरी तक करनी पड़ी तब जाकर अपने ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में आतंकियों का सफाया अभियान जारी

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने मारे तीन आतंकवादी

जम्मू, 02 अगस्त (ब्यूरो)। कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकी मार गिराए। कुलगाम जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच यह मुठभेड़ शुरू हुई थी। सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के अखल जिले के वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की ▶10 पर

राहुल गांधी का बिना सोचे-समझे बोलने का एक और नमूना

ट्रंप सही बोलते हैं, भारत की अर्थव्यवस्था 'डेड' है

वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने कहा, राहुल का यह कथन गलत

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही करार देते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को मृत (डेड) कह दिया। राहुल गांधी ने इसके लिए ट्रंप को शुक्रिया भी अदा किया। पिछले 10 वर्षों में शेयर बाजार से करोड़ों कमाने वाले राहुल गांधी यह भूल गए कि उनकी खुद की आमदनी उनके बयान के विपरीत का यथार्थ है। भारत और रूस के प्रगाढ़ होते रिश्ते से बौखलाए ट्रंप ने कुछ दिन पहले भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड कह दिया था। राहुल गांधी ने ट्रंप के सुर में सुर मिलाते हुए भारतीय अर्थ व्यवस्था को मृत कह दिया। लेकिन राहुल गांधी की ही कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेता ऐसा नहीं मानते। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, सांसद शशि थरूर, राजीव शुक्ला जैसे कई

नेता भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत मानते हैं। कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड कहने के राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को गलत कहते हुए भारतीय इकोनॉमी को जीवंत बता रहे हैं, जबकि राहुल गांधी अपनी ही पार्टी के नेताओं से सबक नहीं ले पा रहे।

राहुल गांधी की बयानबाजी के बीच यह जानना भी जरूरी है कि असलियत में भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत क्या है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट (अप्रैल 2025) के अनुसार, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया है। देश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश का निर्यात कुल मिलाकर मजबूत रहा। ▶10 पर

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत: शशि थरूर

सत्ता पक्ष और मोदी विरोध के चलते राहुल गांधी ने आंकड़ों को धता बताते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी कह दिया। लेकिन अब उन्हीं की पार्टी कांग्रेस के ही सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी की बयानबाजी का विरोध किया है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर कहा, यह सच नहीं है। शशि थरूर ने राहुल के रुख से अलग हटकर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया।संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने स्पष्ट किया, नहीं, बिल्कुल नहीं, यह सच नहीं है। हम सब जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत नहीं है। उन्होंने ट्रंप के बयान को गलत ठहराते हुए कहा कि भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत है। ▶10 पर

भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने किया था घोटाला

650 करोड़ के मेडिकल घोटाले में ईडी का छापा

रायपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासनकाल में हुए मेडिकल घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य सरकार की संस्था छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कारपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) ने जनवरी 2022 से अक्टूबर 2023 तक 650 करोड़ों रुपए से अधिक का घपला किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में मेडिकल सप्लाई घोटाले के मामले में ▶10 पर

गलत रास्ते से कमाया धन गलत रास्ते में ही जाएगा: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने शनिवार को भगवान महावीर के उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से फरमाया कि संसार का आदमी थोड़ा लालायित रहता है। मनुष्य धन की ओर भागता रहता है। धन कमाने में मनुष्य इतना पाप करता है कि अपना अच्छा भव भी बिगाड़ लेता है। गलत रास्ते से कमाया धन गलत रास्ते में ही जाएगा। मनुष्य अपनी खुशियों के लिए पता नहीं कहां कहां से धन कमाने की लालसा रखता है। लालसा जितना बढ़ता है उतना ही पाप होता है। याद रहे मनुष्य का किया हुआ पाप यहीं भुगतना पड़ेगा। जैसी करनी होगी वैसी ही

भरनी होगी। लोगों को लगता है कि किसी को पता नहीं चल रहा है। इसलिए पाप पर पाप करते जाते हैं। लेकिन याद रखो आज जो दोगे वही कल वापस मिलना है। जो आपको जीवन में वापस चाहिए वहीं आज देना। खुशी दोगे तो खुशी ही वापस आएगा। दुख दोगे तो दुख ही वापस आएगा। गुरुदेव ने बताया कि मानव संसार में इतना मग्न हो गया है कि उसको सही और गलत का पता नहीं चल पाता है। मनुष्य अपने आप को भूल कर पाप करता जा रहा है। लेकिन जब मौत आयेगी तो कुछ भी साथ नहीं जाएगी। मां बाप भाई भी कोई सहारा नहीं देने वाला है। इसलिए पाप के मार्गों पर जाने से पहले सोचें। दुनिया को दिखाने के चक्कर में पाप के मार्ग पर जाने से बचें। अपना पहना हुआ कपड़ा भी अपना नहीं है तो दुनिया के लोग अपने कैसे हो सकते है। आज लोग ज्यादा कमाने के चक्कर में जहां से हो सके वहां से धन कमाने में लगे है। दूध देने वाला अधिक कमाने के चक्कर में दूध में पानी मिला देता है। फल बेचने वाला भी अधिक कमाने के रास्ते निकाल लेता है। लेकिन याद रखना जब पाप के कर्मों का उदय होगा तो बच नहीं पाओगे। पाप का उदय होने पर मनुष्य कुछ भी करले उसको कोई बचा नहीं पाता है। इसलिए समय रहते अपने कर्मों में सुधार करलें, नहीं तो ब्याज के साथ भुगतान करना पड़ेगा। पहले के समय में लोग वचनबद्ध हुआ करते थे। जो वचन दे दिया उसको पूरा भी करते थे। लेकिन वर्तमान में लोग सुबह कुछ कहते है और शाम को कुछ कहते है। ये सिर्फ पाप करने के लिए ही किया जाता है। याद रखना हर चीज से बचा जा सकता है लेकिन पाप के उदय से कभी नहीं बच सकते है। इसलिए वही करना जो वापस मिले तो दुख न हो। श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को आचार्य श्री शुभ चन्द्र जी महाराज की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

ग्यारह प्रतिमाएं और बारह व्रत हैं आत्म-उन्नति की सीढ़ियाँ: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के पावन सान्निध्य में शनिवार को आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी उपासना ने श्रावक की प्रतिमाएं एवं व्रत जीवन विषय पर सारगर्भित और प्रेरणात्मक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि घड़ी का ग्यारहवाँ घंटा हमें श्रावक धर्म की ग्यारह प्रतिमाओं की ओर इंगित करता है। ये प्रतिमाएं आत्म-उन्नति की सीढ़ियाँ हैं, जो साधारण श्रावक को साधु अवस्था की दिशा में अग्रसर करती हैं।

प्रतिमाओं को केवल नियम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास के सोपान के रूप में देखना चाहिए। ग्यारह प्रतिमाएं श्रावक धर्म की आधारशिला हैं। जब एक श्रावक इन ग्यारह प्रतिमाओं को अंगीकार करता है, तब उसका जीवन

शुद्धता, संयम और साधना की दिशा में बदल जाता है। यही क्रम उसे साधुत्व की ओर अग्रसर करता है।

प्रवचन में आगे उन्होंने घड़ी के बारहवें घंटे के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह समय हमें बारह व्रतों के पालन का स्मरण कराता है और बारह भावनाओं पर चिंतन करने की प्रेरणा देता है। एक भी भावना पर गहराई से चिंतन करने मात्र से आत्मिक चेतना जागृत हो जाती है। यही जागरण है मोक्षमार्ग का प्रथम प्रकाश।

साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा का समापन साध्वी निर्मला के मंगलपाठ और श्रावकजनों के आभार के साथ हुआ। प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। सोनम कटारिया ने 25 उपवास के पच्चख्खान लिए। आभार अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने दिया। संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्पूर्ति महिला समाज का 35वां वार्षिकोत्सव एवं कीर्ति महिला समाज का 20वां वार्षिकोत्सव उत्तराहल्ली रोड स्थित अजनाद्री पैलेस में आयोजित किया गया। महिलाओं के लिए विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा त्याग एवं सहनशीलता का नाम है भारतीय नारी। महिला समाज की अध्यक्ष चूड़ामणि एवं अन्य अतिथियों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पाली के विधायक भीमराज भाटी का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पाली के विधायक भीमराज भाटी के दो दिवसीय बेंगलूरु दौरे के दौरान प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ द्वारा स्वागत व अभिनंदन समारोह कार्यक्रम पैलेस गुटहल्ली में आयोजित किया गया। प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डाँ. जवरीलाल लूनावत ने बताया कि इस कार्यक्रम में जैन समाज, राजपूत समाज, राजपुरोहित समाज, आंजणा पटेल समाज, घांची समाज, जाट समाज, जांगिड समाज, माली समाज ने विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाक्टर नरपत सोलंकी व मूलचंद नाहर व भंवरलाल जांगिड ने की। संघ के उपाध्यक्ष केवलचंद सालेचा, डूंगरमल पारख, सहसचिव अविनाश गुलेच्छा, सुरेन्द्र राजपुरोहित,

अभिषेक परिहार ने स्वागत किया। लूनावत ने अपने संबोधन में कहा कि भाटी पश्चिमी राजस्थान के एक मात्र ऐसे नेता हैं जो प्रत्येक वर्ग की समस्याओं के समाधान हेतु चालीस वर्षो से निरंतर संघर्ष करते आये हैं और इनको किसान नेता के नाम से ही सम्बोधित किया जाता है। भाटी जमीनी स्तर के नेता हैं। उसी की बदौलत भाटी जमीन से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता व मतदाता को अपना परिवार मानते हैं। सोलंकी अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डाक्टर नरपत सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा कि भाटी जैसा सरल व्यक्तित्व वाले राजनेता विरले ही मिलते हैं। सोलंकी ने बताया कि मैंने इनके विधानसभा क्षेत्र में अनेक आई कैंप लगाए हैं व प्रत्येक कैंप में इनकी उपस्थिति रहती है। सोलंकी ने सभी प्रवासी बंधुओं को कहा कि आपकी निगाह में कोई भी व्यक्ति जो आर्थिक रूप से कमजोर हो उसको आप बेधड़क मेरे पास लेकर आ सकते है, उसकी यथासंभव मदद मेरे अस्पताल से की जायेगी। तेरापंथ समाज के दानवीर भामाशाह मूलचंद नाहर व विश्वकर्मा जांगिड भवन के संस्थापक व दानवीर भंवरलाल जांगिड ने अपने संबोधन में भाटी का स्वागत व आभार व्यक्त किया। भाटी ने अपने संबोधन की शुरुआत में कार्यक्रम आयोजन के लिये प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ का आभार व्यक्त किया व अपने विधानसभा क्षेत्र के समस्त मतदाताओं को विश्वास दिलाया कि आपके द्वारा जो मेरे को स्नेह व सहयोग व आशीर्वाद दिया जा रहा है उसका मैं हमेशा ऋणी रहूँगा।

भीड़ का हिस्सा नहीं सत्य के साथी बने: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आत्म वादी लोक पर विश्वास करता है। लोक पर विश्वास करने वाला कर्म पर विश्वास करता है और कर्म पर विश्वास करने वाला क्रिया पर विश्वास करता है। शरीर वादी खाओ पीओ और मौज करो की नीति पर जीता है। हम आत्मा पर विश्वास करें। आत्मा अनंत बली है। हम पुरुषार्थ करते रहे क्योंकि कल नहीं बल्कि पल का भी भरोसा नही है। आत्मा पर श्रद्धा रखने वाला परमात्मा बन सकता है। हम दृढ़ धर्मी बने। दृढ़ धर्मी संसार के परिषहों से घबराता नहीं है। वह हर परीक्षा के लिए तत्पर रहता है और शरीर से आसक्ति कम रखता है। उपरोक्त विचार महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी व्यक्त किए। प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि हम सत्य के साथी बने। भीड़ का हिस्सा नहीं बने। शेर अकेला पुरुषार्थ करता है। भेड़ को भीड़ जरूरी होती है। मोक्ष भी अपनी शक्ति से प्राप्त करना है। महावीर अकेले चले। अकेले परिषहों से भिड़े। भीड़ से विपरीत चले और मानव की प्रतिष्ठा स्थापित की। उस समय पशु बली के साथ, मानव बली चलती थी। स्त्रियों का व्यापार होता था। दास प्रथा थी। प्रभु महावीर ने इनका डटकर संशोधन किया। मानव के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि रविवार को आचार्य शुभचंद्र जी की 86 वीं जयंती गुणानुवाद के साथ मनाई जाएगी। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

मंत्र श्रवण करने से जीवन में आने वाले कष्ट मिट जाते हैं: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने महा मांगलिक के अवसर पर कहा कि मंत्र श्रवण करने से जीवन में आने वाले कष्ट मिट जाते है। आधि व्याधि उपाधि दूर हो जाती है। जीवन में शांति का अनुभव होता है। सुख शांति रिद्धि सिद्धि समृद्धि आती है। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि रविवार से नवग्रह अनुष्ठान जाप पूजन प्रारंभ होगा। सूर्य हमारे ऊर्जा का स्त्रोत है। इन्हीं के कारण हम ऊर्जा वान रहते हैं। प्रकृति का सुचारु रूप से चलना भी सूर्य के ही जिम्मे है। इसी प्रकृति का

हिस्सा हम भी हैं। जिसके चलते इनका प्रभाव हम पर पड़ता है। सूर्य का प्रभाव व्यक्ति के जीवन में कई तरह से देखा जा सकता है। सूर्य मजबूत होने पर व्यक्ति में आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान अधिक होता है। सूर्य मजबूत होने पर व्यक्ति में नेतृत्व करने की क्षमता अधिक होती है।

सूर्य मजबूत होने पर व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने कहा कि महा मांगलिक मे काफी श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। रविवार से नवग्रह अनुष्ठान होगा।

भक्ति ऐसी रहे की भगवान को ही आना पड़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकपेट श्रीसंघ में विराजित पूज्य मुनिराज श्रीआर्यशेखरविजयजी ने कहा कि प्रभु मुझे ऐसा सपना नहीं चाहिए जो मै आपके पीछे पागल बनकर दिन रात भक्ति करता फिरता रहूं। यह तो सामान्य सपना है। मै तो ऐसा सपना चाहता हूं कि मै जहां कहीं भी रहूं वहां आपको पागल बनकर मेरे पास आना ही पड़े। जैसे चंदनबाला के पास आपको जाना पड़ा और मामूली उड़द के बाकुले लिए। जैसे शबरी के पास जंगल में जाना पड़ा और खाया

क्या जूठे बेर। जब विदुर के पास गए तो आपने क्या खाया सस्ती भाजी। बस प्रभु एक ऐसा सपना मैं देखना चाहता हूं। प्रभु अनंतकाल से मोह ने मेरे मन पर कब्जा करके रखा है। भगवान मै जनम जनम से मुझे मोह, अहंकार, आसक्ति की पीड़ा सता रही है। ऐसे में प्रभु आप डॉक्टर बनकर मुझे ऐसी बीमारियों से मुक्त करो। प्रभु आप तो मुझे तारना चाहते हो और मैं भी तो तरना चाहता हूं जैसे मोतीशा सेठ के साथ हुआ। मोतीशा सेठ ने देखा एक कसाई गायकों ले जा रहा था। करुणा से सेठ ने छोड़ देने को कहा। गाय के बदले पैसे देना चाहा नहीं माना तो आखिर सेठ ने गार्ड से उससे हाथा पाई करने को कहा। जिसमें कसाई मर गया। पुलिस ने गार्ड को पकड़ा कोर्ट ले गए। फांसी हुई सेठ ने आरोप खुद पर लिया सेठ को फांसी हुई। सेठ से आखिरी इच्छा पूछी तो सेठ ने कहा भायखला के आदिनाथ दादा की अष्ट प्रकारी पूजा। बड़े भाव से दादा की पूजा करके फांसी पर चढ़ाया तो फंदा टूट गया। दोबारा फांसी पर चढ़ाया गया, फांसी का फंदा टूट गया। तीसरी बार भी अष्ट प्रकारी पूजा की और तीसरी बार फंदा टूट गया। आखिर सरकार ने जाना इस पर ईश्वर की कृपा है। तब फांसी का ऑर्डर कैंसल हुआ। बस ऐसी ही भक्ति मुझे भी करनी है।

राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन के लिए पेड़ काटने वाले पुलिस के खिलाफ एफआईआर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बीबीएमपी ने मतदान में धांधली के नाम पर शहर में राहुल गांधी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के लिए बिना अनुमति के फ्रीडम पार्क में एक पेड़ काटने के आरोप में उप्परपेट पुलिस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पेड़ काटे जाने पर जनता के तीव्र आक्रोश के बाद सतर्क हुए बीबीएमपी अधिकारियों ने उप्परपेट के पीसी महादेवस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 5 अगस्त को, पुलिस ने राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन के लिए फ्रीडम पार्क परिसर में घुसकर सड़क बनाने के लिए कुछ पेड़ काट दिए थे। अब, जनता इस बात से नाराज है कि राजनेताओं के लिए पेड़ों की जड़ों पर कुल्हाड़ी चलाई जा रही है। राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता इस विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं। इस विरोध प्रदर्शन में राज्य के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोग आ रहे हैं। इसलिए, यह महसूस करते हुए कि विरोध प्रदर्शन के लिए अधिक जगह की आवश्यकता है, पेड़ों को काटकर क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है।

संयम जीवन अमृत के समान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में विराजित साध्वी ने कहा कि संयम जीवन में असीम आनंद की प्राप्ति होती है। संयम के प्रथम माह के पश्चात वाणव्यंतर देवों के सुख को भी पीछे छोड़ देता है। दूसरे माह के पश्चात व्यंतर देवों के सुख और तीसरे माह के पश्चात भुवनपति देवों के सुख को भी पीछे छोड़ देता है। संयम जीवन के चार माह पश्चात ग्रह, नक्षत्र और तारे जैसे ज्योतिष देवों के सुख को भी पीछे छोड़ देते हैं। पांच माह के संयम जीवन का सुख वैमानिक देवों सूर्य और चन्द्र के सुख को भी पीछे छोड़ देता है। छह माह का संयमी सुख प्रथम और दूसरे देवलोक के सुख भी पीछे छूट जाता है। सात माह के संयमी तीसरे और चौथे, आठ माह के संयमी पांचवें और छठे, नौ माह के संयमी सातवें और आठवें, दशवें महीने में नवमा, दशमा, ग्यारहवां और बारहवां देवलोक के सुख भी पीछे छोड़ देते है। सांसारिक जीवन पानी की तरह है और संयम जीवन अमृत के समान है। संयम जीवन में हमें प्रमत्त दशा से अप्रमत्त दशा की ओर बढ़ना है। संयम जीवन में मान में खुश नहीं होना है और अपमान में निराश भी नहीं होना है। एक बार हमारे भाव बिगड़कर गिर रहे हों तो उन्हें लिप्स सम्हालना मुश्किल होता है।

5 अगस्त को गांधी प्रतिमा पर करेंगे विरोध प्रदर्शन: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने घोषणा की है कि भाजपा 5 अगस्त को सुबह 10 बजे विधान सौधा के पास गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन करेगी। यह राहुल गांधी द्वारा चुनावी धोखाधड़ी संबंधी हालिया टिप्पणी के जवाब में है, जिसे विजयेंद्र ने देश और राज्य के मतदाताओं का अपमान और संविधान के विरुद्ध बताया है।

भाजपा के राज्य मुख्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, विजयेंद्र ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के बाद, भाजपा नेता राज्यपाल से मिलेंगे और एक औपचारिक ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने राहुल गांधी पर 5 अगस्त को बेंगलूरु की अपनी यात्रा के दौरान राजनीतिक नाटक करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा के सांसद, विधायक,

विधान पार्षद, पूर्व सांसद और विधान पार्षद इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। इसका उद्देश्य जनता को कांग्रेस पार्टी के भ्रामक रुख से अवगत कराना है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी के दौरे की आशंका में, राज्य सरकार ने फ्रीडम पार्क की एक दीवार गिरा दी और पेड़ काट दिए। उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी और मुख्यमंत्री कर्नाटक की जनता से माफी मांगें। उन्होंने कांग्रेस पर हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान विभिन्न राज्यों में व्यापक चुनावी धांधली का आरोप लगाते हुए कर्नाटक और पूरे भारत में एक नया विमर्श शुरू करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी की आलोचना की और उन्हें दिशाहीन और गुमराह नेता बताया, क्योंकि उन्होंने भाजपा पर चुनाव आयोग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उनके पास चुनावी धांधली के 100 प्रतिशत सबूत हैं। विजयेंद्र ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से अनुरोध किया कि अगर उनके पास वास्तव में ऐसा कोई सबूत है, तो वे उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत करें।

उपलब्ध कंकालों के रहस्य को उजागर करेगी एसआईटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में नेत्रावती स्नान घाट के पास एक वन क्षेत्र में, बिंदु संख्या 6 पर, एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा पहचाने गए कंकाल के अवशेष मिले हैं। इसके बाद, एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने कंकाल के रहस्य की पड़ताल शुरू कर दी है। कंकाल, चिकित्सा-कानूनी मामलों में फोरेंसिक मानवविज्ञानियों को उम्र, लिंग और मृत्यु के कारण के बारे में महत्वपूर्ण सुराग दे सकते हैं। लेकिन फोरेंसिक मानवविज्ञान के कुछ फोरेंसिक चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि यह तभी संभव है जब उन्हें अच्छी तरह से संरक्षित किया जाए। मामले की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल को शिकायतकर्ता द्वारा पहचाने गए छठे दफन स्थल पर कुछ कंकाल के अवशेष मिले हैं। इन्हें फोरेंसिक जाँच के लिए भेज दिया गया है। हड्डियों की जाँच में कुछ हफ्ते लगते हैं। इसके बाद, इन्हें डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कंकाल की उम्र और स्थिति सहित कई कारकों के आधार पर इसमें कुछ समय लग सकता है। यदि कंकाल एक साथ पाए जाते हैं, तो वे लिंग, अनुमानित आयु, ऊँचाई और कई मामलों में, मृत्यु के कारण के बारे में मूल्यवान वैज्ञानिक साक्ष्य प्रदान कर सकते हैं। लापता व्यक्ति के कंकाल का मिलान करने के लिए, खोपड़ी को लापता व्यक्ति की तस्वीर से पुनः जोड़ने हेतु किसी जैविक रिश्तेदार के डीएनए नमूने की आवश्यकता होती है। मानव खोपड़ी और लंबी हड्डियों से लिंग, आयु और मृत्यु के संभावित कारण का पता लगाया जा सकता है। यदि कंकाल के अवशेष 22 वर्ष से कम पुराने हैं, तो आकलन अधिक सटीक हो सकता है। वृद्ध व्यक्तियों में, निर्धारण एक अनुमान पर आधारित होता है। हड्डियों से पता चल सकता है कि शरीर पर गंभीर चोटें थीं या नहीं, क्योंकि उनमें फ्रैक्चर के लक्षण दिखाई देंगे। एक खंडित खोपड़ी किसी भी चिकित्सा-कानूनी मामले में फोरेंसिक साक्ष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। यह भी सुझाव दिया गया है कि हड्डियों में पाए जाने वाले जहर के जमाव से भी जहर से मृत्यु की पुष्टि की जा सकती है। जबड़े के दांतों और लंबी हड्डियों, विशेष रूप से फीमर (हड्डी) से निकाला गया डीएनए, व्यक्ति की पहचान की पुष्टि करने के लिए महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों ने कहा कि फिर नमूने की तुलना मृतक के रक्त संबंधी के डीएनए से की जाती है। यदि मृत्यु दम घुटने से हुई है, तो हड्डियाँ कोई जानकारी नहीं देतीं। ताजा कंकाल ज्यादा जानकारी देते हैं। यदि कंकाल सड़ चुके हों, तो उनसे कोमल ऊतक प्राप्त करना मुश्किल होता है। जिस मिट्टी में शव दफनाया गया था, उसकी प्रकृति के आधार पर, कंकाल को सड़ने में एक से तीन महीने लगते हैं। एक अन्य फोरेंसिक विशेषज्ञ ने कहा कि मिट्टी में मौजूद विषाक्त पदार्थ मानव अवशेषों को दूषित कर सकते हैं और फोरेंसिक मानव विज्ञान को मुश्किल बना सकते हैं। लापता व्यक्तियों की पहचान और मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए फोरेंसिक मानव विज्ञान एक महत्वपूर्ण विधि है, खासकर जब अवशेष कंकाल हों, सड़ चुके हों या किसी अन्य कारण से पहचान में न आ रहे हों। फोरेंसिक मानवविज्ञानी मृतक की आयु, लिंग, वंश और मुद्रा निर्धारित करने के लिए कंकाल अवशेषों का मूल्यांकन करते हैं। यह चिकित्सा-कानूनी मामलों में मृत्यु के कारण और तरीके का पता लगाने में मदद करता है। एसआईटी ने बेल्टांगडी थाना क्षेत्र में 1995 से अब तक हुई सभी संदिग्ध मौतों और यूडीआर (अज्ञात शव) मामलों के अभिलेखों की जाँच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता की जानकारी के आधार पर, इस दृष्टिकोण से भी जाँच की जा रही है कि क्या ये अवशेष 2003 में लापता हुई मेडिकल छात्रा अनन्या भट्ट से संबंधित हो सकते हैं। एसआईटी ने धर्मस्थल चौकी पर कार्यरत सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की सूची भी प्राप्त की है। डीजीपी डॉ. प्रणव मोहंती की अध्यक्षता वाली एसआईटी में 29 सदस्यीय टीम है और हाल ही में 9 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को शामिल किया गया है। टीम शिकायतकर्ता को घटनास्थल पर ले गई और उससे पूछताछ की और उसके बयान की सत्यता की जाँच कर रही है।

आरक्षण पर चर्चा के बहाने बैठक में दलित सीएम का फिर रोना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जहाँ मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार दिल्ली दौरे पर हैं, वहीं अनुसूचित जाति के मंत्रियों और विधायकों का बेंगलूरु में एक अलग बैठक करना बेहद दिलचस्प है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के घर शाम को अनुसूचित जाति के विधायकों और मंत्रियों की एक अहम बैठक हुई और इसमें आंतरिक आरक्षण पर चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, राज्य सरकार आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस संबंध में पर्याप्त आँकड़े एकत्र करने के लिए न्यायमूर्ति एच.एन. नागामोहनदास के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। आयोग ने घर-घर जाकर और ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से आँकड़े एकत्र किए हैं और बाद में इसकी रिपोर्ट आने की संभावना है। बेंगलूरु में यह सर्वेक्षण पूरी तरह से नहीं किया गया है। 35 प्रतिशत से ज्यादा आबादी ने आँकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं, इस पर आपत्ति है। इससे पहले, न्यायमूर्ति सदाशिव आयोग की रिपोर्ट को लेकर भी इसी तरह की आलोचनाएँ हुई थीं। अब, इस बात पर विवाद है कि न्यायमूर्ति नागामोहनदास की रिपोर्ट के बारे में अधूरी जानकारी एकत्र की गई है। इस संदर्भ में, बताया जा रहा है कि विधायकों को पूरी जानकारी देने और उन्हें तथ्यों से अवगत कराने के लिए बैठक हुई है। आंतरिक आरक्षण लागू करना कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता है। लेकिन इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ दल के विधायकों में आम सहमति का अभाव है। इस कारण, आने वाले दिनों में किसी को भी विधायकों के रूप में मंत्रियों की खुलकर आलोचना नहीं करनी चाहिए। बताया जा रहा है कि सिद्धरामैया परमेश्वर को अनावश्यक बयानबाजी न करने के संदर्भ में उन्हें तथ्यों से अवगत कराने की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में निगम-मंडलों की नियुक्ति में देरी, विधान परिषद सदस्यों के चयन और विभिन्न राजनीतिक पदों पर चर्चा हुई। अनुसूचित जाति के विधायकों और मंत्रियों की बैठक पूर्व नियोजित थी, और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की बेंगलूरु में अनुपस्थिति का इस समय बैठक होने से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने इस बारे में अनावश्यक अफवाहें न फैलाने की अपील की है। बैठक में राजनीतिक पदों पर आ रही समस्याओं पर चर्चा हुई। लेकिन सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि यह कोई विद्रोह या असंतोष नहीं होगा। ऐसी व्याख्याएं हैं कि खुद को अगला मुख्यमंत्री बता रहे परमेश्वर आरक्षण के बहाने नेतृत्व का राग अलापते हुए अलग बैठक कर रहे हैं।

अधिकारियों ने हासन में 96 एकड़ जंगल से अतिक्रमण हटाया

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक वन विभाग ने शनिवार को हासन के पास सावंतनहल्ली में 96 एकड़ जंगल से अतिक्रमण हटाया।

शांतिग्राम होबली में सावंतनहल्ली के सर्वेक्षण संख्या 99 में स्थित इस भूमि पर 68 लोग खेती कर रहे थे। उप वन संरक्षक सौरभ कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ने अतिक्रमण हटाया। वन विभाग ने बताया कि अधिकारियों ने 1984 में इस भूमि पर एक बागान लगाया था। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में इस भूमि पर अतिक्रमण हो गया था। कर्नाटक लोकायुक्त के समक्ष एक याचिका के बाद, लोकायुक्त ने 2017 में एक आदेश में विभाग को अतिक्रमण हटाकर भूमि वापस लेने का निर्देश दिया। इस अभियान में वन विभाग के 140 अधिकारी, 160 पुलिसकर्मी और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल थे। अतिक्रमण हटाने के बाद, विभाग ने बरामद जमीन पर पौधे रोपे। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद सुजीता और अन्य अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के अभियान में भाग लिया।

नम्मा मेट्रो ने प्रत्यारोपण के लिए व्हाइटफील्ड से राजराजेश्वरी नगर तक अंग परिवहन की सुविधा प्रदान की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नम्मा मेट्रो ने पहली बार मेट्रो ट्रेन के माध्यम से एक अंग का सफलतापूर्वक परिवहन किया। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य अत्यंत सटीकता के साथ किया गया। प्रत्यारोपण के लिए दान किया गया एक मानव लिवर, एम्बुलेंस और मेट्रो ट्रेन के संयोजन का उपयोग करके व्हाइटफील्ड के व्यादेही अस्पताल से राजराजेश्वरी नगर के स्पर्श अस्पताल पहुँचाया गया। रात 8.38 बजे, लिवर को वैदेही अस्पताल से एक एम्बुलेंस में व्हाइटफील्ड मेट्रो स्टेशन ले जाया गया। इस टीम में एक डॉक्टर और सात चिकित्सा कर्मचारी शामिल थे। एक अधिकारी ने बताया स्टेशन पहुँचने पर, चिकित्सा दल का स्वागत एक सहायक सुरक्षा अधिकारी (एएसओ) और मेट्रो कर्मियों ने किया, जिन्होंने दस्तावेजीकरण और सुरक्षा जाँच में मदद की। इसके बाद, अंग को तुरंत एक मेट्रो ट्रेन में ले जाया गया, जो रात 8.42 बजे व्हाइटफील्ड से रवाना हुई और रात 9.48 बजे राजराजेश्वरी नगर मेट्रो स्टेशन पहुँची। गंतव्य पर, मेट्रो अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों की एक अन्य टीम ने अंग को प्रतीक्षारत एम्बुलेंस तक पहुँचाने में चिकित्सा दल की सहायता की।

अधिकारियों ने आगे कहा इसके बाद इसे जीवन रक्षक प्रत्यारोपण प्रक्रिया के लिए समय पर स्पर्श अस्पताल सुरक्षित रूप से पहुँचा दिया गया। बीएमआर-सीएल के अनुसार, पूरा ऑपरेशन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों और बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के संयुक्त प्रक्रिया आदेश (जेपीओ) के अनुसार किया गया।

अभिनेत्री राम्या को अपमानजनक संदेश भेजने के आरोप में तीन बदमाश गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री राम्या को अपमानजनक संदेश भेजने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कोलार और चित्रदुर्ग से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों ने अश्लील टिप्पणियाँ पोस्ट करके उन्हें चुनौती दी थी। अभिनेत्री राम्या ने शिकायत दर्ज कराते हुए 43 अकाउंट्स के नाम बताए थे। पुलिस ने बताया कि आईपी एड्रेस के आधार पर मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

एफआईआर दर्ज होते ही ज्यादातर अकाउंट डिलीट कर दिए गए थे। इस बीच, पुलिस ने संबंधित एजेंसियों को पत्र लिखकर आईपी एड्रेस और अकाउंट की जानकारी देने का अनुरोध किया है। इसके चलते, पता चला है कि मामले से जुड़े 40 लोगों की पहचान हो गई है। लोगों की तलाश जारी है और जल्द ही कई और लोगों की गिरफ्तारी होने की संभावना है। इस बीच, शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने तीनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर अभिनेत्री राम्या पर अश्लील टिप्पणियाँ करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। इस दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमने सोशल मीडिया पर आए कमेंट्स की जाँच की है। सीसीबी ने कई लोगों की पहचान की है। हमें कुछ लोगों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिली है, जिनमें से दो को हमने गिरफ्तार किया है। हमें ग्यारह और लोगों के बारे में जानकारी मिली है और जाँच जारी है। साथ ही, गिरफ्तार किए गए लोग किसके प्रशंसक हैं, इसकी भी जाँच की जा रही है। अगर कोई भी अश्लील संदेश पोस्ट करता है, तो हम उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। हमने इस संबंध में साइबर पुलिस को विशेष प्रशिक्षण दिया है। पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने चेतावनी दी है कि जो भी अपमानजनक संदेश पोस्ट करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अर्जुन हाथी के नाम पर वार्षिक पुरस्कार स्थापित किया जाएगा: मंत्री

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

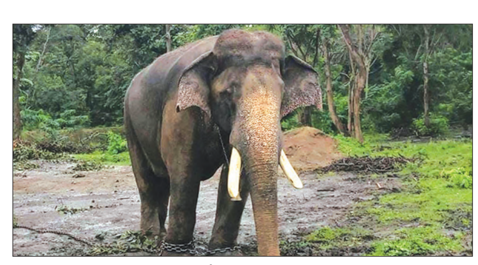

हासन के यासलूर के पास अवैध शिकार अभियान के दौरान मारे गए दशहरा हाथी अर्जुन के नाम पर एक वार्षिक पुरस्कार स्थापित किया गया है और पहला पुरस्कार 4 अगस्त को गजपायन के दौरान हाथी/कर्मचारियों को प्रदान किया जाएगा। वन, जीव विज्ञान एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि एच.डी. कोटे विधायक अनिल कुमार सी. ने अर्जुन के नाम पर एक वार्षिक पुरस्कार स्थापित करने का सुझाव दिया था। इस सुझाव को स्वीकार करते हुए, मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम और पकड़ने के अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले, अभियान को सफल बनाने वाले और पकड़े गए हाथियों को वश में करने और उनकी देखभाल करने वाले हाथियों/कर्मचारियों को सम्मानित करने और हर साल आयोजित होने वाले गजपायन के दौरान अर्जुन हाथी पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

1968 में काकनकोट में हुए खेड़ा अभियान में पकड़े गए अर्जुन ने 22 बार जंबूसावरी में भाग लिया और 8 बार 750 किलो वजनी सोने की छड़ लेकर देशवासियों का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार इसलिए स्थापित किया गया है ताकि वन कर्मियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अर्जुन का नाम अमर रहे। ईश्वर खंड्रे ने बताया कि 2025 दशहरा हाथी चयन समिति की बैठक में वर्ष 2025 का अर्जुन हाथी पुरस्कार भीमा हाथी के जबड़े वाले गुंडा और 4 अगस्त को वीरानाहोसाहल्ली में होने वाले गजपायन के दौरान हासन, सकलेशपुर, कोडागु और अन्य स्थानों पर हाथी और वन्यजीवों को पकड़ने के अभियानों में सफलतापूर्वक भाग लेने वाले कवडी नंजुंदस्वामी को देने का निर्णय लिया गया है।

सुहास शेट्टी हत्याकांड: एनआईए ने 13 ठिकानों पर छापेमारी की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संघ परिवार के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के सिलसिले में, राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने शनिवार को बाजपे और सूरतकल थाना क्षेत्र में कई ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, एनआईए अधिकारियों ने गिरफ्तार आरोपियों के आवासों सहित लगभग 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी कथित तौर पर सुबह लगभग 6 बजे शुरू हुई।

सुहास शेट्टी की 1 मई की शाम को उस समय हत्या कर दी गई जब वह अपने दोस्तों के साथ कार में यात्रा कर रहे थे। यह हमला बाजपे पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में किन्नीपदावु में हुआ था। घटना के बाद, गृह मंत्रालय ने जाँच एनआईए को सौंप दी और 7 जून को एक आधिकारिक आदेश जारी किया।

भाजपा चुनाव आयोग का बचाव क्यों कर रही है? डी.के. सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने सवाल उठाया है कि अगर केंद्रीय चुनाव आयोग के बारे में कोई बयान दिया गया है, तो भाजपा चुनावों में हुई अनियमितताओं पर पर्दा डालकर अपना बचाव क्यों कर रही है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब यह कहा जाता है कि चुनावों में अनियमितताएँ हुईं, तो भाजपा डर जाती है। आयोग एक स्वायत्त संस्था है। वह अपना बचाव खुद करेगी। कर्नाटक में पहले भी वोट चोरी को लेकर कई शिकायतें दर्ज की गई थीं। भाजपा के कार्यकाल में चिलुमे संगठन की अनियमितताओं को लेकर मामला दर्ज किया गया था। चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली की तरह काम कर रहा है। कितनी भी शिकायतें दर्ज की जाएँ, कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने शिकायत की कि वह हर बार केंद्र सरकार की अवज्ञा की तरह व्यवहार कर रहा है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो उसने कोई अनियमितता नहीं होने दी। उसने स्वायत्त संस्थाओं को प्रभावित नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय जाँच एजेंसियों की बार-बार आलोचना की है। हालाँकि, उनकी कमियों को दूर नहीं किया जा रहा है।

पूर्व सांसद रेवन्ना को उम्र कैद की सजा

दुष्कर्म के मामले में एक दिन पहले ठहराए गए थे दोषी

बेंगलुरु, 02 अगस्त (एजेंसियां)। दुष्कर्म के मामले में दोषी करार दिए गए पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को उम्र कैद की सजा मिली है। उन पर कर्नाटक के मैसूर में मौजूद केआर नगर की एक घरेलू सहायिका ने केस दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के 14 महीने बाद यह फैसला सुनाया गया है।

कर्नाटक की विशेष अदालत की तरफ से दुष्कर्म के एक मामले में दोषी करार दिए गए जनता दल सेकुलर (जदएस) नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। विशेष अदालत के जज संतोष गजानन भट्ट ने सजा का ऐलान किया। पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दुष्कर्म के चार मामले दर्ज हैं। मामला 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले में रेवन्ना के परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का पौत्र रेवन्ना 2021 में हासन के फार्महाउस और बंगलूरू में

अपने घर में महिला के साथ दो बार दुष्कर्म करने का दोषी पाया गया। उसने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड भी कर लिया था। साथ ही धमकी दी थी कि अगर इस बारे में किसी को बताया तो वह वीडियो लीक कर देगा। विशेष सरकारी वकील अशोक नायक ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने 26 गवाहों से बयान लिए और 180 दस्तावेज जमा किए। मुख्य साक्ष्य पीड़िता का था, जो बहुत ही विश्वसनीय था। मामले की जांच करने वाले विशेष जांच दल ने सितंबर 2024 में 1,632 पेज का आरोपपत्र दायर किया था। इसमें 113 गवाहों के बयान शामिल थे।

मामले तब प्रकाश में आए, जब प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो वाले पेन-ड्राइव कथित तौर पर हासन में 26 अप्रैल, 2024 को होने वाले लोकसभा चुनावों से पहले प्रसारित किए गए। प्रज्वल रेवन्ना को पिछले साल 31 मई को जर्मनी से बंगलूरू हवाई अड्डे पर पहुंचने पर होलेनरसीपुरा टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले के सिलसिले में एसआईटी ने गिरफ्तार किया था। रेवन्ना 2024 के लोकसभा चुनावों में हासन संसदीय क्षेत्र पर जीत हासिल करने में विफल रहे थे। उनके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद जेडीएस ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था।

पंचायत चुनाव में सत्ताधारी पार्टी भाजपा की जीत

देहरादून, 02 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की भारी जीत दर्ज हुई है। लेकिन उत्तराखंड के मतदाताओं ने परिवारवाद को बरी तरह ठुकरा दिया। भाजपा ने जहां भी नेताओं के परिजनों को मैदान में उतारा, जनता ने उन्हें नकार दिया। पंचायत चुनाव में पार्टी दिग्गजों के बहू, बेटे, पत्नी को मतदाताओं ने सिरे से नकार दिया है।

नैनीताल में भाजपा विधायक सरिता आर्या के बेटे रोहित आर्या, सल्ट विधायक महेश जीना के बेटे करन को स्याल्दे बबलिया क्षेत्र पंचायत सीट, बदरीनाथ के पूर्व विधायक राजेंद्र भंडारी की पत्नी रजनी भंडारी, लोहाघाट के पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल की बेटी, लैंसडोन विधायक दिलीप रावत की पत्नी, नैनीताल जिला में भाजपा की निर्वतमान जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा की बहू, चमोली भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल भर्तवाल जैसे तमाम दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा चुनाव में कांग्रेस पर परिवारवाद को लेकर सियासी प्रहार करती रही। मतदाताओं ने कांग्रेस के परिवारवाद को स्वीकार किया, जबकि भाजपा को नकारा है। राजनीतिक दिग्गजों का मानना है कि भाजपा ने समर्थन देने में अगर परिवारवाद के बजाय मजबूत दावेदारों का चयन किया होता तो चुनाव नतीजों की तस्वीर कुछ और ही सामने होती। पंचायत चुनाव की यह जीत न केवल उत्साहवर्धक है बल्कि ऐतिहासिक भी है। भाजपा को 2019 में 200 सीटें मिली थीं। उसमें हरिद्वार भी शामिल था। अब भाजपा को हरिद्वार छोड़कर 216 सीटें मिली हैं। उस लिहाज से हरिद्वार की 44 सीटों को जोड़कर यह आंकड़ा 260 है। यह अब तक सीएम पुष्कर सिंह धामी सरकार की पंचायतों में ऐतिहासिक जीत है।

पाक भेज दी गईं 63 वर्षीय महिला फिर अपने परिवार के पास लौटेंगी

जम्मू, 02 अगस्त (ब्यूरो)। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी अल्पकालिक वीजा रद्द करने और लगभग 60 लोगों को पड़ोसी देश वापस भेजने के तीन महीने बाद भारत सरकार ने एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी की पत्नी 63 वर्षीय रक्षंदा राशिद को आगंतुक वीजा जारी करने का फैसला किया है, ताकि वह सीमा पार से लौटकर जम्मू-कश्मीर में अपने परिवार के पास वापस आ सकें।

जम्मू के तालाब खटिकां इलाके की निवासी इस महिला को पहलगाम आतंकी हमले के बाद 29 अप्रैल को अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान वापस भेज दिया गया था। उनके पति शेख जहूर अहमद और चार बड़े बच्चे भारतीय नागरिक होने के कारण जम्मू कश्मीर में ही रह रहे हैं।

यह मामला 30 जुलाई को जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में आया, जहां भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि काफी विचार-विमर्श और तथ्यों की विशिष्टता और मामले में असामान्य तथ्यात्मक स्थिति पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी द्वारा प्रतिवादी को आगंतुक वीजा देने का सैद्धांतिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद, अगर उन्हें सलाह दी जाए, तो वे उन दो आवेदनों पर भी आगे बढ़ सकती हैं जो कथित तौर पर उनके द्वारा दायर किए गए हैं और भारतीय नागरिकता और दीर्घकालिक वीजा प्राप्त करने के संबंध में संबंधित प्राधिकारी के पास लंबित हैं।

मेहता ने 22 जुलाई को संकेत दिया था कि केंद्र सरकार के स्तर पर पुनर्विचार हो सकता है, क्योंकि उन्होंने अदालत से कार्यवाही स्थगित करने का अनुरोध किया था ताकि वे यह पता लगा सकें कि क्या प्रतिवादी की किसी भी तरह से मदद की जा सकती है। पीठ के समक्ष मेहता के बयान के जवाब में, प्रतिवादी के वकील अंकुर शर्मा और हिमानी खजूरिया ने दलील दी कि वे भारत के सॉलिसिटर जनरल द्वारा सुझाए गए तरीके से सहमत हैं।

पीठ ने कहा था कि, वर्तमान मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर अधिकारियों द्वारा लिया गया सैद्धांतिक निर्णय किसी भी तरह से मिसाल नहीं बनेगा। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, इस्लामाबाद में रहने वाली रक्षंदा 10 फरवरी, 1990 को 14 दिनों के विजिटर वीजा पर अटारी के रास्ते भारत आई थीं। जम्मू जाने के लिए, लेकिन अधिकारियों द्वारा साल-दर-साल दिए जाने वाले दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के कारण यहीं रुकी रहीं।

अपने प्रवास के दौरान, उन्होंने एक भारतीय नागरिक से शादी की। उनका एलटीवी 13 जनवरी, 2025 तक वैध था, और उन्होंने 4 जनवरी को विस्तार के लिए आवेदन किया, जो स्वीकृत नहीं हुआ। और फिर पहलगाम हमले के बाद, सक्षम प्राधिकारी ने 25 अप्रैल को एक आदेश जारी किया, जिसमें सभी मौजूदा वैध वीजा तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए। 28 अप्रैल को, रक्षंदा को आपराधिक जांच विभाग (विशेष शाखा जम्मू) द्वारा भारत छोड़ने का नोटिस दिया गया। उन्होंने एक रिट याचिका के माध्यम से जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आदेश पर रोक लगाने की प्रार्थना की।

हालांकि, उन्हें एक निकास परमिट जारी किया गया और अधिकारियों द्वारा उन्हें अटारी-वाघा सीमा, अमृतसर तक ले जाया गया। वह 29 अप्रैल को शाम 4.30 बजे पाकिस्तान चली गईं। 6 जून को, न्यायमूर्ति राहुल भारती ने केंद्र सरकार को रक्षंदा की वापसी का आदेश दिया। आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति भारती ने कहा, ष्यह अदालत इस पृष्ठभूमि संदर्भ को ध्यान में रख रही है कि याचिकाकर्ता के पास प्रासंगिक समय पर दीर्घकालिक विदेशी (एलटीवी) दर्जा था, जिसके कारण उसे निर्वासित नहीं किया जा सकता था, लेकिन उसके मामले की बेहतर परिप्रेक्ष्य में जांच किए बिना और संबंधित प्राधिकारियों से उसके निर्वासन के संबंध में उचित आदेश लिए बिना, उसे फिर भी जबरन बाहर निकाल दिया गया।

इंदौर का कांग्रेसी पार्षद कश्मीर से गिरफ्तार

लव जेहाद के लिए देता था लाखों रुपए

जम्मू/इंदौर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। लव जेहाद के लिए फंडिंग करने के मामले में इंदौर के कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी को जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार कर लिया गया। कादरी पर आरोप है कि वह हिंदू लड़कियों को फंसाने के लिए मुस्लिम युवकों को एक लाख और निकाह करने के लिए दो लाख रुपए देता था।

पुलिस ने इससे पहले अनवर की बेटी आयशा को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। उसकी खोज में पुलिस ने पहले दिल्ली में भी दबिश दी थी, लेकिन अनवर फरार हो गया था। अनवर कादरी की बेटी आयशा से भी पुलिस को कई जानकारी मिली है। इसके बाद और गिरफ्तारियां होने की भी संभावना है। उसके अलावा इंदौर पुलिस ने साहिल शेख और अल्ताफ के खिलाफ भी दो युवतियों के साथ रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला दर्ज किया था। इसके बाद जांच के दौरान आरोपितों ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया था। दोनों ने पुलिस को बताया था कि अनवर ने युवकों को एक हिंदू लड़की को फंसाने के

लिए एक लाख रुपए और निकाह कराने पर दो लाख रुपए देने की बात कही थी।

उसके बाद मोबाइल जांच में यह सामने आया कि वह अर्जुन और राज जैसे नामों का इस्तेमाल कर हिंदू लड़कियों से दोस्ती करता था और फिर उन्हें मिलने बुलाता था। इसके बाद उन पर निकाह और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता था। 2011 में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी, उसका भाई और एक अन्य आरोपित जानलेवा हमले के मामले में भी एक-एक साल की सजा काट चुके है। उसकी गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही इंदौर के वार्ड 58 की मुस्लिम महिलाओं ने अनवर कादरी के समर्थन में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया है। मध्य प्रदेश पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए पहले 10 हजार का इनाम घोषित किया था लेकिन बाद में इनाम की राशि बढ़ाकर 20 हजार रुपए कर दी गई थी।

अमरनाथ यात्रा की समाप्ति की आधिकारिक घोषणा

9 अगस्त को छड़ी मुबारक की स्थापना के साथ होगा समापन

जम्मू, 02 अगस्त (ब्यूरो)। भारी वर्षा और अमरनाथ यात्रा मार्ग के बालटल और पहलगाम के दोनों ट्रैक खराब होने के कारण दोनों मार्गों पर यात्रा बंद कर दी गई है। इसके साथ ही अमरनाथ यात्रा की समाप्ति की आधिकारिक घोषणा हो गई। 9 अगस्त को गुफा में छड़ी मुबारक की स्थापना के साथ इसका औपचारिक समापन होगा।

कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूरी ने बताया कि बालटल और पहलगाम दोनों मार्गों पर मरम्मत और रखरखाव की अनिवार्यता है। दोनों मार्गों पर काम के लिए भारी मशीनें लगे होने के कारण यात्रा शुरू करना संभव नहीं है। इस साल श्री अमरनाथजी की पवित्र गुफा में 4.10 लाख से अधिक यात्रियों ने शिरकत की है। श्राइन बोर्ड के अनुसार इस बार यात्रा में शामिल होने वालों ने बमुश्किल 4.10 लाख का आंकड़ा छुआ। अमरनाथ श्राइन बोर्ड को उम्मीद थी कि 8 लाख से अधिक श्रद्धालु आएंगे और प्रदेश के व्यापारियों को तीन से चार हजार करोड़ का बिजनेस देंगे। पर ऐसा नहीं हुआ।

इति पांडे ने दमरे में पीसीसीएम का पद्भार संभाला

हैदराबाद, 02 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमती इति पांडे, आईआरटीएस (भारतीय रेलवे ट्रैफिक सर्विस) की 1995 बैच की अधिकारी, ने दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) में प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर (पीसीसीएम) का पद्भार संभाला है। वे इलाहाबाद विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

इसके पहले, श्रीमती इति पांडे ने भुसावल डिवीजन की डिविजनल रेलवे मैनेजर के रूप में कार्य किया। उन्होंने केंद्रीय रेलवे मुख्यालय में चीफ कमर्शियल मैनेजर (यात्रा सेवाएं) के रूप में भी सेवा दी है। वे केंद्रीय और पश्चिम रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं, जिनमें चीफ कमर्शियल मैनेजर (फ्रेट), डिप्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर, सीनियर डिविजनल

कमर्शियल मैनेजर, डिविजनल कमर्शियल मैनेजर और असिस्टेंट कमर्शियल मैनेजर शामिल हैं। अपने वाणिज्य विभाग में विशिष्टता के साथ, उन्होंने सुरक्षा और सतर्कता विभागों में भी कार्य किया है।

श्रीमती पांडे ने भुसावल डिवीजन में रहते हुए 'रुद्र' नामक 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' पहल शुरू की, जिसका उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों को सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। यह मोबाइल क्लीनिक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने में क्रांति ला रहा है और समय पर मेडिकल सेवाएं प्रदान कर रहा है।

उन्होंने जेनरल मैनेजर पुरस्कार (दो बार), रेल मंत्रालय पुरस्कार (उत्कृष्टता और मेधावी सेवाओं के लिए, 2007), और विमेन अचीवर्स अवार्ड (2016) प्राप्त किए हैं। 17 जून 2025 को उन्हें रेल मंत्री राष्ट्रभाषा पुरस्कार (रजत पदक) से सम्मानित किया गया।

श्रीमती पांडे मुंबई में पहली अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली की स्थापना में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एल्फिंस्टोन रोड भगदड़ के पीड़ितों के क्लेम्स के मामले में, बिना वकील की मदद के, सभी पीड़ितों के क्लेम्स का प्रबंधन किया, जो रेलवे अधिनियम के अंतर्गत कवर नहीं था। उन्होंने पश्चिम रेलवे पर 'राइडिंग द फ्रेट ट्रेन' नामक पुस्तक लिखी, जो फ्रेट संचालन का व्यापक अवलोकन है।

उनका नाम 2024 के ब्यूरोक्रैट्स अर्नल लिस्ट में '24 ब्यूरोक्रेट परिवर्तनकारी' के रूप में भी शामिल है, जो उनके दूरदर्शी नेतृत्व और यात्री सेवाओं तथा फ्रेट दक्षता में निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

श्रीमती इति पांडे एक माराथन धावक भी हैं और 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कॉमरेड्स मैराथन को पूरा करने वाली एकमात्र महिला सिविल सेवक हैं। उन्होंने 88 किलोमीटर का कठिन दौड़ 11 घंटे 47 मिनट में पूरी की।

चुनाव आयोग ने बीएलओ स्तर के अधिकारियों का परिश्रम दोगुना किया

नई दिल्ली, 02 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का पारिश्रमिक दोगुना करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही आयोग ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और सहायक अधिकारियों को भी मानदेय देने का निर्णय किया है।

आयोग ने शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि मतदाता सूची बनाने और पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारियों के पारिश्रमिक में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। बीएलओ का वार्षिक पारिश्रमिक दोगुना कर दिया है। इसके अलावा, बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है।

चुनाव आयोग ने कहा है कि इसके साथ ही पहली बार निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को भी मानदेय देने का निर्णय लिया गया है। पिछली बार इस संबंध में संशोधन 2015 में किया गया था। आयोग ने संशोधित पारिश्रमिक का विवरण देते हुए कहा कि बूथ लेवल अधिकारी को 6000 से 12000, मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बीएलओ को प्रोत्साहन राशि 1000 से 2000, बीएलओ पर्यवेक्षक को 12000 से 18000 तथा सहायक पंजीकरण अधिकारी को अब 25000 रुपए रुपए मिलेंगे। इसी तरह से सहायक पंजीकरण अधिकारी को 30000 देने का निर्णय लिया गया है। पहले इस दोनों अधिकारियों को कुछ नहीं मिलता था।

इसके अतिरिक्त, आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत बीएलओ को 6000 की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने की भी मंजूरी दी है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि उसका यह निर्णय उन सभी निर्वाचन कार्मिकों के अथक परिश्रम और लोकतंत्र को सशक्त करने में उनकी भूमिका को उचित पारिश्रमिक प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में वोकल फॉर लोकल महत्वपूर्ण : सुनील सिंघी

नई दिल्ली, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील सिंघी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में वोकल फॉर लोकल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि सभी व्यापारी देश के अर्थसैनिक है। श्री सिंघी यहां भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश की मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र इकाई द्वारा आयोजित व्यापारी व उद्यमी सम्मेलन एवं वोकल फॉर लोकल शपथ समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री संघी ने उपस्थित सभी को वोकल फॉर लोकल की शपथ दिलाई।

भारत सरकार के ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कामर्स:ओएनडीसीः का एक प्रस्तुति दी गई। श्री संघी (ओएनडीसी) के निदेशक है। ओएनडीसी ऐसा प्लेटफॉर्म है जो सभी व्यापारियों को अपना माल बेचने और खरीदारों को एक मंच प्रदान करता है।

श्री सिंघी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे भारत को विश्व में हर क्षेत्र में विकसित करने के लिए नई व्यापार नीतियों व कार्यक्रमो को क्रियान्वनित किया है, जिससे व्यापार को नए आयाम मिले है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2014 के बाद 11वें पायदान से आज चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने जन विश्वास के माध्यम से 40,000 से अधिक अनुपालनों को समाप्त करने से लेकर एमएसएमई के लिए ऋण पहुंच बना कर व्यापारियों को सशक्त बना रहे है।

श्री संघी ने देश भर के व्यापारियों को साप्ताहिक शिकायत निवारण वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया, जो हर सोमवार दोपहर 3 से 4 बजे तक आयोजित होती है। आगामी सत्र एक मील का पत्थर साबित

होगा, क्योंकि यह व्यापारिक समुदाय के साथ राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की लगातार 50वीं बातचीत होगी।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय चेयरमैन बालकिशन अग्रवाल के सानिध्य का जिक्र करते हुये श्री सिंघी ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की जिम्मेदारी संभाली थी, बालकिशन जी ने सबसे पहले उनके हाथ को थामा था और ये मेरे मार्गदर्शक है।

श्री अग्रवाल ने विभिन्न व्यापारियक मुद्दो पर चर्चा करते हुये अपने प्रदेश इकाई व मंगोलपुरी क्षेत्र के पदाधिकारियों का बहुत ही सफल के लिए आभार व्यक्त किया व उनके उत्साह को देखते हुये पूर्व योजनानुसार अगले साल फरवरी माह में विराट व्यापारी सम्मेलन आयोजित करने की घोषणा की, जिसमें 25000 से अधिक व्यापारियों के भाग लेने की संभवाना है।

समारोह में श्री सिंघी, श्री अग्रवाल, विधायक करनैल सिंह और केशवपुरम जिला के भाजपा अध्यक्ष अजय खटाना ने राजधानी में व्यापारियों के हित में कार्य करने के लिए श्री मुकेश कुमार गुप्ता, महावीर गोयल और विकास गर्ग को व्यापारी रत्न से सम्मानित किया।

शकूरबस्ती के विधायक श्री करनैल सिंह जी ने कहा कि राजधानी के व्यापारियों की समस्याओं को दिल्ली विधानसभा में उठाकर उसका समाधान करायेंगे।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष नवीन गर्ग जी ने कहा कि उनका संगठन हमेशा व्यापारियों की समस्याओं को हर मंच पर उठायेगा और उसका निराकरण करने का प्रयास करेगा। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के संगठन के पदाधिकारियों की प्रशंसा की।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संगठन महामंत्री एवं मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के महामत्री सुशील कुमार जैन ने मंच का संचालन किया।

समारोह में खाटू श्याम विशाल मंदिर के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम दास गुप्ता जावेरी, भारतीय उद्योग व्यापर मंडल के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामगोपाल गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद मोदी, दिल्ली प्रदेश के चेयरमैन नरेश ऐरण, वरिष्ठ महामंत्री मुनीष बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मित्तल, उपाध्यक्ष श्री सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष नितिन अग्रवाल, दिनेश गर्ग, गिरीश मित्तल, विकास गर्ग, मुकेश गुप्ता, सतपाल बंसल, एडवोकेट गोवर्धन अग्रवाल, महावीर गोयल, राजेन्द्र मित्तल, मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष राजेन्द्र जिंदल, जगदीश गुप्ता, शैलेस गोयल और ईश्वर गर्ग सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

आतंकियों को मिट्टी में मिलाने और दुश्मन को घर में घुसकर मारता है नया भारत: योगी

वाराणसी/लखनऊ, 02 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान समर्पित किया है। लोककल्याण और विश्वकल्याण के लिए दुनिया उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है। जुलाई में घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, नामीबिया, ब्राजील ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री जी को समर्पित करके 140 करोड़ भारतवासियों का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ग्रामसभा-बनौली (कालिका धाम), सेवापुरी में आयोजित लोकार्पण/शिलान्यास समारोह को संबोधित किया। सीएम ने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव के धाम और अपने संसदीय क्षेत्र काशी में आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत-अभिनंदन किया। सीएम योगी ने कहा कि सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है। काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है। यह पहली बार हो रहा होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुए होंगे।

सीएम योगी ने बताया कि इन वर्षों में वाराणसी के लिए 51 हजार करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत हुईं। इनमें से 34 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण पीएम के करकमलों से हो गया है, जो समग्र विकास की नई अवधारणा के साथ काशी को पहचान दिला रहे हैं। 16 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं प्रगति के अलग-अलग चरणों में हैं। इस बार भी प्रधानमंत्री 2200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार अपनी काशी को दे रहे हैं। यह परियोजनाएं कनेक्टिविटी, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल प्रतिस्पर्धा-गतिविधि, सांस्कृतिक पुनरोत्थान के लिए है।

सीएम योगी ने कहा कि सक्षम भारत की कल्पना को साकार करने में दिव्यांगजनों का भी बड़ा योगदान है। दिव्यांग प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया गया शब्द है।

इस आत्मीयता के माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन में आशा और उत्साह का संचार होने के साथ ही उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। पीएम के कर कमलों से यहां हजारों दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण का भी कार्यक्रम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले अन्नदाता किसानों की क्या स्थिति थी। किसान खेती से पलायन करते थे, आत्महत्या के लिए मजबूर होते थे, लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति खिन्नता थी परंतु 11 वर्ष में स्वायल हेल्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बीज को बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था आदि के साथ ही जो ईकोसिस्टम बनाया गया है, उसका परिणाम है कि यूपी के भी करोड़ों किसान इन योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अपना योगदान देने को तैयार हैं। देश के लगभग 10 करोड़ किसानों को यह सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री ने काशी को चुना है। प्रदेश के 2.30 करोड़ और काशी के 2.21 लाख परिवार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त प्राप्त कर रहे हैं।

योगी ने पीएम को भेंट किया अद्भुत शिवलिंग, नंदी और त्रिशूल

वाराणसी, 02 अगस्त (ब्यूरो)। श्रावण मास के पावन अवसर पर शनिवार को काशी पहुंचे वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जी.आई. रजिस्टर्ड बनारस मेटल रिपोंसी क्राफ्ट से निर्मित अनूठी कलाकृति भेंट की गई। इस शिल्प में काशी के तीन जीआई क्राफ्ट्स, जिसमें मेटल रिपोंसी क्राफ्ट, मीनाकारी और मेटल कास्टिंग क्राफ्ट का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

पद्मश्री सम्मानित जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनी कांत ने बताया कि इस विशिष्ट उपहार में मीनाकारी की चौकी पर सुशोभित 18 इंच ऊंची और 15 इंच चौड़ी कलाकृति शामिल है। इसमें अरघा में शिवलिंग, पांच फन वाला नाग, नंदी, प्रसाद, कलश में गंगा जल, त्रिशूल और चंदन भस्म मौजूद है। इस कृति को धातु शिल्पी अनिल कसेरा, रघुनाथ कसेरा और मीनाकारी कलाकार अरुण कुमार वर्मा ने एक सप्ताह के निरंतर प्रयास और जीआई विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में श्रावण मास की थीम पर तैयार किया।

डॉ. रजनी कांत ने कहा कि यह कलाकृति काशी की समृद्ध शिल्प परंपरा और जीआई की ताकत को दर्शाती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने काशी के सिल्क और भदोही की कालीन सहित बुनकरों और शिल्पियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्वदेशी और लोकल से ग्लोबल का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री के 51वें दौरे पर किसानों को मिली बड़ी सौगात

एक क्लिक में 9.70 करोड़ किसानों के पास आई समृद्धि

वाराणसी, 02 अगस्त (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र काशी में शनिवार को 51वीं बार पहुंचे। इस शुभ अंकों के साथ उन्होंने काशी से किसानों को बड़ी सौगात दी। श्रावण मास में देवाधिदेव महादेव की काशी से पीएम मोदी ने अन्नदाताओं को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की। सिर्फ एक क्लिक में देश के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों के पास सम्मान निधि के रूप में समृद्धि पहुंची।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में उत्तर प्रदेश के 2.29 करोड़ तथा काशी के 2.21 लाख किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से किसान सम्मान निधि पहुंची। बिना ब्रेक जारी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से अब

तक किसानों के खाते में पौने चार लाख करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के जरिए देश के किसानों के खाते में आज तक केंद्र सरकार द्वारा पौने चार लाख करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं। वहीं यूपी के लगभग ढाई करोड़ किसानों को इसका लाभ मिला है। यूपी के किसानों के खाते में 90 हजार करोड़ से अधिक रुपए भेजे गए हैं। अकेले काशी के किसानों को करीब 900 करोड़ रुपए मिले हैं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि मोदी ने यह परमानेंट व्यवस्था बना दी है, न लीकेज होगी और न गरीबों का हक छीना जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि विश्व की सबसे बडी डीबीटी योजनाओं में शामिल है।

डबल इंजन सरकार का मानना है कि विकसित भारत का रास्ता समृद्ध किसान से होकर ही जाएगा, इसलिए सरकार ने अन्नदाता किसानों के लिए अनेक योजनाएं भी शुरू कीं।

यही नहीं, इस योजना का लाभ बिना ब्रेक के निरंतर किसानों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि सावन का महीना, काशी जैसा पवित्र स्थान और देश के किसानों के साथ जुड़ने का अवसर, इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। हमारी सरकार निरंतर किसानों की खुशहाली के लिए काम कर रही है।

मोदी ने 2025 वृद्धों और दिव्यांगों को दिए जरूरी उपकरण

2 करोड़ 9 लाख़ के 7486 सहायक उपकरण दिए गए

वाराणसी, 02 अगस्त (ब्यूरो)। वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए शारीरिक चुनौतियां दोगुनी मुसीबत बनकर सामने आती हैं। ऐसे मुश्किलों से सामना करने के लिए मोदी-योगी की सरकार सीनियर सिटिज़न एवं दिव्यांगजनों के लिए सहारा बन कर खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र में शनिवार को दिव्यांगजनों और वृद्धों को कई उपकरण वितरित किए। राष्ट्रीय वयोश्री और एडिप योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निः शुल्क सहायक उपकरण वितरण किए गए, जिससे उन्हें शारीरिक चुनौती का सामना न करना पड़े और वे आत्मनिर्भर बनें।

एलिम्को के सीएमडी प्रवीण कुमार ने बताया कि लाभार्थियों को उपकरण उपलब्ध कराने में एलिम्को (कृत्रिम अंग निर्माण निगम) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही हुडको तथा आईडीबीआई बैंक ने सीएसआर योजना के अंतर्गत मदद की है। शनिवार को जनसभा के दौरान 2025

वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को 46 तरह के 7486 सहायक उपकरण वितरित किए गए।

इसकी लागत लगभग 2 करोड़ 9 लाख़ रुपए है। एलिम्को और वाराणसी जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगभग तीन महीनों के सर्वे के बाद पात्र लाभार्थियों की सूची बनाकर लाभान्वित किया गया है।

105 दिव्यांगजनों को आधुनिक मोटराइज्ड ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री द्वारा मंच से सांकेतिक वितरण करते हुए लिथियम आयरन फास्फेट बैटरी से चलने वाली आधुनिक मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, स्पोर्ट्स व्हीलचेयर, एक्टिव फोल्डिंग व्हील चेयर, उच्च शक्ति वाला चश्मा, प्रोग्रामेबल श्रवण यंत्र तथा राष्ट्रीय वयोश्री योजना अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिक लाभार्थी को वयोश्री किट (जिसमें वृद्धावस्था के कारण उत्पन्न विभिन्न शारीरिक दुर्बलता के लिए सहायक उपकरण-घुटनों के लिए नी ब्रेस, कमर दर्द के लिए एलएस बेल्ट, गले के लिए सर्वाइकल कॉलर, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट सम्मिलित है)। इसके अलावा अन्य उपकरणों में व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्ट फोन, सुगम्य केन, छड़ी आदि उपकरण शामिल है।

पुलिस दूरसंचार में चयनित 1,494 युवाओं को मिलेगा नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 02 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं के लिए चल रहा मिशन रोजगार अब रफ्तार पकड़ चुका है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रविवार को लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए चयनित 1,494 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

इनमें 1,374 सहायक परिचालक और 120 कर्मशाला कर्मचारी शामिल हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष व पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित किया गया है। यह नियुक्ति 60,244 आरक्षियों की ऐतिहासिक भर्ती के बाद पुलिस बल के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम है। अब तक प्रदेश में 8.50 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां, 3.75 लाख संविदा नियुक्तियां और मिशन रोजगार के तहत 2 करोड़ से अधिक निजी क्षेत्र एवं एमएसएमई में रोजगार के अवसर सृजित किए जा चुके हैं।

बाढ़ राहत के लिए सीएम योगी ने बनाई 11 मंत्रियों की टीम

लखनऊ, 02 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ राहत के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने 11 मंत्रियों की टीम बनाई है। टीम-11 बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में राहत कार्यों की निगरानी करेगी। साथ ही जनता तक सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करेगी। इसके अलावा डीएम, एसपी, सीएमओ समेत सभी अधिकारियों को 24 घंटे फील्ड में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम योगी ने टीम-11 में शामिल मंत्रियों को संवेदनशीलता, तत्परता और पारदर्शिता से कार्य करने को कहा है। वहीं, संबंधित जिलों के डीएम, एसपी, सीएमओ और समेत अन्य अधिकारियों को 24 घंटे फील्ड में रहकर बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों पर नजर रखने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम ने अफसरों को चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि बाढ़ प्रभावित सभी नागरिकों की सुरक्षा के साथ ही उन्हें भोजन, आवास और स्वास्थ्य की सुविधा मुहैया कराना सरकार की प्राथमिकता और जिम्मेदारी है। इसलिए इन कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सीएम ने सभी मंत्रियों को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में तत्काल पहुंचकर दौरा करने, राहत शिविरों का निरीक्षण करने और प्रभावित परिवारों से मिलकर राहत कार्यों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को तटबंधों की

चौबीसों घंटे निगरानी, जलभराव वाले गांवों से शीघ्र निकासी एवं राहत शिविरों में भोजन, दवा, शौचालय, साफ-सफाई तथा महिलाओं व बच्चों को जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने समय से प्रभावितों तक गुणवत्तायुक्त राहत सामग्री और भोजन के पैकेट वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ से फसलों के बर्बाद होने और नदी के कटान से हुए नुकसान व नष्ट हुए गृहस्थी के सामान वाले परिवारों को 24 घंटे मे सहायता राशि जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से उपलब्ध कराने को कहा है।

इसके अलावा सीए ने जलभराव वाले गांवों में से पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व उनके चारा की व्यवस्था करने, अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम और एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सीएम ने राहत आयुक्त द्वारा जारी अर्ली वार्निंग अलर्ट को संबंधित जिलों में जनता तक तत्काल पहुंचाने और आपदा प्रबंधन के प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराने को कहा है। सीएम ने किसानों की फसलों का त्वरित सर्वेक्षण कराने, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी की बाढ़ यूनिटों को मुस्तैद रखने को कहा है।

टीम-11 में नंद गोपाल गुप्ता नंदी को प्रयागराज, स्वतंत्रदेव सिंह को मिर्जापुर एवं बांदा, संजय गंगवार को जालौन, प्रतिभा शुक्ला को औरैया, रामकेश निषाद को हमीरपुर, जयवीर सिंह को आगरा, सुरेश खन्ना को वाराणसी, संजय निषाद को कानपुर देहात, दया शंकर मिश्रा दयालु को बलिया, धर्मवीर प्रजापति को इटावा और अजीत पाल को फतेहपुर का प्रभारी बनाया गया है।

उमा भारती ने प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार पर उठाए सवाल

झांसी, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री साध्वपी उमा भारती ने भ्रष्टाचार को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इसकी गारंटी न तो मोदी जी दे सकते हैं और न योगी जी। कावड़ यात्रा में पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपनी आदत बदलो। जो वोट मांगने आए उसे एक ही वचन लो कि हमें भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन दोगे। भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन दोनों बहुत जरूरी है।

साध्वी ने कहा, इसलिए मैं मोदी जी और योगी जी को हमेशा बोलती हूं कि आपने राजनीतिक सूचिका हटा दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लग पाया। राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री, विधायक और सांसद ने शिष्टाचार का पालन किया है। लेकिन अधिकारियों, पुलिस और प्रशासन की गारंटी न तो मोदी जी दे पा रहे हैं और न योगी जी। इनको ठीक करने के लिए नीचे से निकलना होगा। अब ऐसी गंगा निकलनी चाहिए जो नीचे से धरती को फाड़ कर ऊपर हिमालय की ओर जाए।

घातक हो सकता है बैड टी का सेवन

अधिकांश लोग सुबह बिना ब्रश किए बिस्तर पर ही चाय ले लेते हैं। वैसे इसे फैशन का पर्याय माना जाता है किन्तु लोग यह नहीं जानते कि बैड टी हमारी सेहत को कितना नुकसान पहुंचाती है। रात को भोजन के दौरान हमारे दांतों में भोजन के कई कण फंस जाते हैं, जो सुबह होने तक सड़ जाते हैं और इससे हमारे मुंह में बहुत बड़ी संख्या में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं।

यदि हम सुबह बिना कुल्ला किए चाय पीते हैं तो ये बैक्टीरिया चाय के साथ हमारे पेट में चले जाते हैं, जो कई रोगों को पैदा करते हैं। रातभर मुंह में एकत्र हुई गंदगी जब सुबह बैड टी के साथ पेट में पहुंचती है तो यह पेट संबंधी कई बीमारियां पैदा करती है।

इससे पेट में घाव हो जाते हैं, जिस कारण व्यक्ति के पेट में तेज दर्द होने के साथ उल्टियां भी आने लगती है। रात के समय पेट में अम्ल बनने की क्रिया अधिक तेज हो जाती है,जो शरीर के लिएहानिकारक है। यह क्रिया छाती में जलन, आमाशय मेंसूजन आदि अनेक बीमारियों को जन्मदेती है।

स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

धीरे-धीरे एसिडिटी रोग शरीर पर अपना प्रभाव बना लेता है। बेड टी से कब्ज होना आम बात है। कब्ज अपने साथ कई अन्य बीमारियां भी पैदा करती है,जैसे जिगर की खराबी, सिर में दर्द मानसिक परेशानियां व सांसका दुर्गन्धियुक्य होना। खाली पेट चाय पीने से गर्भवती महिलाओं को गर्भपात भी हो सकता है। यह पाचन क्रिया को कमजोर करती है। भूख न लगना, खाने के प्रति अरूचि आदि अनेक समस्याएं बैड टी से ही पैदा होती है। अतः सुबह उठते ही चाय पीने से बेहतर होगा कि आप दो गिलास ताजा पानी पीएं। इससे आपकी कब्ज की शिकायत दूर होकर पेट साफ होगा। बिना कुल्ला किए चाय पीना हर तरह से नुकसानदेह है, इसलिए सदैव ब्रश करने के बाद ही चाय पीएं।

बॉडीबिल्डिंग के लिए आहार

बॉडी बिल्डिंग में मांसपेशियों का आकार बढ़ाया जाता है। बॉडी बिल्डिंग करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही उन्हें कार्बोहाइड्रेट भी लेना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो प्रोटीन शरीर को ऊर्जा देने में इस्तेमाल होगा। और इससे उन्हें शरीर बनाने में अधिक वक्त लगेगा। आपको अपने शरीर के वजन के हर किलो के लिए 1.5 से 2 ग्राम तक प्रोटीन लेने की जरूरत होती है।

मलेरिया से बचा सकती हैं मुर्गियां

एक रिसर्च में पता चला है कि मुर्गियां मच्छरों के आतंक से निजात दिला सकती हैं। दरअसल उनसे ऐसी गंध निकलती है जो मच्छरों को दूर रखती है। लोगों को लगता है कि मच्छरों को सिर्फ खून से मतलब होता है, पर ऐसा नहीं है। मच्छरों को भी अच्छे खून और खराब खून में अंतर पता होता है। वे इसे अपनी गंध पहचानने की क्षमता से जान लेते हैं। इसी वजह से मुर्गियां मच्छरों को दूर करने में मददगार होती हैं।

साइटोमेग्लो वायरस से बच्चों में हो सकता है अंधापन

साइटोमेग्लो वायरस महिला, पुरुष या बच्चे को किसी भी उम्र में संक्रमित कर सकता है। इसके ज्यादातर मामले बच्चों में पाए जाते हैं जिसे कॉन्जिनाइटल साइटोमेग्लो वायरस इंफेक्शन कहते हैं।

यह इंफेक्शन संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। जिसका जरिया ब्लड, यूरिन, शुक्राणु या ब्रेस्ट मिल्क हो सकते हैं। ऐसे में ब्लड ट्रांसफ्यूजन, ऑर्गन ट्रांसप्लांट के दौरान यह वायरस फैलता है।

इसका इलाज व बचाव

जटिलता समझें

- गर्भावस्था में इस वायरस से प्रभावित होने पर पहले तीन माह में गर्भस्थ शिशु को इसका खतरा ज्यादा रहता है।
- जन्म के बाद इसका पता चलता है। गर्भ में यदि बच्चे के दिमाग, आंख या कान पर यह वायरस असर करे तो उसका शारीरिक विकास नहीं होता।
- जिससे उसमें पीलिया, निमोनिया, त्वचा पर दाने, दौरे आना, लिवर बढ़ने, वजन घटने, सिर का आकार छोटा होने जैसी दिक्कतों की आशंका हो सकती हैं।
- कई बार उम्र के बढ़ने पर इसके लक्षण दिखते हैं। जैसे सुनाई न देना, दिखने में परेशानी या अंधापन व दिमागी कमजोरी आदि।

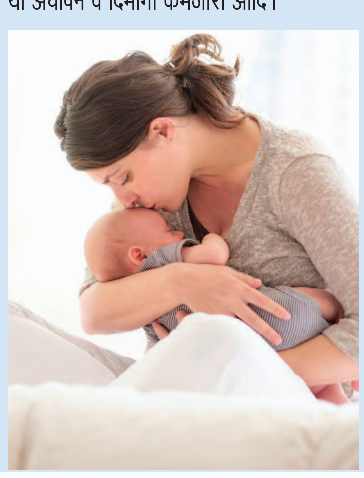

जानें लक्षण

- यह वायरस रक्त के जरिए शरीर के प्रमुख अंगों को प्रभावित करता है।
- सामान्यत: यह वायरस खुद-ब-खुद 5-7 दिन में खत्म हो जाता है लेकिन एड्स, ट्रांसप्लांटेशन, ऑर्गन डोनेशन, नवजात या ऐसे व्यक्ति जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, उनमें इस वायरस के कारण जटिलताएं बढ़ जाती हैं। उनमें यह रक्त के जरिए शरीर में फैलकर खासकर आंख, दिमाग, फेफड़े और लिवर को नुकसान पहुंचाता है।
- जिस कारण बुखार, डायरिया, सांस लेने में तकलीफ, देखने में परेशानी, फेफड़ों में संक्रमण, रेटिनाइटिस (आंख के रेटिना में सूजन), थकान, गले में सूजन व दर्द और मांसपेशियों में दर्द होने जैसे लक्षण सामने आते हैं।
- वायरस से बचाव ही रोग की आशंका को घटाता है।
- हाइजीन और साफ-सफाई को ध्यान में रखना जरूरी है। साथ ही यदि परिवार में कोई सदस्य इस वायरस से पीड़ित हो तो अन्य को सावधानी बरतनी चाहिए।

एंटीवायरल दवाएं कारगर

आमतौर पर यह बीमारी बच्चों या बड़ों दोनों में कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। लेकिन जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें वायरस के तेजी से फैलने पर दिमाग, आंख और कान प्रभावित होते हैं। इस वजह से मरीज की हालत गंभीर होने लगती है। इसके लिए एंटीवायरल दवाओं का कोर्स शुरू कर इलाज किया जाता है। इससे वायरस के विकास को रोका जाता है। साफ-सफाई रखना जरूरी

रात की सर्जरी बढ़ाती है मौत की आशंका

रात में की गई सर्जरी से मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। हाल ही में आए अध्ययन के परिणाम के अनुसार दावा किया गया है कि रेग्युलर वर्किंग समय के दौरान किए गए ऑपरेशन या सर्जरी की तुलना में रात में की गई सर्जरी या ऑपरेशन में मौत का खतरा दोगुना हो जाता है। मतलब जिन मरीजों का ऑपरेशन या सर्जरी रात में दिन में या वर्किंग समय में ना होकर रात में किया जाता है उनके मरने की संभावना दोगुनी होती है। यहां तक की देर शाम में भी होने वाली सर्जरी में मॉर्टिलीटी रिस्क का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में पिछले 5 सालों में हुए सारे सर्जरी के आंकड़ों को शामिल किया गया है। अध्ययन में 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2015 के सर्जिकल आंकड़ों को लिया गया है। सबसे पहले इसमें सभी तरह के सर्जीकल इंटरवेंशन को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में ऑप्थाल्मिक और लोकल एंथेसेसिया के केस को छोड़कर अन्य सभी तरह के वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जिकल केसेस को शामिल किया गया है। जिसमें काम करने के घंटों को तीन ब्लॉक में बांट गया। पहले ब्लॉक में सुबह के 7 बजे से लेकर दिन के 3:29 बजे तक के समय को रखा गया। दूसरे ब्लॉक में शाम के 3:30 से रात के 11:29 बजे तक के समय को रखा गया और अंतिम ब्लॉक में रात 11:30 बजे से लेकर सुबह 7:29 बजे तक के समय को रखा गया।

इन ब्लॉक में शुरू हुए ऑपरेशन के समय पर नर्सों ने नजर रखी कि कब ऑपरेशन शुरू हुआ और कब खत्म हुआ। इस अध्ययन में 41,716 वैक्लिपक और आपातकालीन सर्जरीज को शामिल की गई। इन मामलों में से 10,480 केस इमरजेंसी के थे जिसमें से 3,445 मामलों की सर्जरी पहले ब्लॉक के समय में, 4,951 मामलों की सर्जरी दूसरे ब्लॉक के समय में और 2,084 मामलों की सर्जरी तीसरे ब्लॉक के समय में की गई।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया की दिन की तुलना में रात के समय किए गए ऑपरेशन में मरने की संभावना 2.17 टाइम्स अधिक थी। वहीं लेट इवनिंग में किए गए ऑपरेशन में मौत की संभावना दिन के समय हुए ऑपरेशन की तुलना में 1.43 टाइम्स अधिक थी।

अपनी मर्जी से न करें पेन किलर का इस्तेमाल

दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से न करें दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल अपनी मर्जी से बिल्कुल न करें योंकि ऐसा करने से इनके अच्छे परिणामों की बजाय सेहत पर बुरा असर होगा। डॉक्टरों ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों को ऐस्पिरिन कभी नहीं देना चाहिए इससे जानलेवा लीवर फेलियर हो सकता है। बच्चे एवं किशोर जो चिकन पाक्स अथवा लू जैसे लक्षणों से रिकवर हो रहे हों उन्हें कभी एस्पिरिन नहीं देना चाहिए पैरासिटामॉल कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं लेना चाहिए पश्चिमी देशों में यह नंबर वन सुसाइडल एजेंट बन चुका है। दिल के सभी मरीजों को दर्द निवारक दवाओं के इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी होता है। अगर किडनी की समस्या से प्रभावित मरीज ने दर्द निवारक दवाका इस्तेमाल किया तो उसे किडनी फेलियर का खतरा बढ़ सकता है। दर्द निवारक दवाओं का बेहद समझदारी से इस्तेमाल होना चाहिए क्योंकि खतरे के दायरे में आने वाले लोगों के लिए एक टेबलेट भी किडनी फेलियर को बढ़ावा दे सकता है।

अब बच्चे खत्म करेंगे पूरा लंच बॉक्स

अक्सर मदर्स की यही शिकायत होती है कि उनका बच्चा लंच बॉक्स में खाना खत्म करके नहीं आता। इसमें पूरा दोष बच्चे का नहीं है, जरा-सा आपका भी है। इसके लिए बच्चों को हेल्दी खाने की आदत डालनी होगी। अगर आपका बच्चा खाने से जी चुराता है और आप इस बात से भी परेशान रहते हैं कि आखिर उसे कैसे लंच बॉक्स दिया जाए, जिसे वह खत्म भी कर ले और उसे पोषण भी मिले तो कुछ टिप्स फॉलो करें।

बच्चों के लंच बॉक्स में ज्यादातर सूखी चीजें रखनी चाहिए, ताकि उन्हें खाने में आसानी रहे। बच्चों की दिलचस्पी का भी ख्याल रखें और इस बात का भी ध्यान रखें कि उन का रोज का खाना एक जैसा न हो जाए। किसी दिन रोटी सब्जी दें, तो किसी दिन आटे की नमकीन सेंवई, कभी सब्जी

पुलाव दे दिया, तो कभी उत्तपम, इडली या दाल का चीला वगैरह भी लंच बॉक्स में रख सकते हैं।

बच्चों के लंच बॉक्स में मौसम के हिसाब से फल भी रखें। इनमें संतरा, केला, सेब, अनार वगैरह ऐसे फल हैं जो बच्चों को आमतौर पर पसंद आते हैं। खीरा, ककड़ी टमाटर, अंकुरित अनाज या दल वगैरह का सलाद रखना न भूलें। बच्चे को पॉकेट मनी दे कर बाहर कैंटीन से खाना खाने की आदत न डालें। ये भी करें- बच्चे की खुराक में दूध को अहमियत दें। उसमें रोजाना दूध पीने की आदत डालें। बच्चे की पंसद के खाने को नजरअंदाज न करें, पर साथ ही पौष्टिक खाना खाने के लिए भी बढ़ावा दें। बच्चा जब भोजन खत्म कर लेता है, तो उसे प्यार से शाबाश या वैरी गुड जरूर कहें।

इन वजहों से रात में भी करें वर्कआउट

सामान्यत: लोग सुबह ही वर्कआउट करने को तरजीह देते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। सेहत के लिहाज से यह बेहतर भी है। लेकिन देखा जाए तो इन दिनों समय के अभाव से हर कोई बावस्ता है। ऐसे में वर्कआउट के लिए समय निकालना किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। सवाल है ऐसी स्थिति में क्या किया जाना चाहिए? ऐसी स्थिति में आप चाहें

तो रात के समय को चुन सकते हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि रात को वर्कआउट कर क्या उतने ही फायदे हासिल हो सकते हैं जितने सुबह करने से हासिल होते हैं? एक अध्ययन के मुताबिक देर रात जगने वालों के लिए रात का समय अनुकूल है। दरअसल इस समय वे पूरे लगन से वर्कआउट करते हैं। वे किसी भी तरह की हड़बड़ी में नहीं होते। अत: वर्कआउट करने में पूरा ध्यान देते हैं। इतना ही नहीं वर्कआउट करते हुए वे अतिरिक्त मेहनत भी करते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसके बाद उन्हें आराम करना है। मतलब साफ है कि निश्चित मन से रात को वर्कआउट करने वाले ज्यादा फोकस होते हैं। नतीजतन इसका उनकी सेहत पर गहरा असर देखने को मिलता है।

मोबाइल फोन के साथ सोना खतरनाक

आपकी ये आदत बन सकती है परेशानी

जब भी आप सुबह उठते हैं तो सबसे पहले अपना मोबाइल फोन उठाते हैं और सोशल साइट्स के अलावा कई दूसरी चीजें जैसे एसएमएस, मिस या वॉयस काल चेक करते हैं, लेकिन क्या रात में आईफोन या फिर एंड्रॉयड-स्मार्टफोन अपने पास रखकर सोने का कोई लॉजिक नहीं है। अगर एक दिन आपको बिना स्मार्टफोन के सोना पड़ जाए तो शायद रातभर आपकी आंखों में नींद न आए। स्मार्टफोन न सिर्फ आपकी रातों की नींद उड़ाता है बल्कि आपकी सेहत का भी नुकसान होता है।

बढ़ती है टॉक्सिन की मात्रा

रात में भी आपका ध्यान फोन की तरफ रहता है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। रात में अगर आप अपने फोन को अचानक उठाकर देखते हैं तो आपकी आंखें दिमाग को यह संदेश देती हैं कि शरीर को जागना है, जबकि दिमाग शरीर को सुलाने की कोशिश करता है। आपके दिमाग को रेस्ट करने का समय नहीं मिलता, जिससे शरीर में टॉक्सिन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे आप अच्छी तरह नींद नहीं ले पाते। दिन में आप काम पर फोकस कर नहीं पाएंगे, साथ ही शरीर भी सुस्त रहेगा। दिन में 7 से 9 घंटे की नींद जरूरी होती है। इसलिए अगर रात में आपको मोबाइल चलाने का बहुत शौक है तो आप अपने इस शौक को जरा विराम लगाई। वरना एक अच्छी सेहत आप खो देंगे।

बढ़ने लगता है आपका वजन

दिन-ब-दिन आपकी काबिलियत कम होती जाएगी, इसका सीधा कारण है नींद न पूरी होना, साथ ही आपका वजन भी बढ़ने लगेगा। कम सोने से शरीर के मैटाबॉलिज्म में बदलाव होने लगता है, जिससे शरीर का भार बढ़ता है। ज्यादातर डॉक्टरों का इस बारे में यही कहना है 9.00 बजे के बाद अपने फोन को खुद से दूर रखें और अपने शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानि जब सोने का समय हो तो शरीर को सोने दें। वरना इस तरह की आदत से आप कई बीमारियों को आमंत्रित कर लेंगे। सोते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने में ही समझादी है। और इससे आप अपनी सेहत का भी ख्याल रखते हैं।

रेसिपी

मखमली पनीर टिक्का

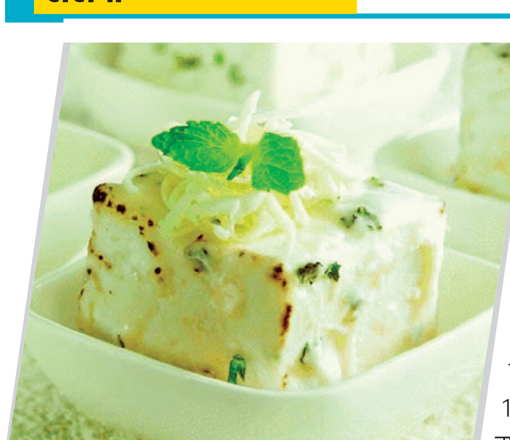

सामग्री

- 200 ग्राम पनीर(कटा हुआ)
- 1/2 कप दही
- 1/4 चीज(कद्दूकस किया)
- 1/2 छोटा चम्मच हरी मिर्च(पेस्ट)
- 1 टेबलस्पून काजू पाऊडर
- 1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला
- 1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
- नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में दही लेकर इसमें हरी मिर्च,काजू पाऊडर, गर्म मसाला,काली मिर्च,नमक और चीज डालकर मिक्स करें। अब इसमें पनीर के टुकडे लपेट कर 15-20 मिनट के लिए रख दें। माइक्रोवेव को 200 डिग्री पर प्रीहीट कर लें और फिर पनीर के टुकड़ों को स्टिक पर लगा कर माइक्रोवेव में 15 मिनट तक ग्रिल करें। आपका मखमली पनीर टिक्का बनकर तैयार है। इसे सॉस के साथ सर्व करें।

शिमला मिर्च की लौंजी

सामग्री

1 कप शिमला मिर्च के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल ,1/2 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून सौंफ
1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 3/4 टी-स्पून अमचुर
2 टेबल-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, कलौंजी, सौंफ और हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। शिमला मिर्च डालकर कुछ और सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भून लें। हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अमचुर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए पका लें। 1/2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या शिमला मिर्च के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए पका लें। तुरंत परोसें या हवा बद डब्बे में डालकर 2-3 दिनों के लिए फ्रिज में रखें।

कहीं आप भी 'फोमो' के शिकार तो नहीं

अगर आप फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप के बिना एक पल भी नहीं रह पाते हैं तो ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है। हो सकता है कि आप 'फोमो' यानि 'फीयर ऑफ मिसिंग आउट' के शिकार हों। स्मार्टफोन के जरिए अपने दोस्तों और हर पल होने वाली बातों के टच में रहने की लगातार इच्छा आपको 'फोमो' का शिकार बना सकती है।

क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट रीपेन सिप्पी की मानें तो जिन लोगों को सोशल मीडिया की आदत हो चुकी है, इससे दूर रहने पर वे 'फोमो' का शिकार हो जाते हैं। ऐसे लोग जब ज्यादा देर तक सोशल मीडिया से दूर रहते हैं तो उन्हें बेचैनी-सी महसूस होती है। वहीं कंसल्टेंट क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट आशिमा श्रीवास्तव का कहना है कि 'फोमो' सोशल एंजाइटी का रूप है ।

रिश्तों पर बुरा असर

लोगों को वर्चुअल वर्ल्ड में जीने की इतनी आदत हो जाती है कि वे रीयल लाइफ सिचुएशंस को फेस ही नहीं कर पाते। यही बातें दूसरों के साथ उनके रिश्तों में भी असंतुलन पैदा कर देती हैं और रीयल लाइफ की किसी परिस्थिति में वे जल्दी प्रतिक्रिया ही नहीं दे पाते। ऐसे में दोस्तों और परजिनों के साथ उनके रिश्ते बिगड़ने लगते हैं।

जब नहीं मिलता अटेंशन

बहुत सारे लोग जिन्हें रीयल लाइफ में प्यार और अटेंशन नहीं मिलता वे इन चीजों को वर्चुअल वर्ल्ड में ढूंढ़ना शुरू कर देते हैं। जब उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में ये सब कुछ मिलता रहता है, वे खुश रहते हैं पर जिस पल उन्हें अटैंशन मिलना बंद हो जाता है, 'फोमो' फोबिया उन पर हावी हो जाता है। ऐसे में आपके मन में 'फीयर ऑफ मिसिंग आऊट' जैसी बातें आने लगती हैं।

आपके भीतर पैदा कर देता है 'डर'

'फोमो' में एक व्यक्ति के भीतर डर विकिसत होने लगता है कि वह जरूरी अपडेट्स और महत्वपूर्ण इवेंट्स को मिस कर देगा। इसी डर की वजह से वह लगातार अपने मोबाइल फोन को चेक करता रहता है। सामान्यत: कोई व्यक्ति 'फोमो' के शिकंजे में तब आता है, जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुद को उपेक्षति या अकेला महसूस करने लगता है ।

सोशल बिहेवियर पर असर

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ 'फोमो' ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज्यादा इस्तेमाल से सोशल बिहैवियर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे वयस्कों, युवाओं और यहां तक कि स्कूल जाने वाले बच्चों के वर्क परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है । वे अंतर्मुखी होने लगता है और सामान्यत: लोगों को खुश करने वाली बातों से भी उसे खुशी नहीं होती।

हम भी जाते हैं स्कूल!!!

दोस्तो, हमें स्कूल जाना, फिर होमवर्क करना...ये सब अच्छा नहीं लगता न। पर आप जानते हैं, हमारे प्यारे गज्जू भइया यानी हाथी, ये भी स्कूल जाते हैं। जानना चाहते हैं, कहां है इनका स्कूल...

थाइलैंड के लामपांग के सागौन उत्पादन केंद्र से 54 किलोमीटर दूर है यह स्कूल। यहां के हर विद्यार्थी का नाम उसके जन्म स्थल के निकट के किसी पहाड़ अथवा झरने के नाम पर रखा गया है।

थाइलैंड में हाथियों का स्कूल है, जहां पांच साल के बच्चे भरती किए जाते हैं, इस स्कूल में हाथियों को इस तरह प्रशिक्षित किया जाता है कि वे अनुशासन में रहकर जंगल में अपने कार्यों को सही ढंग से कर सकें। उनके प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम छह वर्षों का होता है। बड़े होकर सभी को अपनी जीविका के लिए काम करना पड़ता है। आखिर हाथी भी सही ढंग से काम को अंजाम देना क्यों न सीखें। इस स्कूल में उन्हें जंगल से लकड़ी के लट्ठों को तय स्थान पर पहुंचाना सिखाया जाता है।

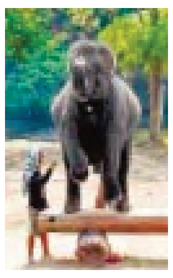

थाइलैंड के लामपांग के सागौन उत्पादन केंद्र से 54 किलोमीटर दूर है यह स्कूल। यहां के हर विद्यार्थी का नाम उसके जन्म स्थल के निकट के किसी पहाड़ अथवा झरने के नाम पर रखा गया है।

स्कूल क्या है, तश्तरीनुमा ऊंची चट्टानी पहाड़ियों से घिरा मैदान है। पास ही 'हुए-माइली' नामक एक झरना है, जहां प्रशिक्षार्थी कक्षा शुरू होने से पहले और बाद में जल क्रीडा करते हैं।

स्कूल का सत्र शुरू होता है जाड़े के दिनों में। हाथियों को पहले लकड़ी के सीखचों में जकड़ दिया जाता है, और फिर उनकी मुलाकात होती है अपने शिक्षक महावतों से। पहला पाठ होता है, महावत से जान पहचान और फिर उनके आदेशों को समझना। आदेशों की खास शब्दावली है और ये शब्द बर्मी भाषा से मिलतेजुलते हैं। जैसे 'शांग' का अर्थ है अपने अगले पांवों को झुकाओ और महावत को ऊपर चढ़ने दो, 'को' का अर्थ है, ठहरो। हाथी इन निर्देशों का सही प्रकार से पालन करना सीखते हैं।

एक महीने तक यही पढ़ाई होती रहती है। उठो, बैठो, उठाओ, घूमो। मीठे बोल का अर्थ है प्यार और सांत्वना और कड़े और तेज स्वर का अर्थ आदेश। हाथी इसे अच्छी तरह से समझते हैं। पहली बार वे हौदे और लट्ठे खींचने की और जंजीर का भार अनुभव करते हैं। महीना पूरा होते-होते छात्र अगले सबक के लिए तैयार हो जाते हैं।

प्रधान शिक्षक एक अनुभवी महावत होता है और वो उन्हें एक पंक्ति में खड़े होने का आदेश देता है। वे महावत को पीठ पर बैठाए, नपे तुले कदमों से प्रशिक्षण भूमि के किनारे-किनारे परेड करते हैं। पहले एक-एक की कतार में, फिर दो-दो की कतार में। इस सब कवायदों को उद्देश्य होता है, उनमें अनुशासन की भावना भरना।

अगला सबक होता है, महावत के चढ़ने और उतरने में विभिन्न तरीकों से मदद करना- चारों पैरों को मोड़ना, अगले पांव को मोड़ कर सिर को झुकाना या एक अगला पांव आगे बढ़ाना, ताकि महावत को सहारा मिले।

फिर बारी आती है, एक सपाट मैदान में लट्ठे खीचने की। जंजीर का एक सिरा हौदे से लगा होता है और दूसरा लट्ठे में फंसाया जाता है। आमतौर पर लट्ठे हाथी के पीछे होते हैं, पर कभी-कभी उन्हें बगल से भी खींचना पड़ता है। लट्ठों की संख्या उनके वजन पर निर्भर होती है-कभी एक तो कभी दो। अगला सबक ज्यादा कठिन होता है। उसमें लट्ठे को सूंड व दांतों से उठाना होता है।

एक मुश्किल करतब यह है कि दो हाथी अपनी सूंडो से लट्ठे उठाकर दूसरे दो हाथियों की सूंडों पर रखते हैं।

फिर लट्ठों को ले जाकर जमा करने की बारी आती है। ढेर से निकलकर लुढ़कते हुए लट्ठों से अपने पांचों को बचाने में खासी कसरत हो जाती है। कुछ-कुछ दिनों के अंतर में सबक दोहराए जाते हैं और सबसे मजेदार होता है उनका अंतिम सबक। छात्र आराम से बैठकर संगीत का आनंद उठाते हैं और महावत कर्कश ध्वनि वाले ढोल, बांसुरी, तंत्री वाद्य आदि बजाते हैं।

जैसे भड़कीले रंगों की चीजें हाथियों को अस्पष्ट और अपने असली आकार से बड़ी दिखाई पड़ती है, वैसे ही विचित्र संगीत भी उन्हें चौंका देता है। लेकिन महावत उन्हें अभ्यस्त बनाते है। जंगल में उपयोग में आने वाली गाड़ी जीप आदि गाड़ियों के भोंपू और आदमियों की चिल्लाहट भी इस संगीत में शामिल होती है।

गर्मी के दिनों में स्कूल सुबह पांच बजे लगता है, और जाड़े के दिनों में छह बजे दोपहर तक हाथी-छात्रों को भले ही सबक सिखा लें, लेकिन क्या मजाल कि दोपहर के बाद उनसे कोई काम ले लें। दोपहर हुई नहीं कि उनके कदम बढ़ते हैं छात्रावास की ओर। उस समय उनके मन में गन्ना समाया होता है। आखिर गन्ना ही तो उनका पुरस्कार होता है। अगर उस समय किसी ने कोई काम लेने की कोशिश की, तो वे सब अड़ जाते हैं।

रात्रि भ्रमण के दौरान हाथी-शिक्षार्थी कैंप से काफी दूर जंगलों में निकल जाते हैं और सुबह होते ही महावतों को उनकी तलाश में भागना पड़ता है। फिर, महावत उन पर सवार होकर उन्हें अपने पांवों के इशारे से झरने के पास ले आते हैं। सुबह के स्नान के लिए।

रंग भरो

शीलू हिरणी और उसका बेटा पोलू जंगल में बैठकर आराम फरमा रहे हैं। ये अपने रंग घर भूल आए हैं। क्या आप इन्हें रंगों से सजा सकते हैं?

अंतर ढूंढो

दोनों चित्रों में आपको दस अंतर ढूढ़कर बताने हैं। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा।

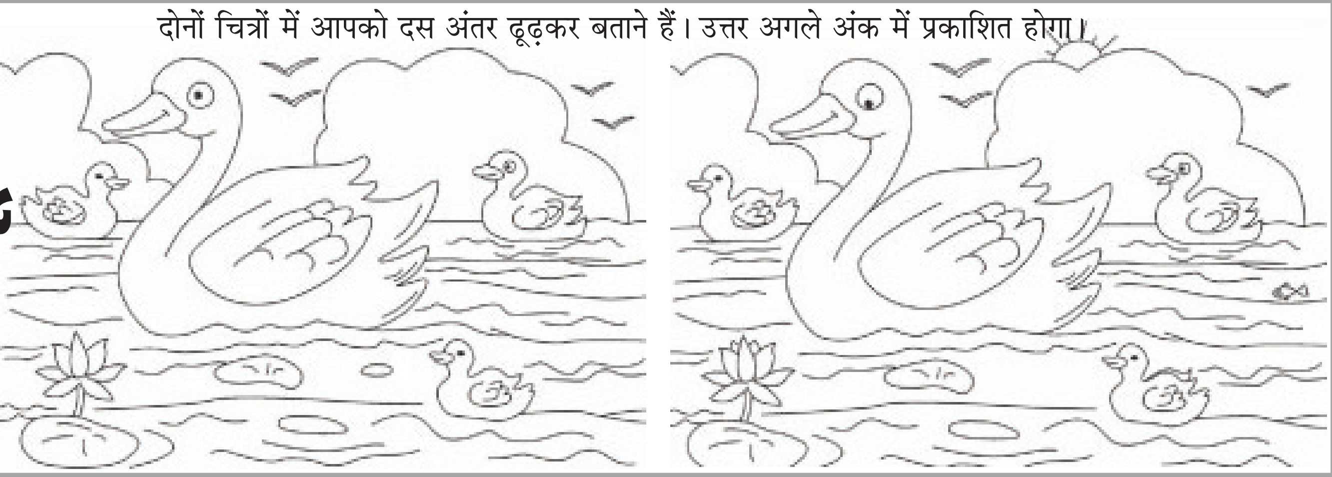

गुलाब का दोस्त

सुहेल गया तो था अपने पापा के स्कूल को देखने पर उसे वहां नया दोस्त मिल गया। आप भी जानिए कौन था वह नया दोस्त। सुहेल की उससे कैसे हुई दोस्ती...

सुहेल आज स्कूल न जाकर पापा के साथ उनके स्कूल जाने की जिद करने लगा। पापा पहले मना कर रहे थे, फिर मम्मी के कहने पर उसे अपने साथ ले गए। बस से बाहर का न ाारा देख कर सुहेल बहुत खुश हो रहा था। हो भी क्यों न, हरे-भरे खेत और लहराते पेड़ भला किसे न अच्छे लगते। सुहेल के पापा का स्कूल गांव के बस अड्डे से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर था और वहां कोई तांगा-रिक्शा भी नहीं जाता था। पर सुहेल स्कूल देखने के चाव में आगे-आगे भागा चला जा रहा था। 'सुहेल धीरे चल बेटा, अटक कर गिर जाएगा।' पापा बारबार कहते।

'मैं नहीं गिरूंगा पापा।' सुहेल ने कहा ।

बातें करते हुए दोनों स्कूल पहुंच गए। झूले तो नहीं थे पर पेड़ बहुत सारे थे वहां। पेड़ों पर बैठे पक्षियों की आवाजों को सुनकर सुहेल वहां चला गया। अपनी जेब में से मूंगफली निकाली और एक तरफ बैठकर खाने लगा । उसे खाते देखकर एक गिलहरी पेड़ से नीचे उतरी और बोली...

'मुझे भी दे न'

'ले तू भी खा।' उसने दो-चार गिरियां फेंक दीं।

गिलहरी अपने छोटे व नुकीले दांतों से गिरियां खाने लगी । सुहेल एक गिरी अपने मुंह में डालता और दो तीन गिलहरी के आगे फेंक देता। वह पक्षियों से खेलने लगा। अचानक सारे पक्षी उड़ गए । गिलहरी झट से पेड़ पर चढ़ गई । सुहेल ने देखा एक बिल्ली दीवार पर से जा रही थी । पक्षियों के जाने के बाद सुहेल उदास हो गया।

'तू उदास मत हो, नन्हे दोस्त!' कही से एक आवाज आई।

'कौन है?' सुहेल ने डरते हुए पूछा।

'तू डर मत, मैं तेरे सामने ही हूं।' एक मुरझाए से गुलाब ने कमजोर सी आवा ा में कहा ।

'तू बीमार है !' सुहेल ने उसके पास जाकर कहा ।

'नहीं प्यास लगी है।' गुलाब एक तरफ लुढ़क गया।

'और बता क्या चाहिए?' सुहेल भागकर नल से पानी ले आया।

'शाबाश!' चैन की सांस लेते हुए गुलाब बोला ।

'कितने दिन से इस हाल में हो।' गुलाब पर पानी छिड़कते हुए सुहेल ने पूछा ।

'एक सप्ताह से।' गुलाब ने कहा।

' किसी ने पानी नहीं पिलाया।' सुहेल ने पूछा ।

'जब मैं खिला हुआ था, सब के मन को भाता था। अब मैं थोडा मुरझा गया तो ...।' बात करते करते गुलाब का मन भर आया ।

'तू चिंता मत कर, मैं और पानी लेकर आता हूं।' सुहेल फिर से गिलास लेकर नल की ओर गया।

'सुहेल रोटी खा ले बेटा।' पापा ने सुहेल को देखकर आवाज लगाई।

'नही पापा, मुझे भूख नहीं।' सुहेल पापा की ओर बिना देखे गुलाब की ओर चल पड़ा।

'यह पानी किसे देने जा रहा है और तेरे दूसरे हाथ में क्या है?' सुहेल के पापा ने उसके पास आते हुए कहा।

'पापा पौधों में पानी व खाद डालने जा रहा हूं।' सुहेल ने कहा।

'अच्छा ! तू पौधों में खाद डालने चला है।' पापा ने सुहेल के हाथ में गोबर देखकर कहा।

'तूने यह बहुत अच्छा काम किया है।' सुहेल को गुलाब की जड़ों में खाद डालते देखकर गिलहरी बोली।

'हां-हां यह भलाई का काम है।' साथ वाले फूलों पर मंडरा रही तितलियों ने गिलहरी की बात पर हामी भरी। सभी पक्षी और गिलहरियां पेड़ों से उतर कर सुहेल के साथ खेलने आ गईं और सुहेल भी खेलने मे व्यस्त हो गया। आज उसे भूख प्यास नहीं लगी थी। न जाने कब फूल-पक्षियों के साथ खेलते हुए तीन चार घंटे बीत गए, पता ही न चला।

'अरे वाह! गुलाब खिल गया।' तितली गुलाब पर मंडराती हुई तालियां बजा रही थी। 'यहां आ मेरे पास, तू मेरा सच्चा दोस्त है।' गुलाब बोला।

'हां, तू तो मेरा दोस्त है।' सुहेल गुलाब को सहलाते हुए बोला। 'जीता रह सुहेल! तूने हमारे साथी की जान बचाई है।' पेड़-पौधों ने कहा। सुहेल ने जाते वक्त गुलाब को देखा तो वह भी मुड़-मुड़ के सुहेल को देख रहा था।

जिज्ञासा

खतरे के लिए लाल बत्ती ही क्यों?

बच्चो, क्या आपको मालूम है, खतरे का संकेत देने के लिए लाल बत्ती का ही उपयोग क्यों किया जाता है? यह असल में टिंडल प्रभाव पर आधारित है। लाल रोशनी हवा में मौजूद कणकीय सामग्री द्वारा सबसे कम छितराई जाती है। इसलिए धूल, धुंध, बारिश आदि में भी लाल रोशनी अधिक आसानी से दिखाई देती है, और लोगों को खतरे की सूचना मिलती रहती है। इसी कारण से यातायात बत्तियों में भी रुकने के संकेत के लिए लाल बत्ती का उपयोग किया जाता है ताकि उसका उल्लंघन करने पर जब पुलिस कर्मी आपको घेरे, तो आप यह न कह सकें कि वह आपको दिखी ही नहीं! इसी तरह उषा काल में आकाश में गुलाल घुलता दिखाई देता है, यानी सूर्योदय या सूर्यास्त के समय आसमान लाल दिखाई देता है। होता यह है सूर्योदय या सूर्यास्त के समय प्रकाश हमारी आंखों तक हवा में अधिक लंबी दूरी तय करके आता है। इस यात्रा में उसका नीला अंश तो छितार दिया जाता है, जबकि लाल अंश आगे बढ़ता रहता है। इसलिए आसमान लाल दिखाई देता है।

कविता

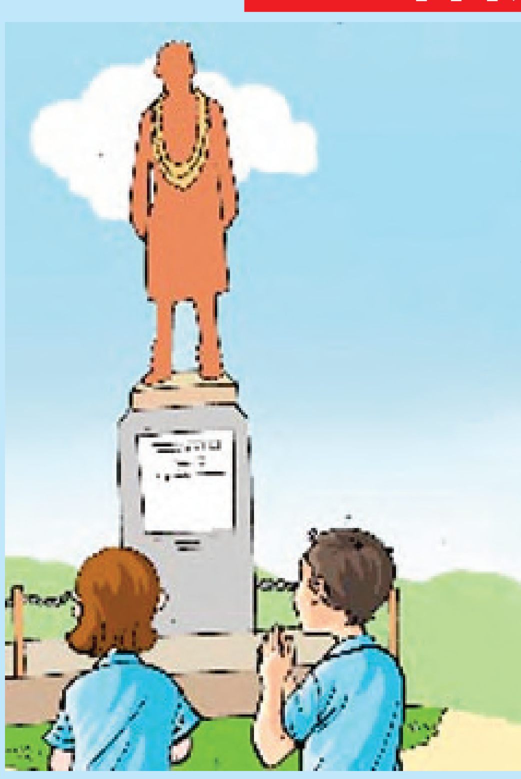

समय की बयार

उलटी चल रही है समय की बयार,
है शहीदों सा कोई आज पतवार ।

उनकी ही बदौलत मिली है आजादी,
हम हैं कि गुलाम बनने को तैयार।

हमने उन्हें बुत बनाकर छोड़ दिया,
साल में दो बार मारते पानी की बौछार।

गले में माला डाल लगाकर दो नारे,
दिखाते हैं हम नहीं, वे हमारे कर्जदार।

न सुख भोगा, ना जोड़ी माया,
कैसे कहते हैं नेता वे पहरेदार।

आओ जगाएं, खुद भी जागें,
क्या कहेंगे उनसे जो कल के भगत हैं
करतार।

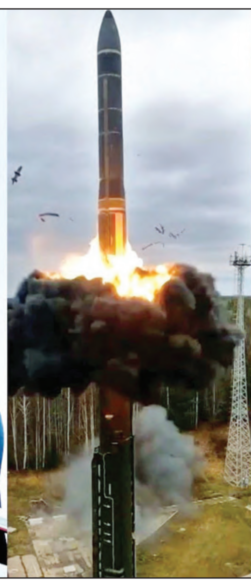
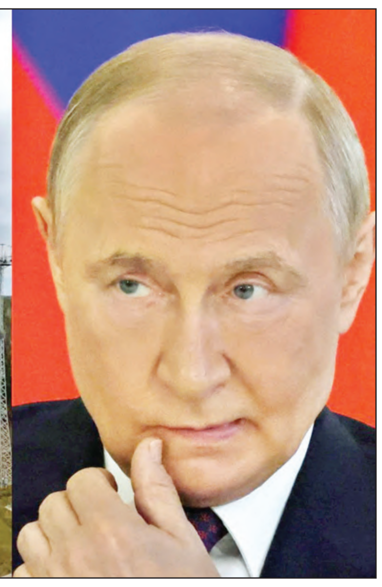

अब अमेरिका-रूस के बीच बढ़ा तनाव : ट्रंप ने कर ली है परमाणु युद्ध की तैयारी, पुतिन भी तैयार

वाशिंगटन,02 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ गया है। हालात जंग जैसे बताए जा रहे हैं वहीं यह भी माना जा रहा है कि दोनों देश अपनी तैयारियों में लगे हैं। हर तरह के हालातों से निपटने के लिए सेनाओं को अलर्ट किया गया है। दोनों देशों के बीच तनाव के पीछे कारण बताया जा रहा है कि रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव का वह बयान पसंद नहीं आया जिसमें उन्होंने परमाणु हथियारों का जिक्र किया था जो कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कतई पसंद नहीं आया। ट्रंप ने इसे धमकी के तौर पर लिया और अपनी दो पनडुब्बियों को रूस के नजदीक तैनात करने का आदेश जारी कर दिया। दोनों देशों के बीच अब संबंध काफी बिगड़ चुके हैं। ट्रंप ने अमेरिका को हर स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहने के लिए कहा है। वाइट हाउस और पेंटागन ने अभी तक ट्रंप की पनडुब्बी तैनाती पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। यह जानकारी सैन्य गोपनीयता के तहत आती है और परमाणु पनडुब्बियों की सटीक स्थिति और मिशन क्षेत्र को सार्वजनिक नहीं किया जाता। वहीं रूस ने कभी इस सिस्टम के अस्तित्व की औपचारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन पश्चिमी रणनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यह प्रणाली आखिरी हथियार के रूप में तब सक्रिय हो सकती है जब रूस का नेतृत्व किसी हमले में नष्ट हो जाए।

ट्रंप ने वाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हमें ऐसा करना पड़ा। हमें सतर्क रहना होगा। एक धमकी दी गई थी, जो हमें उपयुक्त नहीं लगी। इसलिए हमने यह कदम सिर्फ अपने लोगों की सुरक्षा के लिए उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, आपको बस ये देखना चाहिए कि मेदवेदेव ने क्या कहा। वो परमाणु की बात कर रहे थे। और जब आप परमाणु की बात करते हैं तो हमें तैयार रहना पड़ता है। हम पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले शुक्रवार को ट्रंप ने घोषणा की थी कि उन्होंने दो परमाणु पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों में भेजने का आदेश दिया है। यह आदेश मेदवेदेव के सोशल मीडिया पर दिए बयानों के जवाब में आया था। इस टकराव ने और तूल पकड़ लिया जब ट्रंप ने मेदवेदेव को फेल नेता बताया और उन्हें संयम से बोलने की चेतावनी दी। इसके जवाब में मेदवेदेव ने एक तीखा बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने ट्रंप के भारत और रूस की मरी हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले बयान पर तंज कसते हुए सोवियत युग के परमाणु जवाबी हमले की प्रणाली का जिक्र किया।

न्यूज ब्रीफ

बार में बैठे लोग शराब पी रहे थे तभी सनकी आया और कर दी फायरिंग, 4 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मोंटाना राज्य के एक छोटे से शहर अनाकोन्डा में बीती रात उस वक्त दहशत फैल गई जब एक बार में घुसे बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर 4 लोगों की जान ले ली। अभी तक हमलावर फरार है और उसके पास हथियार भी होने की आशंका है। पुलिस और स्पेशल टीमों ने इलाके को घेर रखा है और सर्च ऑपरेशन जारी है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि गोलीबारी किस वजह से हुई और बाकी घायलों की हालत कैसी है। ग्रेनाइट काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि संदिग्ध का घर स्वाट टीम ने खंगाल लिया है लेकिन वह अब तक पकड़ में नहीं आया है। ऐसे में खतरा टला नहीं है।पुलिस ने अभी पीड़ितों की पहचान और घटना की पृष्ठभूमि से जुड़ी कोई जानकारी साझा नहीं की है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका में बंदूक हिंसा को लेकर लगातार बहस चल रही है। स्थानीय लोग दहशत में हैं और शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

डेल्टा एयरलाइंस में टर्बुलेंस में मची अफरा-तफरी, 25 यात्री घायल कई गंभीर

न्यूयॉर्क। सॉल्ट लेक सिटी से एम्स्टर्डम जा रही डेल्टा एयरलाइंस की एक फ्लाइट में बुधवार रात टर्बुलेंस के कारण अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 25 यात्री घायल हो गए, जिनमें कई यात्रियों को गंभीर चोटें आईं। टर्बुलेंस इतना जोरदार था कि कई यात्री अपनी सीटों से उछलकर विमान की छत से टकराए और फिर जमीन पर गिर पड़े। घटना के बाद फ्लाइट को आपात स्थिति में मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। राहत और बचाव दलों ने घायल यात्रियों को अस्पतालों में भर्ती कराया। उड़ान के दौरान वायुमंडलीय विक्षोभ के कारण गंभीर चोटें लगना दुर्लभ मामला है, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण 'जेट स्ट्रीम' में परिवर्तन होने के कारण इस तरह की घटनाएं आम हो सकती हैं। एयरबस ए-330-900 को बुधवार शाम करीब 7:45 बजे उतारा गया। हवाई अड्डे के अग्निशमन विभाग और चिकित्साकर्मियों ने विमान का मुआयना किया। एक यात्री ने बताया कि जिन लोगों ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी, वे केबिन में इधर-उधर टकराए। कई 'कार्ट' भी छत से टकराकर जमीन पर गिर गईं और लोग घायल हो गए। ऐसा कई बार हुआ, इसलिए यह वाकई डरावना था। डेल्टा ने बयान जारी कर कहा कि हम सभी आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं के सहयोग के लिए आभारी हैं। बता दें मई 2024 में सिंगापुर एयरलाइन की एक उड़ान के वायुमंडलीय विक्षोभ की चपेट में आ जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। यह कई दशकों में किसी प्रमुख एयरलाइन के विमान के विक्षोभ की चपेट में आने के कारण किसी व्यक्ति के मरने का पहला मामला था।

बुरे फंसे ट्रंपः मंदी के डर से फेड चीफ पर निकाला गुस्सा, बता दिया जिद्दी-मूर्ख

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल को अपने गुस्से

का निशाना बनाया है। इस बार उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें जिद्दी-मूर्ख कहते हुए चेतावनी दी कि अगर उन्होंने ब्याज दरों में कटौती नहीं की, तो फेड बोर्ड को खुद नियंत्रण संभाल लेना चाहिए। दरअसल, फेडरल रिजर्व ने लगातार पांचवीं बार ब्याज दरों को स्थिर रखा है। वर्तमान में यह दरें 4.25 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत के बीच बनी हुई हैं। जबकि ट्रंप का मानना है कि इन्हें घटाकर 1 प्रतिशत या उससे कम कर देना चाहिए, ताकि उधारी सस्ती हो और बाज़ार को रफ्तार मिले। ट्रंप के मुताबिक, पॉवेल की गलत नीतियों से अमेरिका को खरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं, उन्होंने फेड की इमारतों के नवीनीकरण को भी इतिहास का सबसे अक्षम और भ्रष्ट निर्माण कह दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि 'जेरोम 'टू लेट' पॉवेल, एक जिद्दी मूर्ख हैं और अब उन्हें तुरंत ब्याज दरें घटानी चाहिए। अगर वो इनकार करते हैं, तो बोर्ड को नियंत्रण लेना चाहिए और वह करना चाहिए जो जरूरी है। ये पहली बार नहीं है जब ट्रंप पॉवेल पर गुस्सा हुए हैं। गुरुवार को भी उन्होंने उन्हें 'बेहद राजनीतिक', 'गुस्सैल', 'मूर्ख' और 'देश के लिए भारी नुकसानदेह' बताया। जेरोम पॉवेल ने ट्रंप की आलोचनाओं पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि 'ब्याज दरों को लेकर निर्णय बाजार की स्थिरता और वैश्विक जोखिमों को देखकर लिया जाएगा।

भारत के सहयोग से नेपाल में पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार का काम हुआ शुरू

काठमांडू,02 अगस्त (एजेंसियां) ।

नेपाल और भारत के बीच हुए समझौते के तहत भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार के दूसरे चरण का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। भारत के बिहार राज्य के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पहले बनाए जा चुके पेट्रोलियम पाइपलाइन के काम को अब चितवन जिला के लोथर तक विस्तार किया जा रहा है। ईंधन की सहज आपूर्ति और ट्रांसपोर्टेशन के खर्चे में भारी कटौती लाने के लिए भारत सरकार की तरफ से नेपाल में अंतर्देशीय पाइपलाइन का निर्माण किया गया है।

पाइपलाइन के विस्तार के साथ-साथ तीन महीने की भंडारण वाले एक पेट्रोलियम भंडारण सुविधा का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पेट्रोलियम डिपो लोथर में बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन (एनओसी) ने पाइपलाइन विस्तार की औपचारिक शुरुआत को चिह्नित करते हुए शुक्रवार को लोथर में परियोजना के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। लोथर के राप्ती नगरपालिका-1 में लगभग 23 बीघा और 12 कट्ठा पर अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड टर्मिनल का निर्माण किया जाएगा।

एनओसी के अनुसार, पेट्रोलियम उत्पादों को सीधे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मोतिहारी डिपो से लोथर तक ईंधन भेजा जाएगा। इस समय भारत की तरफ से बिहार के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक पेट्रोल और डीजल भेजा जा रहा है। इस पाइपलाइन के विस्तार के लिए अमलेखगंज और लोथर के बीच 62 किलोमीटर के खंड पर 10.75 इंच की पाइपलाइन बिछाए जाने का कार्य शनिवार से शुरू किया गया है।

इस परियोजना के प्रमुख इंजीनियर प्रदीप कुमार यादव ने कहा कि पाइपलाइन के विस्तार के लिए सभी आवश्यक प्रक्रिया को पूरा कर इसके निर्माण का काम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को तीन साल के भीतर पूरा कर संचालित करने की योजना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाइपलाइन पर्यावरणीय प्रभाव को कम करेगा, ईंधन की चोरी को कम करेगा और मिलावट को रोकेगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यह परियोजना स्थानीय लोगों के साथ समन्वय करेगी, जिससे रोजगार और अन्य अवसर उपलब्ध होंगे। सहायक प्रबंधक अनुपम पराजुली ने बताया कि पाइपलाइन 273 किलोलीटर प्रति घंटे की दर से पेट्रोलियम की आपूर्ति करेगी। यह पाइपलाइन पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के समानांतर चलेगी और इसके सालाना 20 लाख टन तक ईंधन के परिवहन की उम्मीद है। इस परियोजना में लोथर में 160 वर्ग मीटर के भूखंड पर एक पाइपलाइन स्टेशन का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, पेट्रोल भंडारण के लिए 11,000 किलोमीटर की क्षमता वाले तीन वर्टिकल टैंक बनाए जाएंगे। इसी तरह 15,500 किलोलिटर की संयुक्त क्षमता वाले तीन और टैंक डीजल का भंडारण का निर्माण और 800 किलोमीटर क्षमता वाले दो टैंकों का निर्माण मिट्टी के तेल के भंडारण के लिए किया जाएगा।

रोजाना लाई डिटेक्टर टेस्ट से गुजरना पडता था एक पति को

वाशिंगटन। कुछ मामलों में पति-पत्नी के बीच शक और ईर्ष्या की भावना इतनी हावी हो जाती है कि इंसान का व्यवहार नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसा ही ताजा मामला है महिला डेबी वुड का। इस महिला को दुनिया की सबसे ईर्ष्यालु महिला कहा गया। उन्होंने अपने पति स्टीव पर इस कदर नियंत्रण रखा कि उन्हें हर बार घर लौटने पर लाई डिटेक्टर टेस्ट यानी झूठ पकड़ने वाली मशीन से गुजरना पड़ता था। इस विचित्र स्थिति की शुरुआत तब हुई जब एक दिन स्टीव ने मजाक में कहा कि वह लाई डिटेक्टर टेस्ट देने को तैयार हैं, ताकि साबित कर सकें कि वह कुछ गलत नहीं करते। लेकिन डेबी ने इसे मजाक नहीं माना, बल्कि गंभीरता से लेते हुए खुद लाई डिटेक्टर मशीन खरीद ली। फिर यह सिलसिला रोज़मर्रा का हिस्सा बन गया। शुरुआत में दोनों अलग-अलग शहरों में रहते थे, जिससे डेबी को असुरक्षा महसूस होती थी। उन्हें डर था कि स्टीव किसी और में दिलचस्पी न लेने लगें। पुराने अनुभवों के कारण डेबी को किसी पर भरोसा करना मुश्किल हो गया था। उन्होंने स्टीव के फोन रिकॉर्ड, बैंक स्टेटमेंट और बाकी निजी चीजें तक चेक करना शुरू कर दिया।

गहरी नींद में सो रहे थे तभी अचानक हिलने लगा पलंग, लोग डरकर भागे

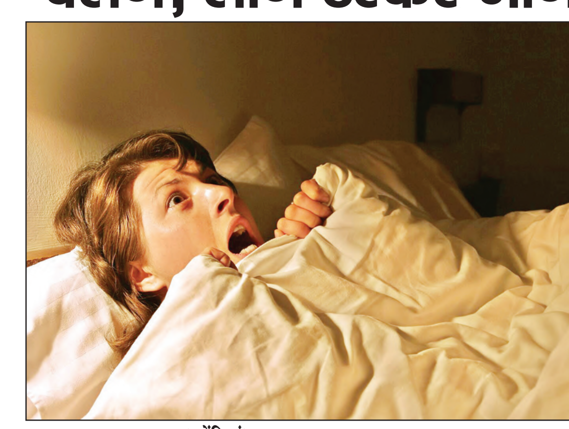

काबुल,02 अगस्त (एजेंसियां) ।

आधी रात के बाद जब लोग गहरी नींद में थे, तभी मकान से लेकर बेड तक में कंपन महसूस की गई। भूकंप आने का पता चलते ही चीखपुकार मच गई और लोग घरों से बाहर भागने लगे। दरअसल, अफगानिस्तान में भारतीय समय के अनुसार 2:33 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.5 मापी गई। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही रूस में 8.8 की तीव्रता वाला भूकंप आया था। इसके चलते रूस समेत कई देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी।

अफगानिस्तान में शनिवार को आधी रात के बाद रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से 87 किलोमीटर की गहराई में था। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भूकंप के झटके राजधानी काबुल समेत कई इलाकों में महसूस किए गए। एनसीएस के अनुसार, बीते एक हफ्ते में अफगानिस्तान में चार बार भूकंप दर्ज किए गए हैं, जिससे क्षेत्र की भूकंपीय सक्रियता पर चिंता जताई जा रही है।

अफगानिस्तान में पिछले कुछ दिनों में चार बार भूकंप के झटके लग चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि इस देश में अक्सर ही भूकंप के झटके क्यों लगते रहते हैं। रेड क्रॉस की मानें तो अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंपों का इतिहास रहा है। हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जहां हर साल भूकंप आते हैं। अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच कई फॉल्ट लाइनों पर स्थित है, जिसमें एक फॉल्ट लाइन सीधे हेरात से भी गुजरती है।

इंडोनेशिया में फुड एंड फैशन वीक

इंडोनेशिया में फुड एंड फैशन वीक में आकर्षक परिधानों को पेश करते हुए बच्चे ।

म्यांमार में अचानक हुए बदलाव और अमेरिका की भूमिका पर खड़े हो रहे है अब सवाल

नेप्यूडेव,02 अगस्त (एजेंसियां) ।

म्यांमार में चार साल के आपातकाल के अचानक खत्म होने, सेना द्वारा अंतरिम सरकार के गठन और चुनाव की तैयारी शुरू होने से सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इसके पीछे अमेरिका का हाथ है, या यह सिर्फ एक इत्तेफाक है। यह शक इसलिए भी गहराता है क्योंकि कुछ हफ्ते पहले म्यांमार के सेना प्रमुख मिन आंग हलैंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खुलेआम तारीफ की थी। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने म्यांमार जुंटा के कुछ करीबियों पर लगे प्रतिबंध हटा लिए। इसके बाद सेना ने अचानक चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, जापान जैसे देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई के बिना चुनाव की योजना बन रही है, जिससे लोकतंत्र की वापसी पर सवालिया निशान लगता है।

दरअसल 2021 में आंग सान सू की की लोकतांत्रिक सरकार को सेना ने हटा दिया था, जिसके बाद देश में गृहयुद्ध और दमन का दौर शुरू हुआ। अब सेना ने एक नई संघीय सरकार बनाई है, चुनाव आयोग का गठन हुआ है, और खुद सेना प्रमुख ही कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। यह सिर्फ नाम बदलने जैसा लगता है, क्योंकि सत्ता की बागडोर अभी भी उन्हीं हाथों में है जिन्होंने लोकतंत्र को कुचला था। यह भी एक इत्तेफाक है कि जिस हफ्ते ट्रंप प्रशासन ने म्यांमार के खिलाफ 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी, उसी हफ्ते हलैंग ने ट्रंप की देशभक्ति और नेतृत्व की सराहना करते हुए एक पत्र लिखा। इस तारीफ के बदले उन्हें तोहफा भी मिला, क्योंकि अमेरिका ने सेना से जुड़े 5 कारोबारी और कंपनियों से प्रतिबंध हटा दिए।

भले ही अमेरिकी प्रशासन साधारण प्रक्रिया बता रहा हो, लेकिन टाइमिंग पर सवाल उठ रहे है। इसके अलावा, अमेरिका की नजर म्यांमार के रेयर अर्थ मिनरल्स पर भी है, जिनका इस्तेमाल हाई-टेक उपकरणों में होता है। अभी तक इन खनिजों पर चीन का दबदबा रहा है, लेकिन हाल ही में रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन इस सप्लाई चेन को हासिल करना चाहता है।

भारत को बलूचों ने दिया न्यौता कहा- बलूचिस्तान की धरती के अंदर खजाना ही खजाना

क्वेटा ,02 अगस्त (एजेंसियां) ।

मीर यार बलूच ने अपने पत्र में लिखा, 'दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और मध्य एशिया के ट्राई-जंक्शन पर स्थित बलूचिस्तान, दुनिया के सबसे भू-राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। अरब सागर के किनारे 1,000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी तटरेखा और प्रमुख समुद्री निर्बाध व्यापार मार्गों से निकटता के कारण, यह मध्य एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व का एक स्वाभाविक प्रवेश द्वार है।

बलूच मानवाधिकार प्रमुख कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने भारत की सार्वजनिक और सरकारी क्षेत्र की कंपनियों को पत्र लिखकर बलूचिस्तान की 'विशाल क्षमता' को उजागर करने के लिए भारतीय भागीदारी का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते लोकतंत्र और प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में भारत, बलूचिस्तान का सबसे स्वाभाविक और विश्वसनीय विकास साझेदार है। मीर यार बलूच के इस कदम से पाकिस्तान की शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिर्ची लगनी तय है।

मीर यार बलूच ने कहा कि अन्य उद्योगों में रक्षा और हथियार उद्योग (5000 रोजगार), मिसाइल, टैंक, राइफल, बख्तरबंद वाहन, रेलवे और ट्रेन निर्माण (20,500 रोजगार), ट्रेन, मेट्रो कोच, लोकोमोटिव, वंदे भारत एक्सप्रेस और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग (20,000 रोजगार), इलेक्ट्रिक कार, बाइक, बस, बैटरी, अंतरिक्ष और उपग्रह उद्योग (2000 नौकरियां), उपग्रह, प्रक्षेपण यान, अंतरिक्ष अनुसंधान प्रणालियां, भारी इंजीनियरिंग और मशीनरी (4000 नौकरियां), निर्माण मशीनरी, रक्षा हार्डवेयर, ऊर्जा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और एवियोनिक्स (2500 नौकरियां), रडार सिस्टम, एवियोनिक्स, नाइट विजन, संचार उपकरण, सेमीकंडक्टर और बैटरी निर्माण (1000 नौकरियां), ईवी बैटरी, औद्योगिक बैटरी, सेमीकंडक्टर घटक, जहाज निर्माण और नौसेना उपकरण (8000 नौकरियां), युद्धपोत, पनडुब्बी, गश्ती नौकाएं, खनिज और दुर्लभ पृथ्वी अन्वेषण (10,000 नौकरियां), तांबा, लिथियम, आरईई खनन, तेल और गैस क्षेत्र (20,000 नौकरियां), ड्रिलिंग, शोधन और वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा (60,000 नौकरियां), सौर, पवन और ग्रिड विकास क्षेत्र में रोजगार के अवसर हैं। मीर ने जोर देकर कहा कि बलूचिस्तान भारत को व्यापार के अलावा रणनीतिक गहराई, ऊर्जा सुरक्षा और शांति सहित और भी बहुत कुछ प्रदान करता है।

बलूच कार्यकर्ता ने आगे लिखा, 'क्षेत्र की ऊबड़-खाबड़ जमीन के नीचे खजाना छिपा है। खरबों डॉलर मूल्य के दुर्लभ खनिज, सोना, तांबा, तेल, कोयला, लिथियम और प्राकृतिक गैस। इस अपार संपदा के बावजूद दशकों के शोषण और कब्जे ने इस क्षेत्र को अविकसित बना दिया है। एक स्वतंत्र और संप्रभु बलूचिस्तान गणराज्य रणनीतिक साझेदारियों द्वारा संचालित आर्थिक परिवर्तन और समावेशी विकास की कल्पना करता है।' मीर ने जोर देकर कहा कि भारत के कुशल कार्यबल के पास एक नए राष्ट्र के निर्माण में भाग लेने का एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान का दीर्घकालिक विकास खाका 30 उच्च-प्रभाव वाले उद्योगों में भारतीय पेशेवरों के लिए दस लाख से ज्यादा रोजगार प्रदान करता है।

केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने 38वीं राष्ट्रीय अंडर 11 शतरंज चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

जलगांव,02 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के जलगांव के खूबसूरत अनुभवती मंडप में शनिवार को 38वीं राष्ट्रीय अंडर-11 शतरंज चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का उद्घाटन केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने किया। यह आयोजन देश के उभरते शतरंज सितारों की पहचान और प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है। यह टूर्नामेंट भारत की युवा शतरंज प्रतिभा की ताकत को उजागर करता है, जिसकी मिसाल हाल ही में दिव्या देशमुख की फिडे वुमेन्स वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत भी है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से 550 से अधिक बाल खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें लगभग 400 खिलाड़ियों के पास अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की आधिकारिक रेटिंग है— जो इस आयोजन की उत्कृष्टता को दर्शाता है। अंडमान-निकोबार, आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागी जलगांव पहुंचे हैं। 11 राउंड की स्विस लीग प्रणाली के तहत आयोजित हो रही यह चैंपियनशिप खिलाड़ियों को अपने फिडे रेटिंग पॉइंट्स अर्जित करने और सुधारने का बड़ा अवसर प्रदान कर रही है। इस प्रतियोगिता में पुणे के अद्विक अग्रवाल (रेटिंग 2251) और केरल की देवी बिजेश (रेटिंग 1869) जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिससे इसका स्तर और बढ़ गया है। इस आयोजन को जैन स्पोर्ट्स अकादमी, जलगांव जिला शतरंज संघ, महाराष्ट्र शतरंज संघ और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया है, जिसमें जैन इरिगेशन मुख्य प्रायोजक है। प्रतियोगिता में कुल 8 लाख रुपये की पुरस्कार राशि घोषित की गई है, जिसमें विजेताओं और उपविजेताओं के अलावा उत्कृष्ट ड्रॉ और सराहनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि खेलों में कम उम्र में मिले अवसर बच्चों के सर्वांगीण विकास की नींव रखते हैं। उन्होंने खेलो भारत नीति 2025 और खेलो इंडिया जैसे सरकारी कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए बताया कि सरकार का लक्ष्य जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

उन्होंने शतरंज को एक ऐसा खेल बताया जो अनुशासन, मानसिक संतुलन और बुद्धिमत्ता को विकसित करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

न्यूज़ ब्रीफ

मकाऊ ओपन बैडमिंटन : सेमीफाइनल में हारे लक्ष्य सेन और तरुण मन्नेपल्ली भारत का अभियान समाप्त

मकाऊ। मकाऊ ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत का अभियान शनिवार को समाप्त हो गया, जब पुरुष एकल वर्ग में भारत के दो प्रमुख खिलाड़ी लक्ष्य सेन और तरुण मन्नेपल्ली सेमीफाइनल में हार गए। दूसरे वरीय लक्ष्य सेन को इंडोनेशिया के पांचवें वरीय अल्वी फारहान ने महज 39 मिनट में 21-16, 21-9 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, तरुण मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह ने कड़ी टक्कर देते हुए 19-21, 21-16, 21-16 से हराया। यह मुकाबला एक घंटा और 21 मिनट तक चला। गौरतलब है कि इस सीजन में पहली बार दोनों भारतीय खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। खासकर 23 वर्षीय तरुण के लिए यह अब तक का करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज लक्ष्य सेन के लिए यह सीजन खास नहीं रहा है। उन्हें इस साल सात बार पहले दौर और दो बार दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा है। कंधे, पीठ और टखने की चोटों ने भी उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया है। दूसरी ओर, विश्व जूनियर चैंपियन (2023) और सुदीरमन कप में कांस्य पदक जीतने वाली इंडोनेशियाई टीम के सदस्य अल्वी फारहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरी तरह से दबदबा बनाया और लक्ष्य को बाहर कर दिया। तरुण ने पहले गेम में 11-6 की बढ़त हासिल की थी, लेकिन कुछ अनफोर्स्ड एरर की वजह से मलेशियाई खिलाड़ी मुकाबले में बने रहे और स्कोर 18-18 पर ला दिया। हालांकि, तरुण ने संयम बनाए रखते हुए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में मुकाबला कांटे का रहा, लेकिन जस्टिन होह ने 17-16 से बढ़त बनाने के बाद लगातार चार अंक जीतकर मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया। तीसरे गेम में तरुण हवा की दिशा को लेकर तालमेल नहीं बिठा सके और 9-9 की बराबरी के बाद लगातार सात अंक गंवा बैठे।

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025: मैग्नस कार्लसन ने अलीरेजा फिरौजा को हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली। मैग्नस कार्लसन ने शुक्रवार को रियाद में ईस्पोर्ट्स विश्व कप में शतरंज स्पर्धा के फाइनल में

अलीरेजा फिरोजा को हराकर अपने खाते में एक और ट्रॉफी जोड़ ली। कार्लसन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को चार जीत, दो ड्रॉ और एक हार के कुल स्कोर से धूल चटा दी। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने शुरुआती सेट में शानदार प्रदर्शन किया, एक जीत और दो ड्रॉ जीतकर स्कोर 3-1 कर दिया और अपनी बढ़त मज़बूत कर ली। दूसरे सेट में जाने से पहले, फ़िरोज़ा के पलटवार के कारण कार्लसन 50 चालों के बाद अपना रूक ग़लती से खेल बैठे, जिससे फ़िरोज़ा को सीरीज़ की एकमात्र जीत मिली। कार्लसन ने दूसरे गेम में वापसी की और अपने सोचे-समझे खेल से फ़िरोज़ा को कड़ी टक्कर दी। फ़िरोज़ा दबाव में दिख रहे थे, और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में ज़्यादा समय बर्बाद किया। तीसरे गेम में फ़िरोज़ा की एक गलती ने सीरीज़ को 2-1 कर दिया, और कार्लसन मैच पॉइंट पर थे। इसके बाद, फ़िरोज़ा की कमज़ोर शुरुआत का कार्लसन ने फायदा उठाया और अंततः फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर को सिर्फ़ दो सेटों में हरा दिया।

पूर्व ब्राज़ीली डिफेंडर डेविड लुइज़ ने फोर्टालेज़ा क्लब छोड़ा

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेविड लुइज़ ने ब्राज़ीलियन सेरी-ए क्लब फोर्टालेज़ा से

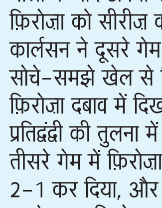

नाता तोड़ लिया है। क्लब के साथ उनका अनुबंध केवल सात महीने ही चला और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त कर दिया गया। 38 वर्षीय डेविड लुइज़ ने शुक्रवार को अपने साथियों और क्लब स्टाफ से विदाई ली। ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, वह अब साइप्रस के शीर्ष क्लब पाफोस एफसी के साथ तीन साल के अनुबंध के लिए सिद्धांततः सहमत हो गए हैं। लुइज़ ने जनवरी में फोर्टालेज़ा में फ्री ट्रांसफर के ज़रिए शामिल होने के बाद से सभी प्रतियोगिताओं में केवल 16 मैच खेले थे। उनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक था, जिसमें 12 महीने के विस्तार का विकल्प भी शामिल था। डेविड लुइज़ को ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के लिए 57 मैच खेला है। उनके करियर में बेनफिका, चेल्सी, पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल और फ्लेमेंगो जैसे दिग्गज क्लबों के साथ खेलने का अनुभव रहा है।

तीन दिन में निपटा मुकाबला : मिशेल सैंटनर की घातक गेंदबाज़ी से न्यूजीलैंड ने ज़िम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया

बुलावायो,02 अगस्त (एजेंसियां)।

मैट हेनरी, विलियम ओ'रूर्क और मिशेल सैंटनर की शानदार गेंदबाज़ी की बदौलत न्यूजीलैंड ने ज़िम्बाब्वे को पहले टेस्ट के तीसरे दिन ही 9 विकेट से हराकर दो मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली है। सैंटनर ने दूसरी पारी में 4 विकेट चटकाए, जबकि हेनरी और ओ'रूर्क को तीन-तीन सफलता मिली। ज़िम्बाब्वे की दूसरी पारी 165 पर सिमटी, जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए सिर्फ 8 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 2.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिन की शुरुआत ज़िम्बाब्वे ने 31/2 से की, लेकिन जल्द ही निक वेल्च और विंसेंट मासेकेसा पवेलियन लौट गए। ओ'रूर्क ने वेल्च को विकेट के पीछे कैच कराया, फिर एक तेज़ बाउंसर पर मासेकेसा को शॉर्ट लेग पर कैच आउट कराया। बाद अनुभवी सीन विलियम्स और कप्तान क्रेग एरविन ने पारी को संभालते हुए नौ चौकों की मदद से अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन लंच से पहले दोनों सेट बल्लेबाज़ जल्दी-जल्दी आउट हो गए। विलियम्स 49 रन पर सैंटनर की गेंद पर लेग साइड में कैच हुए, जबकि हेनरी की बाहर जाती गेंद पर एरविन आउट हो गए। लंच तक ज़िम्बाब्वे का स्कोर 114/6 था। दूसरे सत्र में हेनरी की गेंद पर सिकंदर रज़ा पुल शॉट खेलते हुए कैच दे बैठे। फिर सैंटनर ने न्यामुरी को बोल्ड किया और ज़िम्बाब्वे 126/8 पर पहुंच गया। इसके बाद त्सीगा और मुज़राबानी ने संघर्षपूर्ण साझेदारी की और कुछ मौकों पर न्यूजीलैंड ने कैच टपकाकर उन्हें राहत दी। लेकिन सैंटनर ने पहले मुज़राबानी (19) और फिर त्सीगा (27) को आउट कर चार विकेट पूरे किए। टी ब्रेक तक ज़िम्बाब्वे की पारी सिमट चुकी थी और न्यूजीलैंड को जीत के लिए केवल 8 रन चाहिए थे। हालांकि डेवोन कॉनवे (88) एक चौका लगाने के बाद न्यामुरी की गेंद पर बोल्ड हो गए, लेकिन हेनरी निकोल्स (4*) ने चौका जड़कर टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त स्कोर:

ज़िम्बाब्वे: 149 (क्रेग एरविन 39, तफ़ाद्ज़वा त्सीगा 30; मैट हेनरी 6/39, नाथन स्मिथ 3/20) और 165 (सीन विलियम्स 49; मिशेल सैंटनर 4/27, विलियम ओ'रूर्क 3/28, मैट हेनरी 3/51)।

न्यूज़ीलैंड: 307 (डेवोन कॉनवे 88, डेरिल मिचेल 80; ब्लेसिंग मुज़राबानी 3/73) और 8/1 (हेनरी निकोल्स 4*)।

भारत और इंग्लैंड मैच देखते नजर आये ललित मोदी और विजय माल्या पर भड़के लोग

ओवल। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच जारी अंतिम टेस्ट मैच में आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मालिक रहे विजय माल्या को बैठे देखकर सभी हैरान हो गये। ये दोनो ही भारत में करोड़ों के घोटाले के बाद भाग गये थे। ऐसे में मैच में इनकी मौजूदगी से विवाद पैदा हो गया। ललित मोदी ने सोशल मीडिया मे कुछ तस्वीरे जारी की थीं जिसमें वह विजय माल्या के साथ बैठे नजर आ रहे थे। इनके साथ ही वेस्टंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल और भारत के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर भी दिखे। इन तस्वीरों के सामने आते ही लोगों में नाराजगी फैल गयी। आपत्ति उठा रहे लोगों का कहना है कि भारत से घोटाला कर भागे ये लोग किस प्रकार आराम से मैच देख रहे थे। इससे पहले जुलाई में भी ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह और माल्या फ्रैंक एक गाना गाते नजर आए थे। यह वीडियो ललित के लंदन स्थित घर पर हुए एक कार्यक्रम का था। ललित मोदी ने ही साल 2008 में आईपीएल शुरु की थी पर वह साल 2010 वित्तीय गड़बड़ियों और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों के बाद देश छोड़कर भाग गये थे। वहीं कारोबारी विजय माल्या यूनाइटेड ब्रेवरीज के पूर्व चेयरमैन रहे थे। अपनी किंगफिशर एयरलाइंस के डूब जाने के बाद वह देश छोड़कर भाग गये थे।

ओवल टेस्ट

भारत ने इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट दिया, जायसवाल का शानदार शतक

द ओवल, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत ने ओवल टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रन का लक्ष्य दिया है। शनिवार के आखिरी सेशन में इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 42 रन बना लिए, जिसमें जैक क्रॉली और बेन डकेट नाबाद रहे।

भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 396 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। यशस्वी जायसवाल ने शानदार 118 रन की पारी खेली, जिसमें उनकी शतकीय पारी ने टीम को मजबूती प्रदान की। वॉशिंगटन सुंदर ने 53 रन (4 चौके, 6 छक्के) बनाए, जबकि आकाश दीप ने 66 और रवींद्र जडेजा ने 53 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने 5 विकेट लिए, जबकि गस एटकिंसन और जिमी ओवर्टन ने क्रमशः 3 और 2 विकेट हासिल किए।

पहली पारी में इंग्लैंड ने 247 रन बनाए थे, जिससे उन्हें भारत की पहली पारी के 224 रन के स्कोर के मुकाबले 23 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में भारत ने इस बढ़त को पीछे छोड़ते हुए मजबूत स्थिति बनाई।

खास बात यह है कि आकाश दीप 2011 के बाद पहले भारतीय नाइट वॉचमैन बने, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ द ओवल मैदान पर 50 से अधिक रन बनाए। इससे पहले अमित मिश्रा ने 2011 में 84 रन बनाए थे, जो इस मैदान पर उल्लेखनीय प्रदर्शन था।

यूएसए टीएफ आउटडोर चैम्पयनशिप में मैलीसी और कैनी

यूएसए टीएफ आउटडोर चैम्पयनशिप में मैलीसी जैफरसन और कैनी बेडनराक तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

नेशनल बैंक ओपन : जेसिका हारी स्वियातेक और सेवास्तोवा जीती

मांट्रियल,02 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की जेसिका पेगुला जेसिका पेगुला नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में हार के साथ ही बाहर हो गयी। दो बार की विजेता जेसिका को तीसरे दौर के मुकाबले में लाटीविया की अनास्तासिया सेवास्तोवा ने 6-3, 4-6, 1-6 से हराया। सेवास्तोवा का मुकाबला अब जापान की नाओमी ओसाका से होगा, ओसाका ने एक अन्य मुकाबलें लाटविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-4 से हराया था।.

वहीं अन्य मुकाबलों की बात करें तो पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। स्वियातेक का मुकाबला अब डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा, टाउसन ने एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से हराया था। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने इंग्लैंड की एम्मा राडूकानू को 6-2, 6-1 से पराजित किया। अब अमांडा का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-1, 6-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग के एकल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने कनाडा के लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह

बनायी फ्रिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा। एक अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से हराया। अब वह इटली के 13वीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली से खेलेंगे। रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 को जीतने उतरेगी वेस्टइंडीज

फ्लोरिडा,02 अगस्त (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज की टीम पाक के खिलाफ यहां दूसरे टी20 मैच को हर हाल में जीतने उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज की टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। इस मुकाबले में जहां पाक टीम को बल्लेबाजी में सईम अयूब, फखर जमान, हसन नवाज और कप्तान सलमान आगा वहीं गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ और फहीम अशरफ से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम कप्तान शाई होप के अलावा शेरफेन रदफोर्ड, जेसन होल्डर, शमर जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स और ज्वेल एंड्रयू के भरोसे रहेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक का पलड़ा भारी दिखता है। दोनो ही टीमों के बीच साल 2011 से लेकर अब

तक 22 टी20 मैच खेले गये हैं। जिसमें 16 मैच पाकिस्तान ने जीते हैं और केवल तीन मुकाबले ही वेस्टइंडीज जीती है। तीन मुकाबलों में कोई परिणाम नहीं आये। पाक ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 14 रनों से हराया था। पाक टीम ने पहल मैच में छह विकेट पर 178 रन बनाये थे जिसके जवाव में वेस्टइडीज की टीम 164 रन ही बना पायी। ऐसे में सीरीज बराबर करने के लिए वेस्टइंडीज को ये मैच हर हाल में जीतना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाक : सलमान आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अय्यूब, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

वेस्टइंडीज: शाई होप (विकेटकीपर कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज, जेदिया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025: अर्जुन एरिगैसी तीसरे स्थान की प्लेऑफ में नाकाम, नाकामुरा से रोमांचक मुकाबले में मिली हार

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को शुक्रवार को रियाद में आयोजित ई स्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2025 की शतरंज स्पर्धा के तीसरे स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में अमेरिका के दिग्गज हिकारु नाकामुरा के हाथों 2.5-3.5 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंतिम छठे गेम में जाकर तय हुआ। दोनों ग्रैंडमास्टर्स लंबे समय तक बराबरी पर चल रहे थे, लेकिन निर्णायक गेम में काले मोहरों से खेलते हुए एरिगैसी एंडगेम में चूक गए। समय की कमी में उन्होंने लगातार गलतियां कीं, जिसका फायदा उठाकर नाकामुरा ने जीत दर्ज की और तीसरा स्थान अपने नाम किया। एरिगैसी ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज़ में की थी। उन्होंने पहले गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की और दूसरा गेम ड्रॉ कराया। लेकिन नाकामुरा ने जोरदार वापसी करते हुए तीसरे और चौथे गेम में जीत हासिल कर बढ़त बना ली। हालांकि, पांचवें गेम में एरिगैसी ने जबरदस्त वापसी कर स्कोर 2.5-2.5 से बराबर कर दिया, लेकिन अंतिम गेम में चूक की वजह से वह तीसरा स्थान गंवा बैठे।

विशाखापट्टनम बंदरगाह विश्व के टॉप 20 बंदरगाहों में शामिल : एन. श्रीधर

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 90 मिलियन टन माल ढुलाई का लक्ष्य

हैदराबाद, 2 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विशाखापट्टनम बंदरगाह (वीपीटी) ने अपनी रणनीतिक आधुनिकीकरण और अवसंरचना उन्नयन के चलते विश्व के शीर्ष 20 बंदरगाहों में अपनी जगह बनाई है। यह जानकारी एन. श्रीधर (आईआरएस, प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ कस्टम्स, विशाखापट्टनम पोर्ट अथॉरिटी (वीपीए) ने शुक्रवार को हैदराबाद में एक ट्रेड मीट में दी।

श्री श्रीधर ने होटल मेरीगोल्ड में आयोजित इस ट्रेड मीट में कहा कि सुधारम टर्नअराउंड टाइम, यांत्रीकृत संचालन और रीयल-टाइम माल ट्रैकिंग के कारण, विशाखापट्टनम बंदरगाह अब भारत के सबसे तेज़ बंदरगाहों में से एक बन गया है। यह आयोजन तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें 200 से अधिक निर्यातक और आयातक भाग ले रहे थे। बंदरगाह के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में 27.5 मूव्स प्रति क्रेन घंटा, केवल 21.4 घंटे का टर्नअराउंड टाइम, और न्यूनतम बेथ आईडल टाइम शामिल हैं। इन मेट्रिक्स से पता चलता है कि बंदरगाह कंटेनर जहाजों को कुशलता से संभालने में सक्षम है, जिससे ग्राहक का भरोसा और वरीयता मजबूत होती है। श्री श्रीधर ने यह भी कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए माल ढुलाई का लक्ष्य 90 मिलियन टन (एमटी) तय किया गया है, जो पिछले वर्ष के 82.62 मिलियन टन से अधिक है, जो बंदरगाह की स्थिर विकास दर को दर्शाता है। मीडिया से बात करते हुए श्री श्रीधर ने बताया कि एक 10 लेन, 15 किलोमीटर लंबा एक्सेस रोड का निर्माण किया जा रहा है, जो सीधे बंदरगाह को मुख्य राजमार्गों से जोड़ेगा। इससे यातायात में सुविधा और लॉजिस्टिक्स की सुगमता बढ़ेगी। एफओसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने ports की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, भारत के 95% निर्यात मात्रा और 70% मूल्य समुद्री बंदरगाहों से होता है। समुद्री व्यापार देश की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए अत्यंत जरूरी है। तेलंगाना राज्य को विशाखापट्टनम पोर्ट के बढ़ते कदम से बहुत फायदा होगा, जहां माल ट्रैफिक की वार्षिक वृद्धि 3-6% रहने की संभावना है और उपयोगिता मध्यम अवधि में 55% पर स्थिर होगी। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में फार्मेक्सिल के निदेशक श्री मुरली कृष्णा, एपीडा के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर.पी. नायडू और विशाखापट्टनम पोर्ट अथॉरिटी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

यह मीटिंग व्यापार समुदाय के साथ संवाद का मंच था, जहां विशाखापट्टनम पोर्ट की बढ़ती क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया और अधिक व्यवसायों को इसके विश्व स्तरीय सुविधाओं का लाभ उठाने का आमंत्रण दिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तो चिदंबरम...

गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रज्ञा ने कहा कि मालेगांव केस में उन्हें हिरासत में भीषण टॉर्चर किया गया, उन्हें बेल्ट से इस तरह पीटा गया कि उन्हें वेंटीलेटर पर रखना पड़ा था। प्रज्ञा ने आरोप लगाया कि उनकी रीढ़ की हड्डी भी टूट गई। उन्हें पोर्न दिखाकर भद्दे सवाल पूछे गए। साध्वी का दावा है कि परमवीर ने भगवा आतंक का झूठा नैरेटिव बनाने के लिए ये सब किया। आईपीएस परमवीर सिंह पर लगाए गए आरोप और दावे पहली बार नहीं हैं। सिंह पर कई बार कानून को ताक पर रखने और हिंदुओं के खिलाफ साजिश करने के आरोप लग चुके हैं। परमवीर का नाम 26/11 के आतंकी हमलों समेत कई बड़े मामलों में आ चुका है, जहां उन पर कानूनी अनियमितताओं और हिंदुओं को फंसाने के गंभीर इल्जाम लगे।साल 2008 के मालेगांव बम धमाके में जबरन गिरफ्तार की गईं साध्वी प्रज्ञा ने कहा था कि मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमवीर सिंह के कहने पर 3-4 पुलिसकर्मी उन्हें बहुत अधिक प्रताड़ना देते थे। उन्हें हिरासत में लेकर पुलिसकर्मी उन्हें घेर कर मारते थे। उन्हें पूरी रात बेल्ट से इस कदर पीटा गया कि उनकी रीढ़ की हड्डी टूट गई और उन्हें वेंटिलेटर पर जाना पड़ा था। परमवीर सिंह की देखरेख में ही साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को हिरासत के दौरान पुरुष कैदियों के साथ रखकर पोर्न वीडियो दिखाया जाता था और भद्दे सवाल किए जाते थे। उन्होंने बताया था कि पहले उनको भगवा आतंकी कहा गया, फिर भारत को आतंकवादी देश घोषित करवाने का प्रयास किया गया।

मालेगांव धमाका मामले में ही कर्नल श्रीकांत पुरोहित पर भी आरोप लगाए गए। उन्हें पुलिस कस्टडी में रखा गया और प्रताड़ित किया गया था। कर्नल ने कोर्ट में बताया कि परमवीर सिंह और एटीएस के अफसरों ने उन्हें किस तरह भयानक यातनाएं दी थीं। उनके साथ मारपीट, गालियां और प्राइवेट पार्ट्स पर हमला किया गया, ताकि वो भगवा आतंकवाद का नैरेटिव कबूल लें। कर्नल का कहना है कि परमवीर ने कांग्रेस की शह पर उन्हें फंसाया और उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी।26/11 आतंकी हमलों के दौरान मुंबई के पुलिस कमिश्नर हसन गफूर थे। उन्होंने परमवीर सिंह पर आरोप लगाया था कि उन्होंने इस दौरान ड्यूटी करने से मना कर दिया था। गफूर ने कहा था कि कानून-व्यवस्था के संयुक्त आयुक्त केएल प्रसाद, अपराध शाखा के अतिरिक्त आयुक्त देवेन भारती, दक्षिणी क्षेत्र के अतिरिक्त आयुक्त के वेंकटेशम और आतंक रोधी दस्ते के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त परमवीर सिंह मुंबई आतंकी हमले के दौरान अपनी ड्यूटी निभाने में विफल रहे थे।

2008 में हुए इसी हमले को लेकर महाराष्ट्र के रिटायर्ड एसीपी शमशेर खान पठान ने भी परमवीर सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। पठान ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में कहा कि 26/11 के बाद कसाब के पास से मिले फोन को परमवीर सिंह ने अपने पास रख लिया था। इसे उन्होंने कभी जांच अधिकारियों को दिया ही नहीं। इसी फोन पर कसाब को उसके आका पाकिस्तान से ऑर्डर दे रहे थे। पठान का दावा था कि इस फोन से पाकिस्तान और हिंदुस्तान के हैंडलर्स का पता चल सकता था। पठान ने बताया था कि हमले वाले दिन वो पाईधूनी पुलिस स्टेशन में थे और उनके बैचमेट एनआर माली बतौर सीनियर इंस्पेक्टर डीबी मार्ग पुलिस थाने में कार्यरत थे। उन्होंने लिखा कि 26/11 के दिन अजमल आमिर कसाब को गिरगांव चौपाटी इलाके में पकड़ा गया था। ऐसे में उन्होंने अपने साथी एनआर माली से फोन पर बात की। इस दौरान उन्हें पता चला कि कसाब के पास एक फोन मिला है, जो पहले कॉन्स्टेबल कांबले के पास था और बाद में उससे परमवीर सिंह ने ले लिया।पूर्व एसीपी के मुताबिक, इस मामले में उनकी माली से बातचीत आगे भी होती रही। उन्हें पता चला कि परमवीर सिंह ने जांच अधिकारी को फोन नहीं दिया है। माली ने शमशेर को ये भी बताया था कि उन्होंने दक्षिण क्षेत्र के आयुक्त वेंकटेशम से मुलाकात की थी और उस फोन के बारे में बताया था। हालांकि इसके बावजूद उन पर कार्रवाई नहीं हुई। जब पूछने के लिए माली परमवीर के पास गए तो सिंह उन पर चिल्लाने लगे और कहा कि इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है।29 सितंबर 2008 को हुए मालेगांव ब्लास्ट और 26 नवंबर 2008 को हुए मुंबई आतंकी हमले के दौरान केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। वहीं, महाराष्ट्र में कांग्रेस और एनसीपी की गठबंधन सरकार थी। पी चिदंबरम उस समय केंद्रीय गृह मंत्री थे। कांग्रेस सरकार ने मालेगांव ब्लास्ट के बाद से ही हिंदू समुदाय को बदनाम करने के लिए हिंदू आतंकवादी या भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों का प्रयोग शुरू कर दिया था। चिदंबरम ने गृह मंत्री रहते हुए भगवा आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया था। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और सुशील कुमार शिंदे ने इस व्याख्या को फैलाने की कोशिश की। केंद्रीय गृह मंत्री के तौर पर कार्य करते हुए 25 अगस्त 2010 को पी चिदंबरम ने कहा था, मैं आपको सावधान करना चाहता हूं कि भारत में युवा पुरुषों एवं महिलाओं को कट्टरपंथी बनाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आई है। इसके अलावा हाल में भगवा आतंकवाद सामने आया है, जो अतीत में कई बम विस्फोटों में पाया गया है।सितंबर 2010 में दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हिंदू आतंकवाद से देश को खतरा बता दिया था। विकीलीक्स खुलासे में ये बात सामने आई थी कि भारत में अमेरिकी राजदूत टिमोशी रोमर को 2010 में राहुल गांधी ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान से आने वाले इस्लामिक आतंकवाद से ज्यादा बड़ा खतरा हिंदू आतंकवाद से है। इसके बाद गृह मंत्री रहते हुए सुशील कुमार शिंदे ने 20 जनवरी 2013 को जयपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कैंप में हिंदू आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। उनके बयान के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणि शंकर अय्यर ने उन्हें मुबारकबाद दी थी।लगभग 11 वर्षों बाद पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस के राजनेता सुशील कुमार सिंह ने 2024 में भगवा आतंकवाद पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि शब्द को इस्तेमाल करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने ही उन पर दबाव डाला था। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा, भगवा के पीछे आतंकवाद शब्द क्यों लगाया गया मुझे आज तक पता नहीं है। यह नहीं लगना चाहिए था, यह गलत था।

एनआईए कोर्ट ने मालेगांव ब्लास्ट के सभी आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता और अभियोजन पक्ष उन पर आरोप साबित करने में भी नाकाम रहा। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में चिदंबरम, सोनिया गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं से सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग उठने लगी है। साथ ही परमवीर सिंह और कांग्रेस के नेताओं की गिरफ्तारी की बात भी नेटिजन्स तेजी से सोशल मीडिया पर उठा रहे हैं। सवाल यह है कि हिंदू आतंकवाद या सैफरन टेरर का नैरेटिव गढ़ने और इसे हर हाल में साबित करने पर तुले परमवीर सिंह ने अकेले यह पूरा खेल खेला? या फिर चिदंबरम और सोनिया गांधी ने मिलकर इस नैरेटिव को धरातल पर लाने के लिए और हिंदुओं को बदनाम करने के लिए इस पूरी साजिश का कर्ताधर्ता परमवीर सिंह को बना दिया?

जिस अभिनव भारत संस्था तक को आतंकवादी संगठन साबित करने पर कांग्रेस सरकार तुली हुई थी उसे लेकर मुंबई की विशेष अदालत ने कहा कि अभिनव भारत को तत्कालीन केंद्र सरकार ने आतंकी संगठन घोषित क्यों नहीं किया? अदालत ने कहा, अभिनव भारत ट्रस्ट, संस्था, संगठन या फाउंडेशन कोई भी प्रतिबंधित संगठन नहीं है। मालेगांव विस्फोट मामले में सात लोगों को बरी करने वाली विशेष अदालत ने अभियोजन पक्ष के अभिनव भारत को विस्फोट को अंजाम देने के दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभिनव भारत ट्रस्ट या फाउंडेशन प्रतिबंधित संगठन नहीं है। क्योंकि इसे सरकार ने आतंकी संगठन के रूप में प्रतिबंधित नहीं किया है।

भारत पर जो...

दिवाली आएगी त्यौहारों में हर माल स्वदेशी ही खरीदेंगे। पीएम ने कहा कि भारत में ही शादी करें, स्वदेशी का भाव भविष्य तय करेगा और यह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार की सुबह वाराणसी के सेवापुरी के गांव बनौली में 2183.45 करोड़ की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही पीएम मोदी काशी से दूसरी बार देश के 9.70 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी भेजी।

पीएम मोदी ने कहा, नया भारत भोलेनाथ को भी पूजता है। दुश्मनों के सामने कालभैरव भी बन जाता है। मैं यूपी का सांसद हूं, इस नाते मुझे खुशी है कि ब्रह्मोस मिसाइल यूपी में भी बनेगी। ये मिसाइल लखनऊ में तैयार होंगी। अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइल आतंकियों को तबाह कर देंगी। आज यूपी विकास कर रहा है, तो इसके पीछे भाजपा सरकार की नीतियां हैं। यूपी में भाजपा सरकार ने अपराधियों में खौफ भर दिया। मैं यूपी सरकार को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत पर जो वार करेगा वो पाताल में भी नहीं बचेगा। दुर्भाग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से अपने देश के भी कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने आतंकियों के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मैं अपने भारतीयों से पूछना चाहता हूं कि आपको ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गर्व है कि नहीं? कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है, आप मुझे बताइए सिंदूर कभी भी तमाशा हो सकता है क्या? क्या कोई सिंदूर को तमाशा कह सकता है क्या? कोई मुझे बताए क्या आतंकवादियों को भी मारने के लिए इंजतार करना चाहिए क्या? सपा को फोन करूं क्या कि आतंकियों को मार दें क्या?पीएम मोदी ने कहा कि 55 करोड़ लोगों के खाते खोले गए, जिन्होंने कभी बैंक नहीं देखा। अब इस योजना को 10 साल पूरे हुए हैं। अब बैंक का नियम है कि बैंक का केवाईसी करनी जरूरी है। मैंने बैंक वालों से कहा है कि लोग आएं बैंक में केवाईसी करें अच्छी बात है, लेकिन क्या हम अभियान चला सकते हैं? मैं बैंकों का अभिवादन करता हूं। जो इस केवाईसी का काम पूरा करने के लिए स्वयं हर ग्राम पंचायत तक पहुंच रहे हैं। अब एक महीने में एक लाख बैंक, पंचायतों में जा चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा उद्देश्य है जो जितना पिछड़ा उसे उतनी प्राथमिकता। पीएम ने कहा कि तीन लाख करोड़ लखपति दीदी बनाने जा रहा हूं। यह आंकड़ा सुनकर ही सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि देश के किसानों के खाते में पौने चार लाख करोड़, यूपी के ढाई करोड़ किसानों को 90 हजार करोड़ और बनारस के किसानों के खाते में 900 करोड़ रुपए पीएम श्री किसान सम्मान राशि डाली गई।

पीएम मोदी ने भोजपुरी में काशीवासियों का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने कहा कि सावन का महीना हो काशी जैसा पवित्र स्थान हो देश के किसानों से जुड़ने को मिले इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा। उन्होंने कहा हम काशी के लोगन के प्रणाम करत हईं। आज ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि तब मैं बाबा विश्वनाथ से यही मना रहा था सभी पीड़ित परिवारों को यह दुख सहने की हिम्मत दें। मैंने अपनी बेटियों को वचन दिया था, वह भी पूरा हुआ। जय महादेव के आशीर्वाद से ही संभव हुआ। मैं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को उनके चरणों में समर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने मंच से पांच दिव्यांगों को ऐसे आधुनिक उपकरण दिए जिससे उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाएगी। दृष्टिबाधित छात्रा को लो विजन चश्मा देकर उन्होंने बातचीत की। वहीं उपकरण जिले के 2025 दिव्यांगों को दिए जा रहे हैं। अब तक यह उपकरण बहुत महंगे होने के कारण आम लोगों की पहुंच में नहीं थे।पीएम मोदी काशी से दूसरी बार देश के 9.70 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की। इस बार 20,500 करोड़ रुपए की धनराशि किसानों के खाते में भेजे गए। इसका लाभ काशी के 2.21 लाख किसानों को मिला। इससे पहले उन्होंने 18 जून 2024 को 9.26 करोड़ किसानों के खाते में सम्मान निधि भेजी थी। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बार फिर से 2200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार अपनी काशी को देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आगमन काशी में हुआ है। यह परियोजनाएं शिक्षा के लिए भी हैं। दिव्यांगजन प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया शब्द है, एक संबोधन है। जीवन में उन्हें आगे बढ़ाने के लिए उपकरण वितरण का कार्यक्रम आज हो रहा है। आज हमारा दिव्यांगजन भी इस बात को महसूस करता है।

राज्यसभा में...

भाजपा के लोकसभा में 240 और राज्यसभा में 102 सदस्य हैं। संसद के दोनों सदनों में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार के पास 457 से ज़्यादा सदस्य हैं। कांग्रेस के लोकसभा में 99 और राज्यसभा में 27 सदस्य हैं। इंडी गठबंधन और इससे जुड़ी पार्टियों के दोनों सदनों में मिलाकर 300 से ज्यादा सदस्य हैं।2022 के उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष बुरी तरह हारा था। तब चुनाव में कुल 725 वोट पड़े थे। इनमें से धनखड़ को 528 वोट मिले थे और विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 182 वोट मिले थे। 15 वोट अवैध पाए गए थे। इस तरह धनखड़ ने विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को 346 मतों से पराजित किया था। भाजपा के लिए यह बड़ी राहत है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसे झटका लगा था और उसकी सीटें 2019 के मुकाबले काफी गिर गई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में उसे 302 सीटें मिली थी जबकि 2024 में वह 240 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। उसने अकेले दम पर 370 सीटें जीतने का दावा किया था लेकिन वह बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटों से भी काफी पीछे रह गई।

संघ के दो...

तीनों बेटों का पालन-पोषण कर सकीं। रामजी कलसांगरा की गुमशुदगी का मामला कानून पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। उनकी पत्नी लक्ष्मी 17 वर्षों से सुहागन की तरह जी रही हैं और अपने पति की प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को या जांच एजेंसियों को यह बताना चाहिए कि उनके पति जीवित हैं या मर चुके हैं। उन्होंने कहा, हर तीसरे दिन एनआईए और एटीएस के अधिकारियों ने जांच के नाम पर परेशान किया। उन्होंने ऐसे सुलूक किया जैसे हम अपराधी हों। यह सिर्फ जांच एजेंसी को ही पता है कि कलसांगरा जीवित हैं या नहीं। वह बताती हैं कि पति के लापता होने के बाद उन्होंने खेती-बाड़ी की और मजदूरी तक करनी पड़ी तब जाकर अपने तीनों बेटों का पालन-पोषण कर सकीं। उन्हें आज भी अपने पति के लौटने का इंतजार है।रामजी कलसांगरा के बेटे देवव्रत कलसांगरा का कहना है कि उन्हें अब भी न्याय का इंतजार है। उन्होंने इस मामले की जांच करने वाले एटीएस अधिकारियों से सवाल किया है कि क्या उनकी मां को खुद को विवाहित महिला मानना चाहिए या विधवा। देवव्रत बताते है कि 9 अक्टूबर 2008 को उन्होंने आ-खिरी बार पिताजी के साथ गांव में दशहरा मनाया था और उसके बाद फिर अपने पिता को कभी नहीं देखा। पिता के लापता होने के बाद की तकलीफों को लेकर देवव्रत ने कहा कि उनके लापता होने के बाद जांच एजेंसी के अफसर घर आकर उनकी मां को परेशान करते थे और समाज में हमारे परिवार को हीन नजरों से देखा जाता था। वे बताते हैं कि 2011 में इस मामले की जांच के दौरान अधिकारी उनके घर आए और उनके पिता के साथ के बचपन के फोटो और अन्य सामान ले गए। आज उनके पास पिता की कोई तस्वीर भी नहीं है।

देवव्रत ने अपने पिता के लापता होने की जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि उनके पिता को अवैध रूप से एटीएस ने हिरासत में लिया गया और उस दौरान उनके साथ अप्रिय घटना घटी। देवव्रत और उनके पूरे परिवार को अभी भी अभी रामजी कलसांगरा के बारे में कोई ठोस खबर मिलने की उम्मीद है। देवव्रत ने अपने चाचा के बारे में बताया कि मालेगांव केस में उनके चाचा शिवनारायण कलसांगरा को भी एटीएस ने गिरफ्तार किया था। 2008 में उन्हें हिरासत में लेने के 15 दिन बाद उनकी गिरफ्तारी दिखाई गई। देवव्रत बताते हैं कि उनके चाचा को टॉर्चर किया गया। वो 2014 तक जेल में रहे फिर साल 2017 में एनआईए ने उन्हें बरी कर दिया था।

रामचंद्र उर्फ रामजी कलसांगरा लापता पहले इंदौर में रहते थे और वे इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टर थे। रामजी 15 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए थे और उन्होंने 1992 में राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या जाकर कारसेवा में भी हिस्सा लिया था। कलसांगरा पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने मालेगांव में भीकू चौक पर शकील गुड्स ट्रांसपोर्ट नाम की दुकान के बाहर बम बंधी हुई बाइक रखी थी। उन पर समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट केस में शामिल होने का भी आरोप लगाया गया था।रामजी कलसांगरा के बेटे देवव्रत का कहना है कि मुजावर के कोर्ट में एफिडेविट देने और उनकी हत्या की खबर को सुनने के बाद हमने जांच एजेंसी और कोर्ट से स्पष्टीकरण मांगा था। देवव्रत ने कहा, हमने उनसे गुजारिश की थी कि यदि मेरे पिता का शव उनके पास है तो वह हमें दे दें, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

कुलगाम में ...

और तलाश अभियान शुरू किया था।

भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा चलाया गया संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभियान अभी भी जारी है। भारतीय सेना के चिनार कोर ने कहा कि कुलगाम में रात भर रुक-रुक कर और तीव्र गोलाबारी जारी रही। सतर्क सैनिकों ने आतंकियों को गोलीबारी से जवाब दिया और आतंकी बचकर न निकल पाए, इसके लिए घेराबंदी और कड़ी कर दी। कुलगाम में मारे गए एक आतंकी की पहचान हो गई है। मारे गए आतंकी का नाम हारिस नजीर डार है, जो पुलवामा के अंतर्गत राजपोरा का निवासी था। सर्च ऑपरेशन के दौरान एक एके-47 राइफल, एके मैगजीन और ग्रेनेड सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

ट्रंप सही बोलते...

मार्च 2023 में कुल निर्यात में 66.14 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसके अलावा भारत का व्यापार 238 गंतव्य देशों में से 115 देशों तक भारत का व्यापार निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। तमाम वैश्विक चुनौतियों के होने के बाद भी भारत का विकास जारी रहा है।भारत की अर्थव्यवस्था, एक ऐसी अर्थव्यवस्था है जिसने हाल ही में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त किया है। अनुमान है कि 2030 तक ये जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। ऐसे देश के नेता विपक्ष अर्थव्यवस्था को ही डेड घोषित करने में तुले हुए हैं। जबकि राहुल गांधी खुद की आर्थिक स्थिति का ही आँकलन कर लें तो देश की अर्थव्यवस्था के विकास का कुछ अंदाजा उन्हें लग जाएगा।

दरअसल भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को डेड घोषित कर दिया। उनकी हां में हां मिलते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें शुक्रिया तक कह दिया। सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप सही कह रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर बाकी सब जानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था डेड है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत ने अडानी की मदद करने के लिए अर्थव्यवस्था को डेड कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप का तो समझा जा सकता है कि भारत के साथ व्यापार वार्ता सफल नहीं होने और भारत द्वारा एफ-35 फाइटर जेट जैसे रक्षा सौदों से साफ मना कर देने की वजह से उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को ही डेड कह दिया। ये बयान भारत पर व्यापारिक दबाव बनाने के लिए ही दिया गया है। ट्रंप पाकिस्तान के साथ तेल सौदे की घोषणा कर भारत पर दबाव डाल रहे हैं, लेकिन वास्तव में भारत की विकास दर अमेरिका से कहीं ज्यादा है। इसलिए हमारी अर्थव्यवस्था मृत नहीं बल्कि जीवंत है। लेकिन राहुल गांधी भारत की अर्थव्यवस्था के विकास पर सवाल खड़े कर पूरे देश और दुनिया को क्या संदेश देना चाहते हैं? ऐसा तब है जब भारत की अर्थव्यवस्था न केवल बड़ी है, बल्कि स्वस्थ और गतिशील भी है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।सरकार से सवाल पूछना विपक्षी दलों का अधिकार है लेकिन मोदी सरकार की मुखालफत करते-करते देश के खिलाफ बयानबाजी राहुल गांधी की भारत विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। राहुल गांधी भारत की हर सफलता में नकारात्मकता ढूंढ़ते हैं। जबकि आईएमएफ और दूसरी रिपोर्ट भारत को सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बता रही है। 2024-25 में 6.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है। दुनिया के विकास में इसका योगदान 16 फीसदी है और दुनिया की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यस्थाओं में भारत शामिल है। पिछले एक दशक में भारत की स्थिति कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश से ऊपर उठ कर दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों में शामिल होना ही मोदी सरकार में देश के विकास को दर्शाता है। माना जा रहा है कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला बन जाएगा। यहां तक की कोरोना काल में जब दुनिया त्रासदी से कराह रही थी और भारत में भी महामारी का व्यापक असर था, भारत की ग्रोथ रेट दुनिया में सबसे ज्यादा रही। भारत ने इस दौरान बड़ी आबादी को गरीबी से मुक्त दिलाने, अनाज मुफ्त में देने से लेकर हर घर नल, शौचालय की व्यवस्था करने और हर व्यक्ति का बैंक खाता खोलने जैसी सुविधाएं देकर भारतीयों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार किया।

2014 में यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार को करारी हार देने के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सत्ता पर काबिज हुई। कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह के 2004 से 14 तक के 10 साल में महंगाई देश की बड़ी चुनौती थी। घोटालों से देश त्रस्त था। हर दिन नए घोटाले से देश दो-चार होता था। मनमोहन सरकार के समय औसत वित्तीय घाटा 4.3 फीसदी रहा। जबकि मोदी सरकार में वित्तीय घाटे को कम करते हुए जीडीपी को दोगुना कर दिया है। विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर हैं और भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी के समय में संरचनात्मक सुधार हुए हैं जिसने अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला बनाया है। डेलॉयट की रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 6.5 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जो घरेलू मांग और निवेश पर आधारित है।मनमोहन सरकार के वक्त से अब व्यापार करने की ज्यादा सहुलियतें हैं। दुनिया भर में व्यापार सुगमता सूचकांक के में भारत का स्थान करीब 60 है जो मनमोहन काल में 132 के आसपास था। पीएम मोदी के पहले कार्यकाल में औसत जीडीपी विकास दर 7.7 प्रतिशत रहा जबकि कोरोना के बाद दूसरे कार्यकाल में 6.8 प्रतिशत रहा। कोरोना के बाद रिकवरी रेट 6.3-6.8 प्रतिशत रहा। मुद्रास्फीति नियंत्रित रहा जिससे महंगाई से जनता को राहत मिली। जबकि मनमोहन सिंह के दस सालों में अर्थव्यवस्था में वैश्विक उछाल भी आया फिर भी जीडीपी प्रति व्यक्ति औसतन 6 प्रतिशत से 4 प्रतिशत रहा और असंतुलित विकास की वजह से महंगाई काफी बढ़ी।मोदी के मेक इन इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से विदेशी निवेश दोगुना हुआ। जबकि मनमोहन सिंह के समय भ्रष्टाचार और घोटालों की वजह से निवेशकों का विश्वास कम हुआ और विदेशी निवेश कम हुए। । यही वजह है कि उस वक्त विदेशी मुद्रा भंडार 300 बिलियन डॉलर थे जो अब बढ़ कर 600 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गए हैं। भारत की अर्थव्यवस्था अब 5 ट्रिलियन डॉलर की ओर है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संपत्ति की बात की जाए तो उन्होंने मोदी सरकार में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश कर भारी मुनाफा कमाया। 2014 में जहां राहुल गांधी की शेयर की वैल्यू 83 लाख रुपए थी, वहीं 2024 में बढ़कर ये 8.3 करोड़ रुपए हो गई यानी 10 गुणा ज्यादा। वहीं म्यूचुअल फंड से उन्होंने पिछले 10 सालों में 6.6- 8.3 करोड़ रुपए कमाए जबकि मनमोहन सरकार के समय 60-80 लाख ही कमा पाए थे। ऐसा उन्होंने शेयर बाजार में रिस्क लेते हुए निवेश कर कमाया। ये रिस्क लेने की हिम्मत उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था पर विश्वास जताकर ही पाई होगी।राहुल गांधी पर चीन से चंदा लेने और उनकी भाषा बोलने के आरोप लग चुके हैं। पिछले दिनों भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने चीन के उस दावे को सहमति दे दी, जिसमें उसने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया था। वहीं ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़े कर उन्होंने पूछा कि कितने जेट गिरे? इतना ही नहीं सीजफायर पर पीएम मोदी और सेना के आधिकारिक बयान पर विश्वास न जता कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही मानते हुए सवाल करना भी उनके मंसूबे को बताता है। मोदी सरकार को घेरने के लिए राहुल गांधी ने जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान को लपका, इससे कांग्रेसी भी हैरान हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, शशि थरूर और राजीव शुक्ला ने राष्ट्रपति ट्रंप के बयान का खंडन करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था मरी नहीं है बल्कि तेज गति से आगे बढ़ रही है। जो सुधार पीवी नरसिम्हा राव के समय में शुरू हुए मनमोहन काल में मजबूत हुए वो आज बिल्कुल भी कमजोर नहीं हुई है।इसके बावजूद राहुल गांधी भारत की अर्थव्यवस्था को डेड कह रहे हैं तो ये देश की छवि ही खराब कर रहे हैं। साथ ही उन निवेशकों को भी गुमराह कर रहे हैं जो भारत के विकास में योगदान दे रहे हैं। कुल मिलाकर, भारत की अर्थव्यवस्था न केवल सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है बल्कि सबसे अच्छी है। हर तरह की चुनौतियों के बावजूद मजबूती से ये आगे बढ़ रही है। ट्रंप और राहुल जैसे नेताओं के बयान अपने अपने हित साधने के लिए दिए गए हैं, जो तथ्यों पर आधारित नहीं। भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, और यह उपलब्धि मोदी सरकार की नीतियों की सफलता को दर्शाती है।

भारतीय ...

थरूर ने यह भी जोड़ा कि अमेरिका के साथ व्यापारिक वार्ताएं चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत के पास कई विकल्प हैं। उन्होंने कहा, हम यूरोपीय संघ और यूके के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। अगर अमेरिका अनुचित मांगें रखता है, तो हमें कहीं और जाना होगा।

650 करोड़ के ...

18 ठिकानों पर छापेमारी की। यह घोटाला 650 करोड़ से अधिक का है। ईडी ने छापे की कार्रवाई रायपुर, दुर्ग, भिलाई और आसपास के इलाकों में की है।मामला डायरेक्टरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेस (डीएचएस) और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) के वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़ा है। इनके साथ-साथ मोक्षित कारपोरेशन नाम की निजी कंपनी भी इसमें शामिल थी। यह घोटाला उस समय हुआ था, जब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेश बघेल मुख्यमंत्री थे। छापेमारी उन लोगों के घरों और कार्यालयों में की गई जो इस घोटाले से सीधे या परोक्ष रूप से जुड़े थे, जैसे सरकारी अधिकारी, मेडिकल सप्लायर, एजेंट और कुछ बिचौलिए। ईडी की टीम ने सीजीएमएससीएल के पूर्व डिप्टी मैनेजर कमलकांत पाटनवार के घर पर भी छापा मारा। वह फिलहाल जेल में है।घोटाले में बिना आवश्यक्ता और जांच के मेडिकल उपकरण और रसायन खरीदे गए थे। यह पूरा मामला तब सामने आया जब आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने मोक्षित कारपोरेशन से जुड़े दस्तावेज ईडी को सौंपे। इन दस्तावेजों में मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिले, इसके बाद ईडी ने यह कार्रवाई शुरू की। उदाहरण के लिए, 8.50 रुपए की ईडीटीए ट्यूब को 2,352 रुपए में और 5 लाख की सीबीसी मशीन को 17 लाख में खरीदा गया। ईडी ने जेल में बंद सीजीएमएससीएल के पूर्व अधिकारी कमलकांत पाटनवार के घर भी छापा मारा। जांच का मकसद भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत जुटाना है।एसीबी और ईओडब्लू की जांच में पता चला कि सीजीएमएससीएल ने मोक्षित कारपोरेशन और उसकी एक शेल कंपनी के साथ मिलकर यह घोटाला किया। जांच एजेंसियों ने अप्रैल में 18,000 पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की, जिसके आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की है। चार्जशीट में जिन 6 लोगों के नाम सामने आए हैं, उनमें मोक्षित कारपोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा, सीजीएमएससीएल के अधिकारी बसंत कुमार कौशिक, छिरोड़ रौतिया, कमलकांत पाटनवार, डॉ. अनिल परसाई और दीपक कुमार बांधे शामिल हैं। इनमें से कौशिक उस समय सीजीएमएससीएल में जनरल मैनेजर (इक्विपमेंट) और डिप्टी मैनेजर (पर्चेज) थे, वहीं बाकी लोग भी टेक्निकल या प्रशासनिक पदों पर थे।22 जनवरी को एसीबी/ईओडब्लू ने इनके खिलाफ केस दर्ज किया और साथ ही चार कंपनियों को भी आरोपित बनाया था। इनमें हरियाणा का रिकॉर्ड एंड मेडिकेयर सिस्टम, मोक्षित कारपोरेशन, सीबी कारपोरेशन और श्री शारदा इंडस्ट्रीज शामिल है। इस घोटाले में सामान की कीमत को जानबूझकर कई गुना बढ़ा दिया गया। उदाहरण के तौर पर, एक ईडीटीए ट्यूब, जो बाजार में 8.50 रुपए की मिलती है, सीजीएमएससीएल ने मोक्षित कारपोरेशन से 2,352 रुपए प्रति ट्यूब के भाव पर खरीदी। वहीं, एक सीबीसी मशीन, जिसकी मार्केट कीमत 5 लाख रुपए है, उसे 17 लाख रुपए में खरीदा गया। इतना ही नहीं, मेडिकल उपकरण खरीदने की जो प्रक्रिया आमतौर पर कई महीनों में पूरी होती है, उसे महज 26 दिन में खत्म कर दिया गया।यह मामला राज्य विधानसभा में भी उठा, जिसके बाद ईडी और ईओडब्लू की छापेमारी तेज हुई। जांच का मकसद है सरकारी अफसरों और निजी कंपनियों के बीच मिलीभगत के सबूत जुटाना, फर्जी दस्तावेजों की पहचान करना और यह जानना कि इस भ्रष्टाचार की जड़ें कहां तक फैली हैं।

रवि योग का सुंदर संयोग में सिंह सहित अन्य राशियों को मिलेंगी सूर्यदेव की कृपा

आज यानी 3 अगस्त रविवार है और आज चंद्रमा का गोचर दिन रात वृश्चिक राशि में होगा। आज रविवार होने की वजह से पूरे दिन सूर्य ग्रह का आधिपत्य रहेगा और आज के दिन के देवता भी सूर्य नारायण ही रहेंगे। इसके साथ ही आज रवि योग का संयोग बन रहा है। यही नहीं आज चंद्रमा अनुराधा और ज्येष्ठा नक्षत्र में संचार करेंगे। साथ ही आज के दिन शुक्ल और ब्रह्म योग का भी निर्माण हो रहा है। ऐसे में आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज सावन मास के शुक्ल पक्ष की नवमी उपरांत दशमी तिथि लग रही है। ऐसे में रवि योग के संयोग और सूर्य देव की कृपा से आज का दिन सिंह सहित 5 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहने वाला है। आज इन राशियों को करियर से लेकर कारोबार में बड़ी सफलता मिलेगी। धन प्राप्ति के मौके मिलेंगे और परिवार में सुख समृद्धि रहेगी। आज इन राशियों को सूर्य देव को अर्घ्य देने और सूर्य चालीसा का पाठ करने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। आज आपको साझेदारियों में फायदा होगा। कारोबार में आप अकेले ही न जूझते रहें, बल्कि किसी भरोसेमंद के साथ कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें, आपको अंतर साफ नजर आएगा। आपको बेहतर मुनाफा भी होगा। आज के दिन लोगों को साथ लेकर चलने से आप दोगुना लाभ हासिल कर सकेंगे। इसके साथ ही नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं या कहीं निवेश करने का मन बना रहे हैं तो आज जीवनसाथी के नाम पर ये शुरुआत कर सकते हैं। पार्टनरशिप में किए गए काम आज आपको अतिरिक्त लाभ दिला सकते हैं। आपके अपने बिजनेस पार्टनर से संबंध मजबूत होंगे। इसके साथ ही आज आपके परिवार में भी सुख समृद्धि का वास रहेगा। जीवनसाथी के साथ आपका मेलजोल बना रहेगा। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आप बाहर घूमने का प्लान कर सकते हैं।

उपाय : आज घर के दरवाजे पर घी का दीया जलाएं। इसके साथ ही पीपल के पेड़ की परिक्रमा करें। घर में नमक का पोछा लगाएं। नकारात्मकता दूर होगी।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बेहतर परिणाम दिलाने वाला होगा। आज आपकी कोई लंबे समय से मन में दबी हुई इच्छा पूरी हो सकती है। खास तौर पर आज आपको वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। इससे आप बेहद खुश होंगे। इसके साथ ही आज रियल एस्टेट, ट्रांसपोर्ट, प्रॉपर्टी आदि के कार्यों से जुडे. जातकों को अतिरिक्त लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इन्हें कोई बेहतर डील मिल सकती है जिसमें इनका कमीशन काफी अच्छा होगा। इसके साथ ही आज आपको मानसिक रूप से काफी मजबूती का अहसास होगा। आपको रिश्तेदारों से लेकर दोस्तों की तरफ से अप्रत्याशित रूप से मदद मिल सकती है जिससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। परिवार में आपके आनंद का माहौल रहेगा। आपको मातृ पक्ष से लाभ हो सकता है। मां की तरफ से स्नेह और सहयोग दोनों मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भी संबंध मजबूत होंगे। वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज रविवार को न नमक का सेवन करें और न ही खरीदें। इसके साथ ही पूजा के दौरान सूर्य कवच का पाठ करें। आपके संकट दूर होंगे।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए रविवार का दिन शुभ और लाभदायक रहने वाला है। आज तुला राशि के जातकों को परिवार की तरफ भरपूर सहयोग मिलेगा। अगर किसी सदस्य से आपकी अनबन चल रही थी तो बड़े बुजुर्गों की मदद से वह दूर हो जाएगी। इसके साथ ही फैमिली बिजनेस करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको परिवार की तरफ से सहयोग मिलेगा जिससे आप अपने कार्यों को और कुशलता के साथ संपन्न कर पाएंगे। इसके साथ ही फूड बिजनेस से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन अतिरिक्त लाभ दिलाने वाला हो सकता है। क्लब, रेस्तरां आदि में आज अच्छी कमाई हो सकती है। नौकरीपेशा जातकों को आज नई जिम्मेदारियों से नवाजा जा सकता है। आप पर उच्च अधिकारी भरोसा जताएंगे जो आपकी बढ़ती हुई साख का प्रतीक होगा। परिवार में सुख शांति रहेगी और जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज रविवार को सूर्य नारायण को रोली, लाल फूल, मिलाकर तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इसके साथ ही आज जरूरतमंदों को गेहूं का दान करें।

मकर राशि– मकर राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन जमकर कमाई करने का है। आज आपको कारोबार में धन प्राप्ति के नए अवसर मिलेंगे। खासकर आज आपकी मुलाकात किसी प्रभावशाली व्यक्ति से हो सकती है जिसे आप अपनी वाक्पटुता से प्रभावित करने में सक्षम होंगे। इसकी मदद से आपको भविष्य में बेहतर लाभ मिल सकता है। आज बाजार में अटका हुआ आपका धन वापस मिल सकता है जिससे आपको खुशी होगी। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। मन की मुराद पूरी होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपको उम्मीद की किरण नजर आ सकती है। इसके साथ ही आज आपके सामाजिक दायरे में विस्तार होगा। परिवार में आज बेहतर माहौल रहने वाला है। अगर जीवनसाथी के साथ किसी बाद को लेकर मनमुटाव चल रहा था तो आज वह खत्म हो जाएगा। आपके रिश्ते में फिर से मिठास आएगी।

उपाय : आज रविवार को आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। इसके साथ ही बरगद के पत्तों पर अपने मन की बात लिखकर पानी में बहा दें। आपकी मनोकामना पूरी होगी।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। कारोबार में आज का दिन उम्मीद के मुताबिक रहेगा। आज आपके अटके हुए कार्यों में तेजी आ सकती है। कोई अटकी हुई डील आज अप्रत्याशित तरीके से पूरी हो सकती है जिससे आपको राहत मिलेगी और खुशी भी होगी। सरकारी सेवाओं से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपको काम से राहत रहेगी और आप अपनी जिंदगी को मजे से बिता पाएंगे। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं। वहीं राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन पद और प्रतिष्ठा का लाभ लेकर आ सकता है। आज आपको अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का मौका मिलेगा। ऐसे अवसर को आप बेहतर तरीके से भुनाने का प्रयास करेंगे। परिवार में आज मौज मस्ती का माहौल रहने वाला है। बच्चों के साथ आपका मन लगेगा। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज रविवार को सुबह सूर्य को अर्घ्य दें और इस दौरान एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते, अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकर मंत्र का मन ही मन जप करें।

हर एक से कुछ सीखो, अच्छे गुण खोल सकते हैं भाग्य के बंद दरवाजे

हमारे जीवन में अच्छे गुणों की भूमिका ठीक वैसी ही होती है जैसे बीज की मिट्टी में, जैसा बोओगे, वैसा ही फल पाओगे। अगर हमारे पास चार अच्छे गुण हैं और हम दूसरों से मिलकर उनके एक-एक गुण को सीखते और अपनाते जाते हैं तो हमारे भीतर गुणों की पूंजी निरंतर बढ़ती जाती है। यही सतत गुण-संग्रह हमारी आंतरिक उन्नति को जन्म देता है और आंतरिक उन्नति ही भाग्य के द्वार खोलती है।

अगर हम दूसरों से सीखने में संकोच करेंगे तो अपने सीमित गुणों तक ही सीमित रह जाएंगे। ऐसे में हमारे जीवन का दायरा भी सीमित हो जाएगा और संभावनाएं भी कम होती जाएंगी। लेकिन जो व्यक्ति सीखने की प्रवृत्ति रखता है, वह लगातार नई ऊंचाइयों को छूता है और उसका भाग्य स्वयं उसे ऊपर उठाने लगता है। इसलिए दूसरों के सद्गुणों को देखकर उनसे सीखना न केवल आत्म-विकास है, बल्कि यह अपने भाग्य को उज्ज्वल और समृद्ध बनाने का सर्वोत्तम तरीका भी है। भाग्योदय के लिए हमें हर उस सिद्धांत का पालन करना चाहिए, जिसका अनुसरण कर हमारा जीवन समृद्ध हो सके।

अच्छे गुण जहां भी हों, जिस किसी में भी हों, हमें उन्हें सीखने में और उनका अनुसरण करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। मान लीजिए, हमारे पास चार अच्छे गुण हैं, हम एक व्यक्ति से मिलते हैं, जिसमें और दो अच्छे गुण हैं। हम उससे वे गुण सीखते हैं और उनका अनुसरण करते है तो हमारे पास अब छः अच्छे गुण हो जाते हैं, तभी हम एक और अच्छे गुणवाले, व्यक्ति से मिलते हैं, उससे एक गुण लेते हैं तो अपने पास कुल सात अच्छे गुण हो जाते है। इस प्रकार हम दूसरे लोगों से अच्छे गुण ग्रहण करते जाएंगे। हम अच्छे गुणों का अगर बन जाएंगे और जीवन में समृद्धि और अच्छाई की तरफ और ऊपर उठेंगे। उल्टे अगर हम दूसरों का आदर करने से, उनसे सीखने से इनकार करेंगे तो मरने तक हमारे उन चार गुणों के साथ अन्य अच्छे गुण नहीं जुड़ पाएंगे और हमारे जीवन में कोई प्रगति भी नहीं होगी।

ऊपरी चक्कर दूर करने से लेकर धन वृद्धि तक, गुंजा के फायदे एवं ज्योतिषीय और प्राचीन तांत्रिक उपाय

गुंजा को ज्योतिषशास्त्र में बहुत लाभकारी माना जाता है और इसके द्वारा तांत्रिक उपाय भी किए जाते हैं। गूंजा खूबसूरत दिखने के साथ-साथ बहुत चमत्कारी भी होता है। ऐसी मान्यता है कि इससे जुड़े उपाय जातक को जीवन की कई बड़ी से बड़ी बाधाओं से छुटकारा दिला सकते हैं। शास्त्रों में गुंजा के कई उपायों का वर्णन मिलता है जिससे ऊपरी चक्कर से लेकर आपको धन की समस्या और गरीबी से भी छुटकारा मिल सकता है। गुंजा का प्रयोग तंत्र शास्त्र में भी कई प्रकार से किया जाता है। यही कारण है कि गूंजा को इतना चमत्कारी माना गया है।

राहु और केतु के बुरे प्रभाव को कम करने का उपाय

अगर आप राहु और केतु के बुरे प्रभाव का सामना कर रहे हैं, तो इससे राहत पाने के लिए गुंजा से जुड़ा एक उपाय कर सकते हैं। इसके लिए लाल और काले धब्बे वाले 108 गुंजा के बीजों को शनिवार के दिन एक साफ काले रंग के वस्त्र में बांध लें। अब इसे अपने घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें। ऐसा करने से आपको ग्रहों के बुरे प्रभावों से राहत मिल सकती है और घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। इस उपाय से घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है।

नजर दोष दूर और ऊपरी चक्कर से बचाव का उपाय

घर में किसी बच्चे या सदस्य को बुरी नजर लग गई हो या उन्हें बुरी नजर से बचाना हो, तो गुंजा का प्रयोग करना चमत्कारी साबित हो सकता है। इसके लिए गुंजा के बीजों को एक काले रंग के धागे में पिरो लें। अब इसे बच्चों या जिसे भी नजर लगी हो उसके गले में पहनाएं। ऐसा करने से नजर दोष से बचाव होता है और जातक के आसपास से नकारात्मकता दूर रहती है। तंत्र शास्त्र में गुंजा की माला को ऊपरी चक्कर और नकारात्मक शक्तियों को दूर रखने के लिए भी बेहद चमत्कारी और उपयोगी माना गया है।

धन-दौलत में वृद्धि के लिए गूंजा का उपाय

अगर आप घर की आर्थिक तंगी से परेशान हैं या जीवन में पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो गुंजा से जुड़ा एक उपाय जरूर आजमाकर देखें। इसके लिए गुंजा के सफेद बीजों शुक्रवार के दिन अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख दें। सफेद रंग के गुंजा मिलने बहुत मुश्किल होते हैं, लेकिन इन्हें धन में वृद्धि के लिए बहुत उपयोगी माना गया है। शुक्रवार को यह उपाय करने से धन-दौलत में वृद्धि होती है, आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है और परिवार के सदस्यों पर माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। अगर आप यही उपाय दीवाली या अक्षय तृतीया वाले दिन कर लें, तो इससे भाग्य भी चमक सकता है।

नजर दोष हटाने का असरदार टोटका

इसके लिए मंगलवार या शनिवार के दिन पहले गुंजा के 7 बीज ले आएं। अब एक स्थान पर उस जातक को बिठाएं जिसे नजर लगी हो। 7 गुंजा के बीज को सिर से 7 बार उल्टी दिशा में घुमाकर उन्हें सीधा लेजाकर बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा संभव न हो तो आप अग्नि में भी बीजों को डाल सकते हैं। इस उपाय को करने से नजर दोष दूर होता है। बच्चों के लिए यह उपाय सबसे अचूक और असरदार माना गया है।

घर में क्यों नहीं रखा जाता यमुना जल? शास्त्रों में छुपा है यमलोक का संकेत!

सनातन में गंगा के साथ ही हमेशा यमुना का नाम भी लिया जाता है। यमुना के जल को भी श्रद्धा और आदर दिया जाता है, लेकिन घर में इसे रखने से संबंधित मान्यताएं नकारात्मक प्रभाव की ओर इशारा करती हैं। लोगों की मान्यताओं के अनुसार इसे केवल पूजा-पाठ या स्नान तक सीमित रखना ही उचित है। लेकिन ऐसा क्यों?

यमुना नदी को हिंदू धर्म में मां का दर्जा प्राप्त है। उसे पापनाशिनी, काल संहारिणी और मोक्षदायिनी माना जाता है, फिर भी एक ऐसी मान्यता वर्षों से चली आ रही है कि यमुना का जल घर में नहीं रखना चाहिए। इसके पीछे केवल लोक मान्यता ही नहीं, बल्कि यमराज, तर्पण और मृत्यु से जुड़ी शक्तियों का संबंध है। इस रहस्य का संबंध स्वयं भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है।

यमुना जी कौन हैं?

शास्त्रों में वर्णित है कि यमुना देवी सूर्य देव की पुत्री और यमराज की बहन हैं। उन्हें कालिंदी भी कहा जाता है। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज पर यमराज अपनी बहन यमुनाजी के घर जाते हैं और आशीर्वाद देते हैं कि जो भाई और बहन इस दिन यमुनाजल से स्नान करेंगे, उस बहन के भाई की अकाल मृत्यु नहीं होगी।

यमुना का यमराज यानी मृत्यु के देवता से संबंध

यमुनाजी का संबंध यमराज यानी मृत्यु के देवता से है, इसलिए यमुनाजल को घर में रखने से मना किया जाता है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा और यम का प्रभाव बढ़ सकता है, यही कारण है कि गंगाजल जहां जीवनदायिनी माना गया है, वहीं यमुनाजल को केवल व्रत, स्नान या तीर्थ में प्रयोग करने तक सीमित रखा गया है।

गरुड़ पुराण का संकेत

गरुड़ पुराण और पद्म पुराण जैसे शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि यमुना के जल का उपयोग केवल तीर्थ स्नान या प्रायश्चित्त कर्मों के लिए करना चाहिए, लेकिन इसे घर में स्थायी रूप से नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इससे घर में मृत्यु, रोग या कलह के योग बन सकते हैं।

श्रीकृष्ण और यमुना जी का विशेष नाता

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ, तब वासुदेव जी उन्हें मथुरा से गोकुल ले जा रहे थे, तब यमुना जी ने उन्हें रास्ता दिया था। किंवदंती है कि यमुना जी ने बालकृष्ण के चरण स्पर्श करने के लिए अपनी जलधारा ऊपर उठाई थी, और तभी कृष्ण के पावन स्पर्श से यमुना और भी पवित्र हुईं। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का प्रमुख केंद्र वृंदावन और यमुना तट ही रहा है। गोपियों संग रास, कालिया नाग का मर्दन, और माखन चोरी, ये सब यमुना किनारे ही हुआ। यमुना को भगवान कृष्ण की पटरानी माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण से यमुना मैय्या को यह वरदान प्राप्त था कि वह हमेशा उनके चरणों में ही रहेंगी।

वास्तु व शुद्धता की दृष्टि से वर्जित

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यमुना जल कालेपन व अस्थिरता का प्रतीक है। घर में इसका संग्रह करने से दरिद्रता या मानसिक तनाव बढ़ सकता है। जबकि गंगाजल को सभी दोषों को हरने वाला बताया गया है।

शिव पुराण में भगवान शिव को प्रसन्न करने का सबसे आसान तरीका, बस शिव पूजा के बाद करें यह एक छोटा सा काम

सावन के महीने में हर कोई भगवान शिव को तरह-तरह से प्रसन्न करना चाहता है। कोई शिवजी को जल अर्पित कर रहा है तो कोई उनका गंगाजल से अभिषेक करने के लिए कांवड़ लेने जा रहा है। कोई शिवजी को बेल पत्र चढ़ा रहा है तो कोई रुद्राभिषेक, शिवार्चन कर रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवजी को एक आसान और मुफ्त के तरीके से खुश किया जा सकता है। शिवजी को यह उपाय इतना प्रिय है कि इससे उनका क्रोध दूर हो जाता है और वह खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। इस उपाय का वर्णन शिव पुराण में मिलता है। ऐसे में आइये शिव पुराण की कथा से जानते हैं, भगवान शिव को किस तरीके से आसानी से खुश किया जा सकता है।

दक्ष प्रजापति के यज्ञ में कूद गई थीं मां सती

कथा इस प्रकार है कि दक्ष प्रजापति ने यज्ञ का आयोजन किया था लेकिन उन्होंने अपनी पुत्री सती और दामाद शिवजी को आमंत्रित नहीं किया था। लेकिन पिता के प्रेम में मां सती यज्ञ में जाने की जिद करने लगी। शिवजी ने मना किया लेकिन तब भी वह यज्ञ में गईं। वहां जाकर माता सती को अपमानित महसूस हुआ। ऐसे में उन्होंने यज्ञ की आग में कूदकर खुद की आहुति दे दी। शिवजी को जैसे ही यह पता चला तो उन्हें भयंकर क्रोध आया। शिवजी के क्रोध से सृष्टि में हाहाकार मच गया था। प्राणी भयभीत होने लगे थे।

तब शिवजी के क्रोध ने मचाई तबाही

क्रोध में शिवजी दक्ष प्रजापति के यज्ञ में पहुंचे और अपने बाल से वीरभद्र को उत्पन्न किया। वीरभद्र ने दक्ष प्रजापित के यज्ञ को तहस नहस कर दिया और पूरे यज्ञ को नष्ट कर दिया। वीरभद्र ने इसके बाद दक्ष प्रजापति का सिर काटकर नीचे फेंक दिया। चूंकि दक्ष प्रजापति भगवान विष्णु के परम भक्त थे तो विष्णु भगवान अपने भक्त की यह स्थिति देखने के बाद देवताओं के साथ शिवजी का क्रोध शांत करने के लिए पहुंचे।

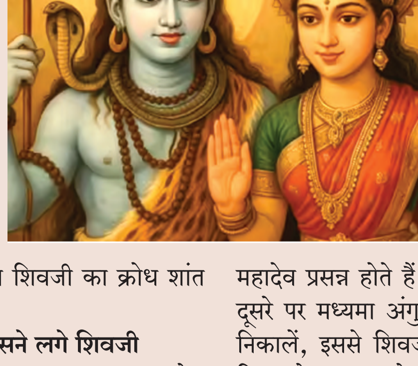

दक्ष प्रजापति की आवाज सुनकर हंसने लगे शिवजी

देवताओं ने शिवजी को काफी मनाया। तब जाकर उनका क्रोध कुछ हद तक शांत हुआ। फिर सभी मिलकर दक्ष प्रजापति की जान बचाने के लिए शिवजी से गुहार लगाने लगे। तब शिवजी ने दक्ष प्रजापति के धड़ पर बकरे का सिर लगाया। और उनकी जान बचाई। बकरे के सिर से जीवित होकर दक्ष प्रजापति ने शिवजी से माफी मांगी। वह शिवजी से माफी मांगने के लिए जब बोल रहे थे तो बकरे की आवाज निकलने लगी, जिसे सुनकर शिवजी का क्रोध पूरी तरह शांत हो गया और वह ये आवाज सुनकर हंसने लगे।

कैसे महादेव को किया जा सकता है प्रसन्न

तब से माना जाता है कि शिवजी की पूजा के बाद इस तरह की आवाज निकालने से महादेव प्रसन्न होते हैं। इसके लिए अपने एक गाल पर अंगूठा और दूसरे पर मध्यमा अंगुली रखते हुए मुंह से डमरू की तरह आवाज निकालें, इससे शिवजी अपने भक्तों से खुश होते हैं। यह भगवान शिव को प्रसन्न करने का आसान और मुफ्त तरीका है। सावन में इस तरीके से शिवजी की कृपा पाई जा सकती है।

कमल हासन ने शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर दी बधाई, बोले

लंबे समय से इसका इंतजार था

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड शुक्रवार को मिला। शनिवार को एक्टर और राज-नेता कमल हासन ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वर्ल्ड सिनेमा पर उनका जो प्रभाव रहा है, उसे देखते हुए यह अवॉर्ड उन्हें बहुत देरी से मिला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''जवान के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने के लिए बधाई शाहरुख खान, इस पहचान की आपको लंबे समय से दरकार थी, जिस तरह से आपका विश्व सिनेमा में प्रभाव रहा है।

इसके बाद उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा और एक्टर विक्रांत मैसी को भी 12वीं फेल' के लिए बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 12वीं फेल' एक मास्टरपीस थी, जिसने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। इसने संघर्ष की कीमत बताई और लाखों लोगों को प्रेरित किया। बधाई हो विधु विनोद चोपड़ा और विक्रांत मैसी इस सम्मान के लिए, जिसके आप हकदार थे।

एक्टर ने रानी मुखर्जी को भी सराहा, जिन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। उन्हें ये अवॉर्ड 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए मिला। उनके बारे में कमल हासन ने लिखा, ऐसा किरदार जो बहुत ही ज्वलंत और नाजुक भी था, उसके लिए आपको राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाना चाहिए ही था।

एक्टर ने तमिल फिल्म 'पार्किंग' को भी बधाई दी, जिसने तीन अवॉर्ड जीते। इसने बेस्ट रीजनल फिल्म, बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इसके प्रोड्यूसर्स को बधाई दी।

इसके बाद वेटरन एक्टर ने म्यूजिक डायरेक्टर जीवी. प्रकाश को भी बधाई दी। उन्हें फिल्म 'वाथी' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड दिया गया था। उन्होंने अपनी दोस्त और एक्ट्रेस उर्वशी की भी तारीफ की। उर्वशी को 'उल्लोजहुक्कु' फिल्म के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया।

एक्टर ने 'लिटल विंग्स' के लिए बेस्ट सिनेमैटोग्राफी का पुरस्कार जीतने के लिए सरवनानुत्थु सौंदरपंडी और मीनाक्षी सोमन को भी बधाई दी।

अनिल कपूर ने एनिमल की राष्ट्रीय पुरस्कारों में तीन बड़ी जीत के साथ जीत का जश्न मनाया

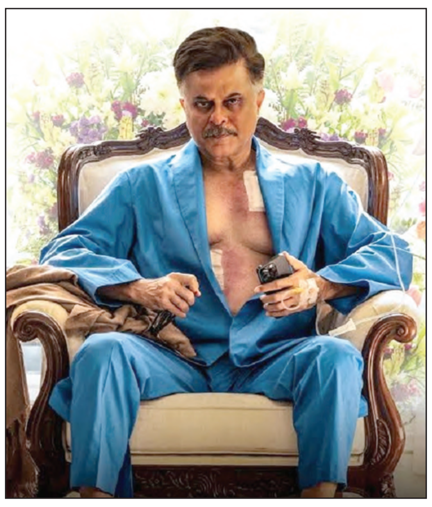

मेगास्टार अनिल कपूर गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं क्योंकि एनिमल ने 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में ज़ोरदार दहाड़ लगाई है, और तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इस फिल्म ने अपनी भव्यता, दमदार अभिनय और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए खूब सराहना पाई। एनिमल को निम्नलिखित श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। सर्वश्रेष्ठ पृष्ठभूमि संगीत (हर्षवर्धन रमेश्वर), सर्वश्रेष्ठ री-रिकॉर्डिंग मिक्सर (राजा कृष्णन), सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन (सचिन सुधाकरन और हरिहरन मुर-लीधरन)। अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर इस बड़ी उपलब्धि की ख़ुशी साझा करते हुए लिखा: टीम एनिमल को ढेरों बधाई! 3 राष्ट्रीय पुरस्कारों के विजेता! क्या टीम है, क्या दहाड़ है! टीमवर्क और जुनून के प्रतीक अनिल कपूर की यह भावुक पोस्ट इस बात को दर्शाती है कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनकर कितना गौरव महसूस करते हैं जो रचनात्मक सीमाओं को पार करते हुए सशक्त सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करते हैं। रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और बॉबी देओल अभिनीत और संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, एनिमल साल की सबसे बड़ी रिलीज़ में से एक थी और इसे व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ आलोचकों की भी प्रशंसा मिली। फिल्म के संगीत और साउंडस्केप, खासकर हर्षवर्धन रामेश्वर के दिल को छू लेने वाले बैकग्राउंड स्कोर को, इसकी दमदार कहानी में गहराई लाने के लिए खूब सराहा गया। अब यह राष्ट्रीय पुरस्कार फिल्म की रचनात्मक और तकनीकी प्रतिभा की पुष्टि के रूप में सामने आया है।अनिल कपूर, जो अपने शानदार करियर में हमेशा उत्कृष्ट सिनेमा के पक्षधर रहे हैं, उन्होंने एक बार फिर यह साबित किया है कि वे प्रभावशाली कहानियों में विश्वास रखते हैं – जिनमें जुनून, इनोवेशन और सच्चाई हो। अपनी टीम की जीत का इतने दिल से सेलिब्रेट करके अनिल कपूर यह भी याद दिलाते हैं कि किसी फिल्म की सफलता के पीछे हर एक योगदानकर्ता की अहम भूमिका होती है।

शूटिंग, मम्मी ड्यूटी और नींद की कमी... देबिना ने बताया इन दिनों कैसी चल रही है जिंदगी

टीवी की मशहूर जोड़ी देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी जल्द ही नए कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आएंगे। इस बीच देबिना ने अपनी जिंदगी की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। देबिना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की और बताया कि उनकी जिंदगी इन दिनों शूटिंग, मम्मी की ड्यूटी, और काम के बीच फंसी है।

उन्होंने लिखा, ''आजकल मेरी जिंदगी शूटिंग, नींद की कमी, मां के फर्ज, तैयार होना और काम पर जाना जैसी चीजों से भरी हुई है। थकी हुई? हां, लेकिन उत्साहित हूं और आभारी भी हूं।''

देबिना और गुरमीत की शादी 2011 में हुई थी, लेकिन कपल 2021 में दोबारा शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी पहली बेटी अप्रैल 2022 में और दूसरी बेटी नवंबर 2022 में पैदा हुईं।

देबिना ने बताया था कि इस शो में हिस्सा लेने की सबसे बड़ी वजह यह है कि उन्हें रोजाना गुरमीत के साथ काम करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, ''गुरमीत इस समय टीवी से दूर हैं, इसलिए कम से कम इस शो के जरिए हम साथ काम कर पा रहे हैं और मस्ती भी कर रहे हैं।''

गुरमीत और देबिना को सबसे ज्यादा पहचान 2009 के टीवी शो 'रामायण' में राम और सीता के किरदार से मिली। इसके बाद गुरमीत ने कई टीवी शो और रियलिटी शोज में काम किया, जैसे 'गीत-हुई सबसे पराई', 'पुनर्विवाह', 'झलक दिखला जा', 'नच बलिये 6', और 'फियर फैक्टर: खतरे के खिलाड़ी सीजन 5'।

गुरमीत ने 2015 में बॉलीवुड में भी कदम रखा और साइकॉलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'खामोशियां' में जयदेव का किरदार निभाया।

अब यह दोनों साथ मिलकर 'पति पत्नी और पंगा' शो में अपनी केमिस्ट्री और असली जिंदगी की झलक फैंस के सामने पेश करेंगे।

इस शो में कई सेलिब्रिटी कपल्स हिस्सा लेंगे, जिनमें हिना खान और रॉकी जायसवाल, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, गीता फोगाट और पवन कुमार, और स्वरा भास्कर -फहाद अहमद शामिल हैं। इस शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुन्नवर फारूकी होस्ट करेंगे।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार : सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म 'सैम बहादुर' को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं – राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, 'सैम बहादुर' की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं।

उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित 'सैम बहादुर' भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

500 रुपये से शुरू हुआ था सुनील ग्रोवर का सफर, आज कॉमेडी में बनाया खास मुकाम

हर चमकते चेहरे के पीछे एक संघर्ष की कहानी छिपी होती है। सुनील ग्रोवर ने भी अपनी जिंदगी में कड़ी चुनौतियों को पार कर सफलता को हासिल किया है। आज वह डॉ. मशहूर गुलाटी, गुत्थी, और रिंकू भाभी जैसे यादगार किरदारों के जरिए करोड़ों लोगों को हंसाने वाले चेहरे बन चुके हैं, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता उतना आसान नहीं था जितना स्क्रीन पर उनकी कॉमिक टाइमिंग को देखकर लगता है। सुनील ग्रोवर की सफलता की कहानी असल में एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जिसे अपने करियर के शुरुआती दिनों में बार-बार रिजेक्ट किया गया, बावजूद इसके उसने कभी हार नहीं मानी।

3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा जिले के छोटे से कस्बे में जन्मे सुनील को बचपन से ही फिल्मों और एक्टिंग का शौक था। वह अक्सर अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की फिल्में देख कर खुद को पर्दे पर सोचते थे। धीरे-धीरे उनका रुझान थिएटर की ओर बढ़ा और उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से थिएटर में मास्टर्स की पढ़ाई की। इस दौरान कॉमेडियन जसपाल भट्टी की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने 'गुटुर गु' जैसे शुरुआती प्रोजेक्ट्स में उन्हें काम करने का मौका दिया। इसके बाद 1998 में अजय देवगन की फिल्म 'प्यार तो होना ही था' में छोटे रोल के जरिए उन्होंने फिल्मों में कदम रखा।

हालांकि, बॉलीवुड में शुरुआती दिनों में उन्हें कोई खास पहचान नहीं मिली। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वह मुंबई आए, तो पॉश इलाके में एक घर किराए पर लिया, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हें खुद पर पूरा विश्वास था कि एक दिन वो सफल जरूर होंगे। शुरुआती दिनों में उन्हें वॉयस ओवर या इवेंट के जरिए 500 रुपये मिलते थे।

रोजगार के लिए सुनील ने टीवी शो में छोटे रोल्स के लिए ऑडिशन देने शुरू किए। उन्होंने एक नहीं, दर्जनों बार कोशिशें कीं, लेकिन हर बार उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। किसी शो में उनकी जगह कोई और ले लिया गया, तो किसी में स्क्रीन टेस्ट पास करने के बावजूद उन्हें आखिरी समय में रिप्लेस कर दिया गया। यह सिलसिला चलता रहा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह एक टीवी शो के लिए सिलेक्ट हो गए थे, लेकिन सेट पर समय पर नहीं पहुंच पाने के कारण प्रोड्यूसर ने उन्हें निकाल दिया। उस दिन उन्होंने पहली बार महसूस किया, 'मुंबई में मेरे जैसे हजारों लोग हैं, लेकिन टिकता वही है जो गिरने के बाद उठता है।'

इसी दौर में सुनील ने रेडियो का रुख किया। रेडियो मिर्ची पर 'हंसी के फव्वारे' नामक शो में 'सूद' नामक किरदार से उन्होंने श्रोताओं का दिल जीता। शो इतना लोकप्रिय हुआ कि वह दिल्ली से चलकर देशभर में प्रसारित होने लगा। यही वो मोड़ था जहां से उनकी किस्मत ने करवट ली। फिर टीवी की ओर वापसी हुई और उन्हें छोटे किरदारों के बाद 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में 'गुत्थी' का रोल मिला और यह रोल उनके करियर का टर्निंग पॉइंट बन गया। गुत्थी के बाद उन्होंने डॉ. मशहूर गुलाटी, रिंकू भाभी जैसे कई किरदार निभाए, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। हालांकि, कपिल शर्मा के साथ विवाद के बाद उन्होंने शो छोड़ दिया, लेकिन इससे उनकी लोकप्रियता पर कोई असर नहीं पड़ा।

फिल्मों में भी सुनील ने कई तरह की भूमिकाएं निभाईं, जिनमें 'गब्बर इज बैक', 'बागी', 'भारत' और 'जवान' जैसी सफल फिल्में शामिल हैं। उन्होंने वेब सीरीज में भी अपनी किस्मत आजमायी, 'तांडव' और 'सनफ्लावर' जैसी सीरीज में काम किया।

शुरुआत में सुनील ग्रोवर को बेशक बार-बार रिजेक्शन, आर्थिक तंगी और असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी मेहनत, जज़्बा और टैलेंट ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान दिलाई।

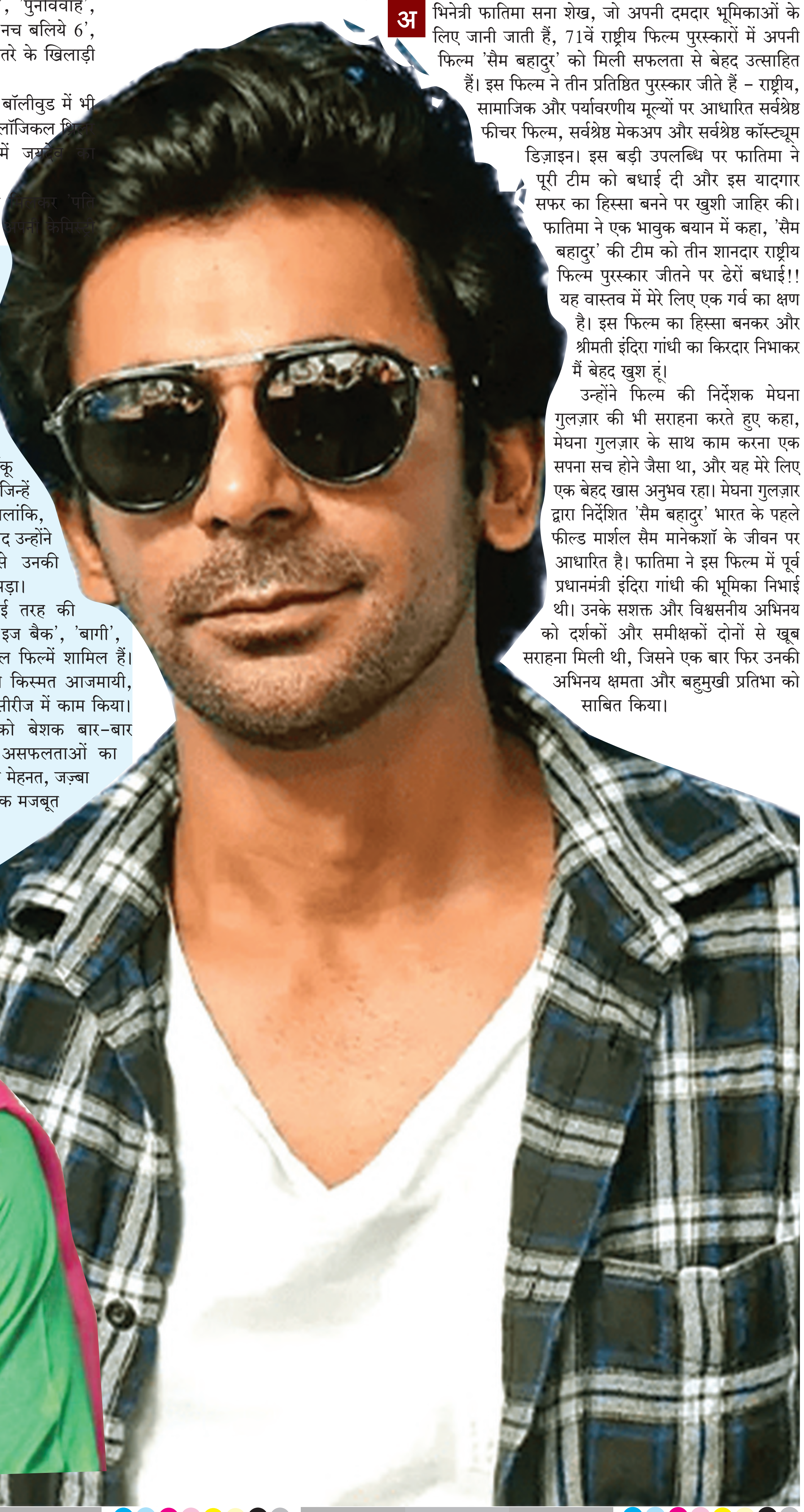

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें। स्थिति में सुधार आएगा। पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी-मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता-पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है. राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नमः मंत्र का जप करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगे और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें.सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई-बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक-झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता-पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 अगस्त 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 09:44 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रातः 06:35 तक
योग : शुक्ल प्रातः 06:24 तक
करण : कौलव प्रातः 09:44 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:39 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कृषि एवं किसान कल्याण ही प्राथमिकता : भजनलाल

बांसवाड़ा, 02 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषक कल्याण और ग्रामीण विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। उन्होंने किसान भाइयों के खातों में पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त की सौगात दी है। इसी कड़ी में राजस्थान के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान सम्मान निधि योजना शुरू कर लघु एवं सीमांत किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने लाखों करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी देकर किसानों को राहत दी है। 10 हजार से अधिक नए एफपीओ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानो के लिए ऑनलाइन व्यापार की व्यवस्था ई-नाम शुरू की है। लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाकर इसका विस्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है और इसे 12 हजार रुपये तक बढ़ाने का संकल्प है। राज्य के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की 6 हजार 800 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। वर्ष 2025-26 में 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण एवं भूमि विकास और सहकारी बैंकों के माध्यम से इस वर्ष 400 करोड़ रुपये का दीर्घकालीन ऋण 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान के साथ उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने करीब 32 लाख मीट्रिक टन गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद की है। इसी क्रम में पिछले वर्ष 125 रुपये और इस वर्ष 150 रुपये बोनस देकर गेहूं की खरीद पर करीब साढ़े चार सौ करोड़ रुपये की बोनस राशि का भुगतान किया है।

शर्मा ने कहा कि पीएम कुसुम योजना में 1500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन से किसानों को संबल मिला है। किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। इसके फलस्वरूप 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत 12 हजार करोड़ के कार्यादेश दिए गए हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान ने हरियाणा के साथ यमुना जल समझौता कर बरसों के इंतजार को खत्म किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास को सर्वांगीण, सर्वव्यापी और सर्व-समावेशी बनाते हुए जनजातीय समाज के उत्थान का बीड़ा उठाया है। इस समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किया गया है। जिससे देश की पांच करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिरसा मुंडा के जन्मदिवस 'जनजातीय गौरव दिवस' पर कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास हेतु प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) की शुरुआत की। जिसमें प्रदेश के जनजाति बहुल गांवों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का काम किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में 7 नए आश्रम छात्रावास, 3 नए आवासीय विद्यालय और 250 नए मां-बाड़ी केंद्र स्वीकृत किए हैं। मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत रसोइयों और शिक्षकों का मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है। 530 वनधन केंद्रों के जरिए जनजातीय परिवारों की वन उपजों को बाजार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मानगढ़ धाम को धार्मिक और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। टीएसपी फंड को 1 हजार करोड़ से बढ़ाकर 1 हजार 500 करोड़ रुपये किया गया है। वहीं डूंगरपुर में डूंगर बरंडा, बांसवाड़ा में बांसिया चारपोटा और उदयपुर में वीर बालिका कालीबाई संग्रहालय जैसे स्मारक हमारे गौरवशाली इतिहास को जीवंत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का जनजातीय समाज को भी बड़ा लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत राजस्थान में अब तक 17 लाख 37 हजार पक्के घर बन चुके हैं। साथ ही, 7 लाख 12 हजार नए आवासों के लिए 8 हजार 544 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि किसान और आदिवासी हमारे समाज के मजबूत स्तंभ हैं। वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान का जो संकल्प लिया है, वह संकल्प तभी साकार होगा, जब गांव समृद्ध होंगे, किसान खुशहाल होगा और हर जनजातीय परिवार को सम्मान, सुविधा और अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि वागड़ क्षेत्र के विकास के लिए भी राज्य सरकार ने विभिन्न महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

प्रथम अखिल भारतीय रेलवे जनसंपर्क सेमिनार का कोटा में सफल आयोजन

रेलवे जनसंपर्क विभाग की मांगों एवं उनकी केडर की कठिनाइयां चुनौतियां रेल मंत्री तक पहुंचाई जाएगी : ओम बिरला

राजस्थान, 02 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अखिल भारतीय रेलवे जनसंपर्क सेमिनार का भव्य आयोजन शनिवार को कोटा के मेनाल रेलवे ऑफिसर्स क्ल में किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की और भारतीय रेलवे जनसंपर्क कैडर की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रिला के आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुआ। तत्पश्चात, मंडल रेल प्रंधक, कोटा श्री अनिल कालरा सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री कालरा द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की गई। इसके बाद जनसंपर्क विभाग के परिचय पर एक संक्षिप्त वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिससे जनसंपर्क कर्मियों की बहुआयामी भूमिका का परिचय उपस्थित जनसमूह को मिला।वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी कमल जोशी द्वारा जनसंपर्क कैडर का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, दायित्व, एवं संरचनात्मक चुनौतियों को रेखांकित किया गया। माननीय श्री ओम बिरला जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रेलवे का जनसंपर्क विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है। इसकी मजबूती से रेलवे की छवि और पारदर्शिता में वृद्धि होती है। उन्होंने विभाग के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक आश्वासन भी प्रदान किया।इसके पश्चात मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया गया तथा कार्यक्रम का औपचारिक समापन धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।इसके उपरांत सेमिनार सत्र आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से आए वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रचार निरीक्षकों ने अपने विचार, अनुभव एवं कैडर से संबंधित व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए। यह विचार-विमर्श सत्र जनसंपर्क विभाग की कार्यक्षमता, कैडर पुनर्गठन, और भविष्य की दिशा तय करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ।कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक, कोटा अनिल कालरा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ललित कुमार धुरंधर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन, मंडल वाणिज्य प्रबंधक किशोर पटेल,नेता प्रतिपक्ष लव शर्मा सहित रेलवे के विभिन्न संवर्गों के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रिंट,इलेक्ट्रॉनिक,सोशल मीडिया से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।इस आयोजन ने न केवल विभागीय एकजुटता को दर्शाया बल्कि जनसंपर्क कैडर की समस्याओं को नीति-निर्माताओं के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया।

भाजपा 14 अगस्त को मनाएगी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस : मदन राठौड़

जयपुर, 02 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाएगी और 15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रत्येक घर तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने का कार्य करेगी। राठौड़ ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को मिली आज़ादी से ठीक एक दिन पहले हुए भारत के विभाजन की त्रासदी में लाखों लोग प्रभावित हुए, जिसमें कई लोगों ने अपने प्राण गंवाए, अनेक लोगों को अपना घर-बार छोड़कर शरणार्थी जीवन अपनाना पड़ा। भाजपा इस अवसर पर उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करेगी, जिन्होंने इस विभाजन की भयावहता को झेला और अपनी हिम्मत से दोबारा जीवन खड़ा किया।

उन्होंने कहा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन अनगिनत पीड़ितों के साहस, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। राठौड़ ने कहा कि आज का दिन यह संकल्प लेने का है कि हम देश में एकता, अखंडता और भाईचारे के सूत्र को कभी टूटने नहीं देंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि 15 अगस्त को 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक घर में तिरंगा पहुंचाने का कार्य करेंगे और जनता से अपील करेंगे कि राजनीति से ऊपर उठकर हर व्यक्ति राष्ट्रध्वज फहराए - चाहे वह किसी भी विचारधारा का क्यों न हो। राजनीतिक सवालों पर जवाब देते हुए राठौड़ ने कहा कि गहलोत जी को मानेसर भूल जाना चाहिए, लेकिन जब वो बार-बार उस मुद्दे को उठाते हैं, इसका मतलब है कि उन्हें अभी भी वो सब याद है, लेकिन जब मैं विभाजन विभीषिका को याद कर भावुक हो जाता हूं, तो क्या सचिन पायलट 'नकारा-निकम्मा' जैसे शब्दों को भूल पाएंगे? ऐसे शब्द अपने ही साथी के लिए नहीं कहे जाने चाहिए।

भ्रष्ट तंत्र और लापरवाह प्रशासन की देन है हरियाणा के शहरों में जलभराव : सैलजा

सिरसा, 02 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में हरियाणा के कई जिलों में हुई भारी वर्षा ने गुरुग्राम से लेकर हिसार, सिरसा तक प्रदेश के हालात ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। जगह-जगह जलभराव, टूटी सड़कों, बंद नालियों और उखड़े हुए विकास कार्यों ने साफ कर दिया है कि भाजपा-जजपा सरकार के विकास के दावे केवल कागजों तक सीमित हैं। ये सब उस भ्रष्ट तंत्र और लापरवाह प्रशासन की देन है जिस पर आजतक सरकार लगाम नहीं लगा पाई है। सरकार प्रशासनिक और तकनीकी विफलता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई करें साथ ही हर जिले में एक स्थायी आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की स्थापना हो। सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि 11 साल में भाजपा सरकार ने बुनियादी ढांचे में सुधार को लेकर कोई कार्य नहीं किया बल्कि जो कुछ था वह भी बर्बाद हो रहा है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गांव हो या शहर हर जगह जलभराव होने से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त है। बीमारियों का खतरा बढ़ गया है, स्कूलों और दफ्तरों में पहुंचना मुश्किल हो गया है, किसानों के खेतों में फसलें डूब गई हैं और गरीब मजदूरों के घरों में पानी घुस गया है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार और निकम्मे तंत्र की देन है। नालियों की सफाई समय पर नहीं हुई, ड्रेनेज सिस्टम वर्षों से अधर में है, और प्रशासन के पास आपदा से निपटने की कोई ठोस योजना नहीं है।

सांसद कुमारी सैलजा ने सवाल किया कि करोड़ों रुपये की योजनाएं कहां गईं? किस जेब में समा गईं वो राशियां, जिनसे शहरों व गांवों को जलभराव मुक्त किया जाना था? सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि तुरंत प्रभाव से जल निकासी के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, जिन किसानों और गरीब परिवारों को नुकसान हुआ है, उन्हें मुआवजा दिया जाए, प्रशासनिक और तकनीकी विफलता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और हर जिले में एक स्थायी आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष की स्थापना हो।

सांसद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश की जनता के साथ खड़ी है और हम हर स्तर पर जनता की आवाज़ उठाते रहेंगे। जनता को उनके अधिकार दिलवाने के लिए कांग्रेस पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कुमारी सैलजा ने कहा कि बारिश से हिसार के लघु सचिवालय की छत लीक हो गई।

सीएम नायब सिंह सैनी ने रामायण के बाल कांड का पंजाबी अनुवाद किया जारी

चंडीगढ़, 02 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण के 'बाल कांड' के पंजाबी अनुवाद का विमोचन किया है। इस अनुवादित पुस्तक में भगवान श्रीराम के बचपन की लीलाओं का मनोहारी वर्णन किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस महान कार्य के लिए 'सप्तसिंधु वाल्मीकि अध्ययन केंद्र' और 'हरियाणा साहित्य व संस्कृति अकादमी' का विशेष धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों के संरक्षण में समाज को एक अमूल्य धरोहर दी गई है, और इस कारण आज का दिन आध्यात्मिक और ऐतिहासिक है।

सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि 5 अगस्त, 2020 को अयोध्या में श्रीराम लला मंदिर के भूमि पूजन समारोह में उनकी भागीदारी से विश्वभर में करोड़ों श्रीराम भक्तों ने गर्व का अनुभव किया। प्रधानमंत्री ने सही कहा था कि श्रीराम लला का मंदिर हमारी संस्कृति का आधुनिक प्रतीक है और यह आने वाली पीढ़ियों को आस्था, श्रद्धा और संकल्प की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने 'बाल कांड' के पंजाबी अनुवाद को हमारी संस्कृति और आपस का संगम बताते हुए कहा कि इससे यह संगम और मजबूत होगा तथा इसका दूरगामी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी

हरियाणा के 16.77 लाख किसानों को मिले 353 करोड़

चंडीगढ़, 02 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वाराणसी, उत्तर प्रदेश से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 20वीं किस्त जारी की। इस पहल के तहत, देश के 9 करोड़ 70 लाख किसानों के खातों में कुल 20 हजार 500 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। इसमें हरियाणा के 16 लाख 77 हजार किसानों के खातों में भी 353 करोड़ रुपये की राशि सीधे पहुंचाई गई है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, जिला पंचकूला में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' का राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अन्य जिलों में भी समारोह हुए, जहां कैबिनेट और राज्य मंत्रियों ने भाग लिया और प्रधानमंत्री के संबोधन को लाइव सुना गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई यह 20वीं किस्त केवल एक वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि यह देश के किसानों को दिए गए भरोसे का प्रमाण है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अन्नदाता के कल्याण के संकल्प की पुनः पुष्टि है। मुख्यमंत्री ने इस वित्तीय सहायता के लिए प्रदेश के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू की गई यह योजना, भारत के करोड़ों किसानों के जीवन में एक नया आत्मविश्वास लाई है। यह छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों को साल में तीन किस्तों में 2-2 हजार रुपये की सीधी सहायता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह पारदर्शिता और प्रतिबद्धता 'नए भारत' की पहचान बन चुकी है।

नायब सिंह सैनी ने 'विकसित भारत 2047' के प्रधानमंत्री के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके चार मुख्य स्तंभों - किसान, गरीब, महिला और युवा - में से पहला स्तंभ किसानों की समृद्धि ही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री के इसी विजन को साकार करने के लिए किसानों की खुशहाली और कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

लखीसराय में मूसलधार बारिश से तबाही

दर्जनों गांवों का संपर्क टूटा सड़क बहने से ग्रामीण बेहाल

लखीसराय (एजेंसियां)। लखीसराय जिले में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कजरा प्रखंड के उरेन चम्पा नगर, बसुआचक, मँझवे सहित दर्जनों गांवों को कजरा बाजार और जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली मुख्य सड़क बारिश के पानी में बह गई है, जिससे इन गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, उरेन स्टेशन के पास नया अंडरपास निर्माणाधीन है। भारी बारिश के बाद अंडरपास में पानी भर गया, जिससे जल निकासी की व्यवस्था करने के लिए संवेदक ने जेसीबी से मुख्य सड़क को काट दिया। बिना किसी वैकल्पिक मार्ग या पूर्व सूचना के की गई इस

कार्रवाई से ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य बिना किसी योजना और वैकल्पिक व्यवस्था के किया गया, जिससे उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। मरीजों को अस्पताल ले जाना, बच्चों का स्कूल जाना और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना बेहद कठिन हो गया है। जेडीयू जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी जिला पदाधिकारी को दे दी गई है और तत्काल सड़क मरम्मत और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की मांग की गई है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन जल्द कार्रवाई करेगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि राहत कार्यों में तेजी लाई जाए और सड़क की मरम्मत के साथ-साथ स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति न उत्पन्न हो। यह घटना बारिश के मौसम में बुनियादी ढांचे की कमजोरियों और प्रभावी आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को उजागर करती है। फिलहाल दर्जनों गांव सड़क बह जाने के कारण अलग-थलग पड़े हैं और राहत की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हत्याकांड मामले में दो सगे भाइयों को मिली उम्रकैद

न्याय के लिए 9 वर्षों तक करना पड़ा इंतजार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के कांटी थाना क्षेत्र में नौ साल पहले एक युवक की हत्या के एक मामले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-13 दशरथ मिश्र ने दो सगे भाइयों, गौतम कुमार चौधरी और गौरव कुमार चौधरी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों को उम्रकैद के साथ-साथ दोनों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

दरअसल यह मामला 5 दिसंबर 2016 का है, जब बरियारपुर गांव के अविनाश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में अभियोजन का कहना है कि अविनाश श्रीसियां गांव के निवासी गौतम के यहां काम करता था। गौतम और गौरव मादक पदार्थ गांजे के अवैध धंधे में लिप्त थे। दोनों भाई अविनाश को भी इस धंधे में शामिल करना चाहते थे, लेकिन इस बात के लिए अविनाश राजी नहीं था। दोनों भी अविनाश पर लगातार दबाव डाल

रहे थे, जिसके बाद अविनाश ने साफ़ तौर पर ऐसा करने से उसने इनकार कर दिया।

5 दिसंबर 2016 को गौतम ने अपने भाई गौरव, पिता सुरेंद्र और एक अन्य साथी धीरज के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची और फिर उस शाम 6:30 बजे में जब अविनाश घर में खाना खा रहा था, तभी उन आरोपियों ने पीछे से घर में घुसकर उसे गोली मार दी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में अपर लोक अभियोजक ब्रजमोहन सिंह ने नौ गवाहों के बयान पेश किए, जिसके आधार पर कोर्ट ने सजा सुनाई। इस मामले में एक आर-ोपी धीरज अभी फरार है। आज इस केस में मृतक के परिजन को न्याय मिला है।

राजनाथ सिंह का राहुल गांधी पर हमला, कहा–

सबूतों का परमाणु बम गिराकर मतदान चोरी वाले आरोप को साबित करें

पटना (एजेंसियां)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज बिहार दौरे पर हैं। पटना में एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी से पूछा कि उनके पास सबूतों का परमाणु बम है तो साबित करें कि चुनाव आयोग बिहार में मतदान चोरी कर रहा है। राहिल गांधी को तुरंत इस मुद्दे पर डेटोनेटिंग कर जवाब देना चाहिए। उन्हें बस यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस काम में वह खुद सुरक्षित रहें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की

जनता को उनके पिछले बयान भी याद हैं। उन्होंने ही संसद को भूकंप की धमकी दी थी, लेकिन जब वह बोले, तो वह एक फ्लॉप शो साबित हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग एक ऐसा संस्थान है जो अपार निष्ठा के लिए जाना जाता है। वह हर काम देशहित में ही करता है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर जो दुष्प्रचार किया रहा, चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है, वह गलत है। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हों। विपक्ष के नेता को एक संवैधानिक संस्था के बारे में इस तरह का बयान देने का कोई अधिकार नहीं है

रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी अपनी पार्टी के हाथों पर खून लगा है, जिसने 1975 में आ-पातकाल लागू करके लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार की भी खूब तारीफ की। कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में अपने 20 वर्षों के शासन के दौरान राज्य की स्थिति को सुधारने में मदद की।

बिहार में किसान उत्सव दिवस

अन्नदाता की आय बढ़ाने की निरंतर कोशिश कर रही मोदी सरकार : शिवराज सिंह

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री आज बिहार दौरे पर हैं। वह पटना के बापू सभागार में पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने आए हैं। इस कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री और कई मंत्री समेत पांच हजार किसान शामिल हो रहे हैं।

दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी वाराणसी से पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी करने जा रहे हैं। इसका लाभ बिहार के भी 74 लाख किसानों को मिलेगा।

इधर, पटना पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज

'किसान उत्सव दिवस' है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से जमा करेंगे। हमारे अन्नदाता की आय बढ़ाने का निरंतर कोशिश जारी है। किसानों की आय को बढ़ाने के लिए किसान सम्मान निधि के साथ-साथ लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री कृषि धन धान्य योजना का भी किसानों को बहुत लाभ मिलेगा।

इधर, बिहार के डिप्टी सीएम व कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण को लेकर पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के 38 जिलों से 5000 से अधिक किसान, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी और कृषक मित्र भाग लेंगे। इस अवसर पर 74 लाख किसानों के खातों में योजना की राशि ट्रांसफर की जाएगी। बाकी दो लाख किसानों को भी जल्द ही राशि भेजी जाएगी।

जहानाबाद में डायरिया का कहर जारी काको बाजार के अधेड़ की मौत

परिजनों ने बीमारी को बताया कारण

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद में डायरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। जिले के काको बाजार इलाके में डायरिया से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान सुरेंद्र पासवान के रूप में हुई है, जो बीते दो-तीन दिनों से डायरिया से पीड़ित थे। हालांकि, अस्प-ताल प्रशासन का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक मौत का कारण स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता।

परिजनों का दावा है कि सुरेंद्र पासवान की मौत डायरिया से हुई है। जानकारी के अनुसार, पहले उनका इलाज काको के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा था, जहां सलाइन चढ़ाई जा रही थी, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने

पर उन्हें शुक्रवार को जहानाबाद सदर अस्पताल रेफर किया गया। वहां ऑक्सीजन देने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया, लेकिन पटना ले जाने के क्रम में ही रास्ते में उनकी मौत हो गई।

सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने भी पुष्टि की है कि सुरेंद्र पासवान की हालत गंभीर थी, इसलिए उन्हें उच्च इलाज के लिए पटना भेजा गया था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। काको बाजार इलाके में बीते छह दिनों से डायरिया का कहर जारी है। अब तक दर्जनों लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं और कई का इलाज सरकारी व निजी अस्पतालों में चल रहा है। कुछ लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि कई की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

हालात को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को सिविल सर्जन की पहल पर पटना से विशेष डॉक्टरों की टीम काको भेजी गई थी। टीम ने इलाके में पहुंचकर डायरिया पीड़ितों का सैंपल लिया और इलाज शुरू किया। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सरकारी पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में साफ-सफाई और पेयजल की गुणवत्ता को लेकर प्रशासन को तत्काल ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि डायरिया जैसे जानलेवा बीमारी पर काबू पाया जा सके।

एचपीवी वैक्सीन लगने के बाद कई छात्राएं बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

अभिभावकों ने जताई नाराजगी

भागलपुर (एजेंसियां)। बांका जिले के अमरपुर स्थित आदर्श बालिका उच्च विद्यालय में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए छात्राओं को दी जा रही कझत वैक्सीन (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन) लगने के बाद कई छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बीमार छात्राओं को पेट दर्द, चक्कर, और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं होने लगीं, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। विद्यालय प्रशासन ने तुरंत अमरपुर रेफरल अस्पताल को सूचना दी, जहां से पहुंची मेडिकल टीम ने बीमार छात्राओं को इलाज के

लिए भर्ती कराया। घटना के बाद अभिभावकों में गहरी चिंता और नाराज़गी देखी गई।

रानी कुमारी (कक्षा-8), आयुसी कुमारी, लच्छो कुमारी, परर्मिला कुमारी, नेहा कुमारी, साक्षी कुमारी, मीणा कुमारी, छोटी कुमारी, चंचल कुमारी, प्रिया कुमारी, सुप्रिया कुमारी, काजल कुमारी, खुशी कुमारी, अलका, मुस्कान, रानी सोनाली, चांदनी, सोनाक्षी, खुशी खातून और नेहा कुमारी।

जैसे ही घटना की जानकारी अभिभावकों को मिली, वे बड़ी संख्या में स्कूल पहुंच गए और विद्यालय प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। उन्होंने टीकाकरण प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए और बिना पूर्व सूचना के वैक्सीन दिए जाने को लेकर विरोध जताया। स्थिति बिगड़ने पर अमरपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया।

अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि एचपीवी वैक्सीन कभी-कभी कुछ बच्चों में हल्के और अस्थायी दुष्प्रभाव दिखा सकती है, जो सामान्य है। फिर भी सभी छात्राओं को ऑब्ज़र्वेशन में रखा गया है और पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 9 से 14 वर्ष की किशोरियों को दी जाती है। यह वैक्सीन भारत सरकार के राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती है।

अभिभावकों ने मांग की है कि भविष्य में किसी भी प्रकार के वैक्सीनेशन से पहले बच्चों और उनके माता-पिता को पूरी जानकारी दी जाए और उनकी लिखित सहमति लेना अनिवार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बिना पूर्व सूचना के बच्चों को वैक्सीन देना न सिर्फ गलत है बल्कि खतरनाक भी हो सकता है।

मधेपुरा में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से दो मजदूरों की मौत, एक की हालत गंभीर

मधेपुरा (एजेंसियां)। मधेपुरा के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के गम्हरिया रोड स्थित पुलिस लाइन के सामने शनिवार को निर्माणाधीन मकान में शौचालय की टैंक में शटरिंग खोलने के दौरान दम घुटने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा विजय भगत के निर्माणाधीन मकान में हुआ। मृतकों की पहचान सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के लालपट्टी वार्ड एक निवासी सहदेव यादव के बेटे प्रमोद यादव (55) और बुढ़ाबे निवासी दिलीप चौहान (40) के रूप में की गई है। तीसरे मजदूर का इलाज मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह करीब 9 बजे दो मजदूर निर्माणाधीन घर के शौचालय टैंक में शटरिंग खोलने के लिए उतरे थे। काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर तीसरा मजदूर टैंक में गया लेकिन वह भी बाहर नहीं निकल सका। इसके बाद घर मालिक का स्टाफ मुकेश कुमार रस्सी के सहारे टैंक में उतरा और बेहोश हो गया। हालांकि उसे तत्काल बाहर निकाल लिया गया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय लो-गों की मदद से अन्य तीनों को बाहर निकाला गया और तुरंत मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्प-ताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्रमोद यादव और दिलीप चौहान को मृत घोषित कर दिया। तीसरे मजदूर केटावन निवासी संतोष कुमार का इलाज जारी है।

सिंहेश्वर थानाध्यक्ष वीरेंद्र राम ने बताया कि हादसा सेप्टिक टैंक में शटरिंग खोलने के दौरान दम घुटने से हुआ। दोनों मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. अंजनी कुमार ने बताया कि जब सेप्टिक टैंक लंबे समय तक बंद रहता है तो उसमें ऑक्सीजन की कमी और जहरीली गैस का जमाव हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com